राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 पूजा खेडकर कमिश्नरेट में हाजिर होने के लिए नोटिस.....

जमू कश्मीर में चुनाव का ऐलान जल्द? ऐशन में चुनाव पुणे 12

वर्ष : 12 | अंक : 114 | पटना, रविवार, 04 अगस्त, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मुख्यमंत्री ने ककोलत जलप्रपात में पर्यटकीय सुविधाओं का किया लोकार्पण

सूबे में पर्यटकों की बढ़ेगी संख्या और स्थानीय लोगों को मिलेगा रोजगार : नीतीश

- बोलें-ककोलत जलप्रपात पर्यटकों के लिये सुगम, सुरक्षित एवं आकर्षक बनाया गया है

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को नवादा जिले के गोविंदपुर प्रखंड स्थित ककोलत जलप्रपात में पर्यटकीय सुविधाओं का शिलापट्ट अनावरण कर एवं फीता काटकर लोकार्पण किया और पर्यटकों को दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने वन विश्राम गृह अरण्यधारा का भी फीता काटकर उद्घाटन किया। उद्घाटन के पश्चात मुख्यमंत्री ने वन विश्राम गृह का निरीक्षण भी किया। वन विश्राम गृह के सभागार में मुख्यमंत्री के समक्ष ककोलत जल प्रपात विकास यात्रा पर आधारित एक लघु फिल्म प्रदर्शित की गई। मुख्यमंत्री ने ककोलत जलप्रपात के विकास के लिए बेहतर कार्य करनेवाले अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने प्रतीक चिह्न एवं पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने ककोलत जलप्रपात परिसर में वृक्षारोपण भी किया। ककोलत जलप्रपात में प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में लोग यहाँ घूमने आते हैं लेकिन ककोलत में लोगों के लिए पर्यटकीय सुविधाओं का अभाव था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वर्ष 2013 में पहली बार ककोलत जलप्रपात का भ्रमण कर पर्यटकीय सुविधाओं के विकास के लिए कई निर्देश दिये थे, जिसके उपरांत वर्ष 2013-14 में यहाँ पर कई पर्यटकीय सुविधाओं का विकास किया गया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर 2022 में ककोलत जलप्रपात में पर्यटकों के लिए सुविधायें उपलब्ध कराने हेतु कई अन्य कार्य प्रारंभ किये गये।

पर्यटकों को प्राकृतिक खूबसूरती का आनंद लेने में सहूलियत होगी :

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि आज ककोलत जलप्रपात में ईको टूरिज्म सुविधाओं के विकास कार्य का लोकार्पण होने से पर्यटकों को प्राकृतिक खूबसूरती का आनंद लेने में सहूलियत होगी। ककोलत जलप्रपात पर्यटकों के लिये सुगम, सुरक्षित एवं आकर्षक बनाया गया है। ककोलत में पहाड़ चढ़ते वक्त हमेशा पत्थरों के गिरने की संभावना बनी रहती थी जिसके कारण लोग नियमित रूप से झरने तक नहीं पहुँच पाते थे और उन्हें चोट लगने का डर रहता था इसलिए सर्वप्रथम स्टोन स्टैबलाईजेशन का कार्य कराया गया जिसमें गिरने वाले पत्थरों को लोहे के जाल से बांध दिया गया है। अब पत्थर गिरने की संभावना खत्म हो गयी है। ककोलत जलप्रपात तक पहुँचने के लिए सीढ़ी का निर्माण कराया गया है। झरने के नीचे वाले तालाब का पुनर्निर्माण कराया गया है और इसमें सीढ़ी भी बनायी गयी है ताकि लोग आसानी से इसमें उतरकर नहा सकें। ककोलत में पत्थरों को काटकर आकर्षक भव्य मुख्य द्वार, 6 कैफेटेरिया, सेल्फी प्वाइंट, प्रशासनिक भवन, शौचालय, टिकट काउंटर, लाउंज और पर्यटन सूचना केंद्र और पानी का कुंड आदि बनाया गया है। ऊपर तथा नीचे सीट आउट व महिलाओं तथा पुरुषों के लिए चेंजिंग रूम बने हैं।

ककोलत के विकास को देखकर लोगों में खुशी का माहौल :

मुख्यमंत्री ने कहा कि ककोलत के विकास को देखकर लोगों में खुशी का माहौल है। वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से प्यूरिफाई कर झरने का पानी पीने योग्य बनाकर जगह-जगह पर आकर्षक पहाड़ी स्वरूप में पेयजल व्यवस्थ ा की गयी है। बच्चों के लिए चिल्ड्रेन जोन बना है, जिसमें पार्क, झूला, सीट आउट आदि की व्यवस्था है। पर्यटकों के लिए पार्किंग क्षेत्र, बैठने के लिए बड़ी संख्या में बेंच निर्माण एवं खाने-पीने के दुकानों का निर्माण कराया गया है। ककोलत के विकास से एक तरफ इस क्षेत्र में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी तो दूसरी तरफ स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा। ककोलत जलप्रपात में ईको टूरिज्म सुविधाओं एवं अन्य विकास कार्यों के चलते इसे लोगों के लिए बंद कर दिया गया था, अब यहाँ पर सभी ईको टूरिज्म सुविधायें विकसित हो चुकी है। मुख्यमंत्री द्वारा इसके लोकार्पण के पश्चात सभी लोगों के लिए खोल दिया गया है।

ये रहें मौजूद :

इस अवसर पर पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री डॉ प्रेम कुमार, सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की सचिव बन्दना प्रेयषी, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, मगध प्रमंडल के आयुक्त मयंक बरबड़े, मगध प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक क्षत्रनील सिंह, नवादा के जिलाधिकारी आशुतोष कुमार वर्मा, नवादा के पुलिस अधीक्षक अम्बरीश राहुल सहित अन्य वरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

कृषि अर्थशास्त्रियों के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुये बोलें, पीएम

भारत की खाद्य सुरक्षा की सबसे बड़ी ताकत हैं छोटे किसान : मोदी

- बोलें- आज भारत अपनी जरूरत से अधिक अन्न पैदा करने वाला देश

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत में छोटे किसानों को देश की खाद्य सुरक्षा की ताकत बताते हुए शनिवार को कहा कि भारतीय कृषि की विविधता इस देश को विश्व की खाद्य सुरक्षा के लिए आशा की किरण बनाती है। श्री मोदी ने राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित कृषि अर्थशास्त्रियों के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुये ये बातें कहीं। यह सम्मेलन भारत में 65 साल बाद आयोजित किया गया है। सात दिवसीय इस सम्मेलन में दुनिया भर के करीब 1000 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं, जिसमें 40 प्रतिशत से अधिक महिला प्रतिनिधि हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि 65 साल पहले जब आईसीएई की कॉन्फ्रेंस यहां हुई थी, तो भारत नया-नया आजाद हुआ था और देश की खाद्य सुरक्षा और भारत की कृषि दुनिया की चिंता का विषय था। आज भारत, अपनी जरूरत से अधिक अन्न पैदा करने वाला देश है। आज भारत, दूध, दाल और मसालों का सबसे बड़ा उत्पादक है। भारत अनाज, फल, सब्जियों, कपास, चीनी, चाय, जलीय मछली का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। एक वो समय था, जब भारत की खाद्य सुरक्षा, दुनिया की चिंता का विषय था। एक आज का समय है, जब भारत वैश्विक खाद्य सुरक्षा और पोषण सुरक्षा के समाधान देने में जुटा है। इसलिए, खाद्य प्रणाली का कायाकल्प जैसे विषय पर चर्चा करने के लिए भारत के अनुभव बहुमूल्य हैं। इसका बहुत बड़ा लाभ विशेषकर ग्लोबल साउथ को मिलना तय है। उद्घाटन सत्र को कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, कृषि वैज्ञानिकों के अंतराष्ट्रीय सम्मेलन के अध्यक्ष डॉक्टर मतीन कैम और नीति आयोग के सदस्य प्रोफेसर रमेश चंद ने भी संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कहा, कृषि क्षेत्र भारत की आर्थिक नीति में केंद्रीय महत्व रखता है। हमारे यहां, करीब 90 प्रतिशत कृषक परिवार ऐसे हैं, जिनके पास बहुत कम जमीन है। ये छोटे किसान ही भारत की खाद्य सुरक्षा की सबसे बड़ी ताकत हैं। यही स्थिति एशिया के कई विकासशील देशों में है। इसलिए, भारत का मॉडल कई देशों के काम आ सकता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ कृषि के लिए भारत में बड़े पैमाने पर रसायन मुक्त प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है और इसके अच्छे परिणाम भी आ रहे हैं।

जलवायु परिवर्तन को सहन करने में समर्थ कृषि पर जोर :

उन्होंने कहा कि इस साल के बजट में भी स्वस्थ और जलवायु परिवर्तन को सहन करने में समर्थ कृषि पर बड़े पैमाने पर ध्यान दिया गया है। उन्होंने कहा, हम अपने किसानों का सहयोग करने के लिए एक पूरा वातावरण विकसित कर रहे हैं। भारत का बहुत जोर जलवायु परिवर्तन के प्रति सहनशील फसलों से जुड़ी अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने पर है। श्री मोदी ने प्रतिनिधियों को बताया कि बीते 10 वर्षों में भारत ने फसलों की करीब 900 ऐसी नई किस्मों का विकास कर उनको किसानों का दिया है जो वातावरण के बढ़ते तापमान को सहन करने में समर्थ हैं। अपने किसानों को दी हैं। उन्होंने कहा, हमारे यहाँ धान की कुछ किस्में ऐसी भी हैं, जिनको परंपरागत किस्मों के मुकाबले, एक चौथाई कम पानी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के समय में पानी की कमी और जलवायु परिवर्तन के साथ ही पोषण भी एक बड़ी चुनौती है। इसका समाधान भी भारत के पास है। भारत, ज्वार बाजारा का दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक है। जिन्हें दुनिया सुपरफूड कहती है और उसे हमने श्री अन्न की पहचान दी है। ये ज्वारबाजार की खेती न्यूनतम पानी , अधिकतम उपज के सिद्धांत पर चलते हैं। भारत के अलग-अलग सुपरफूड, पोषण की समस्या का समाधान करने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

शाह ने देशवासियों से घरों पर तिरंगा लहराने की अपील की

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय ध्वज को त्याग, निष्ठा और शांति का प्रतीक बताते हुए देश के सभी सभी लोगों से हर घर तिरंगा अभियान में बढ़-चढ़कर शामिल होने की अपील की है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर हर घर तिरंगा अभियान पिछले 2 वर्षों में जन-जन का अभियान बन गया है और यह अभियान आजादी के नायकों को याद करने, राष्ट्र प्रथम का संकल्प लेने और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने का माध्यम है। अमित शाह ने देश के लोगों से अपने-अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराने की अपील करते हुए एक्स पर पोस्ट कर कहा, हमारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा त्याग, निष्ठा व शांति का प्रतीक है। ह्यहर घर तिरंगा अभियान आजादी के नायकों को याद करने, राष्ट्रप्रथम का संकल्प लेने और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने का माध्यम है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर यह अभियान बीते 2 वर्षों से जन-जन का अभियान बन गया है। आगामी 9 से 15 अगस्त तक आप भी अपने घरों में तिरंगा लहराकर हर घर तिरंगा डॉट कॉम पर अपनी सेल्फी अपलोड करें। आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष भी देश भर में हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए जोर-शोर से तैयारी की जा रही है।

कृषि-खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को गति देना सरकार की प्राथमिकता : चिराग

प्रात : किरण

पटना। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान शनिवार को पटना में विभिन्न कृषि-खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के प्रतिनिधियों और सूक्ष्म उद्यमियों के साथ आयोजित इंडस्ट्री गोलमेज बैठक में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। बैठक में राज्य के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग से जुड़े प्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस बैठक का उद्देश्य राज्य में खाद्य प्रसंस्करण के संभावित अवसरों तथा मेगा फूड इवेंट वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 से संबंधित विषय पर चर्चा करना था। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने इंडस्ट्री गोलमेज बैठक के बाद प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि पटना में आयोजित इस बैठक का उद्देश्य इंडस्ट्री और मंत्रालय के बीच की दूरी को मिटाना है। ताकि जो कठिनाइयां, जो परेशानियां फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को आती है उसे दूर करने का और कम करने का प्रयास किया जा सके। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि हम आगमी 19 से 22 अगस्त तक वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 का आयोजन कर रहे हैं ताकि विदेश से आए लोग अपने टेक्नोलॉजी के प्रदर्शन करने के साथ-साथ हमारे देश के यंग स्टार्टअप को भी वैश्विक मंच मिल सके। मुझे आशा है कि आज इस बैठक में उपस्थित हुए खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े लोग भी इस इवेंट में हिस्सा लेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि जब हम फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स खोलते हैं तो न सिर्फ हमारे किसानों को इसका आर्थिक लाभ होगा बल्कि हमारे युवाओं को भी रोजगार के अवसर मिलेंगे। इस बिहार में प्रोसेसिंग यूनिट्स को बढ़ावा देने के लिए हम लोग पूरी तरह काम कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत के एक कृषि प्रधान देश है और बिहार भी कृषि प्रधान राज्य है जहाँ से मैं खुद आता हूँ इसलिए फूड प्रोसेसिंग की भूमिका और भी बढ़ जाती है। इससे राज्य को विकसित राज्य बनाने के दिशा में आगे लेकर जाना है। इससे बिहार के युवाओं के लिए स्वरोजगार के अवसर मिलेंगे और यह बिहार जैसे राज्य को एक विकसित राज्य की ओर आगे लेकर जाने में भी बहुत महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

बिहार सरकार

स्वाथ्य विभाग

आयुष्मान भारत – प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना
एवं
मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना

अधिकाधिक लाभुकों का आयुष्मान कार्ड निर्माण हेतु विशेष अभियान को विस्तारित किया गया है।

अब लाभुक 7 अगस्त 2024 तक अपने जन वितरण प्रणाली की दुकान पर नि:शुल्क आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं।

नि:शुल्क आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए

- पारिवारिक पहचान के लिए राशन कार्ड।
- व्यक्तिगत पहचान के लिए आधार कार्ड।

लेकर अपने जन वितरण प्रणाली दुकानदार से सम्पर्क करें।

लाभुक परिवार के सभी सदस्यों के लिए आयुष्मान कार्ड बनवाना है जरूरी

ताकि 5 लाख रुपये तक का नि:शुल्क इलाज पाने में ना हो देरी।

अधिक जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 104 पर कॉल करें

जीवंत बिहार, सपना हो साकार

PR No.- 005277 (Health)D. 2024-25

संक्षिप्त खबरें

विद्यालय से समरसेबल मोटर चोरी

फतुहा। बीते रात पीतांबरपुर स्थित मध्य विद्यालय के परिसर में लगे समरसेबल मोटर को चोर पाइप सहित खोलकर ले भागे। इस सन्दर्भ में ग्रामीणों के साथ साथ स्कूल प्रशासन को इस बात की जानकारी तब हुई जब शनिवार को नौ बजे स्कूल खुली। स्कूल के प्रभारी प्रधानाध्यापक अगम कुआं निवासी रणविजय कुमार ने थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ शिकायत दर्ज करायी है। शिकायत के आलोक में पुलिस मामले की जांच करने में जुटी है।

सड़क हादसा में बाइक सवार दो किशोर जख्मी

फतुहा। नदी थाना क्षेत्र के गढ़ोचक पुल के पास सड़क हादसे में बाइक पर सवार दो किशोर गंभीर रूप से जख्मी हो गये। जख्मी हालत में दोनों किशोर को सीएचसी लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को एनएमसीएच के लिए रेफर कर दिया गया। बताया जाता है कि शनिवार को शाम गढ़ोचक पुल पर एक ट्रैक्टर ने टाटा मैजिक गाड़ी में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही मैजिक गाड़ी बगल से गुजर रही बाइक से टकरा गयी। इस घटना में बाइक पर सवार मोजीपुर निवासी भूषण प्रसाद के 13 वर्षीय पुत्र सुधांशु कुमार व शरमानंद राय के 15 वर्षीय पुत्र आशीष कुमार घायल हो गया।

एक युवक चोरी के 65 मोबाइल के साथ गिरफ्तार

दानापुर खगौल पुलिस ने गश्ती के दौरान दानापुर रेलवे स्टेशन गोलंबर के निकट दो लोगो को संदिग्ध रूप से ट्राली बैग लेकर जा युवक में से एक को धर दबोचा। जबकि दूसरा युवक मौका देख भाग निकला। पुलिस ने ट्राली बैग से विभिन्न कंपनी के चोरी के 65 मोबाइल व 27 सिम बरामद किया। पुछताछ के बाद युवक को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। बताया जाता है कि खगौल थाना के गश्ती दल क्षेत्र में गश्त के दौरान दानापुर रेलवे स्टेशन के पास पहुंची। जहां दो युवक एक ट्राली बैग लेकर जाते दिखे। पुलिस ने एक को पकड़ लिया। जबकि दूसरा भागने में सफल हो गया। पकड़े गये युवक की पहचान झारखंड के साहेबगंज जिला के राजमहल थाना क्षेत्र के गोसाईंगांव निवासी हरिशंकर यादव के पुत्र सागर कुमार यादव के रूप में किया गया। उसके पास के ट्राली बैग से विभिन्न कंपनी के 65 मोबाइल फोन व 27 सिम बरामद किया गया। भागने वाले व्यक्ति कि पहचान साहेबगंज जिला तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के बाबुपुर निवासी दीपक कुमार के रूप में किया गया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि दोनो युवक चोरी के मोबाइल लेकर झारखण्ड जा रहे थे। जहां साहेबगंज जिला तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के बाबुपुर रोहित कुमार को देने वाला था। जिससे विभिन्न प्रकार के अपराध को अंजाम दे सकते थे। गिरफ्तार युवक को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

जांच में सात डेंगू संक्रमित मरीज मिला

पटना सिटी (प्राकि)। एनएमसीएच के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में डेंगू के 22 नमूना की जांच की गई। इसमें सात डेंगू संक्रमित मरीज मिले हैं। माइक्रोबायोलॉजी विभाग विभागाध्यक्ष डॉप्रो संजय कुमार ने बताया कि संक्रमित डेंगू मरीजों में राघोपुर (वैशाली) के 17 वर्षीय किशोर, रामकृष्ण नगर की 26 वर्षीय महिला, भूतनाथ रोड स्थित 35 वर्षीय युवक व 42 वर्ष की महिला, ट्रांसपोर्ट नगर के आठ वर्ष की बच्ची, दरभंगा के तिलेश्वर के 18 वर्षीय युवक, आलमगंज के 20 वर्ष का युवक शामिल है।

चौक थाना परिसर के बोरिंग पंप में खराबी से पानी का संकट

पटना सिटी (प्राकि)। चौक थाना परिसर में स्थित बोरिंग पंप बीते एक सप्ताह से भी अधिक समय से खराब है। इसकी सुध नहीं ली जा पा रही है। इस कारण से इस बोरिंग से जुड़े एक दर्जन मुहल्लों में पानी का संकट कायम है। प्रभावित मुहल्ला में झाऊगंज, तिवारी गली, हरमंदिर गली, कचौड़ी गली, काली स्थान दीरापर, कंगन घाट, मदरसा गली, पुआ गली, बाड़े की गली, दरबाजाब बहादुर गली और उसके आसपास के मुहल्लों में पानी की समस्या कायम हो गई है। वार्ड संख्या 66 के अधीन बोरिंग पंप के बंद रहने से लोगों को पीने के पानी की समस्या झेलनी पड़ रही है। संकट झेल रहे लोगों का कहना है कि बोरिंग की खराबी की जानकारी पटना जल पर्षद के अधिकारियों व अभियंता को दी गयी है। इसके बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। मंगल तालाब के पास का जो बोरिंग चल रहा है, उसे भी अन्य जलापूर्ति पाइप से जोड़ दिया गया है। नतीजतन विभिन्न घर और प्रतिष्ठान में रहे मोटर पंप से पानी खींचने वाले के यहां तो पानी मिल जा रहा है, मगर अन्य लोग इससे वंचित हो जा रहे हैं। ऐसे में लोगों का कहना है कि समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो संघर्ष ही एकमात्र रास्ता है।

एम्स पटना में ब्रेस्कॉन 2024 का उद्घाटन के साथ स्तन पुनर्निर्माण जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

दूसरे दिन की शुरूआत सिलिकॉन ब्रेस्ट मॉडल्स व ब्रेस्ट सर्जरी मार्किंग पर एक कार्यशाला से हुई

पटना, प्रात :किरण संवाददाता

एम्स में स्तन पुनर्निर्माण पर जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। उद्घाटन में मुख्य अतिथि अवधेश नारायण सिंह, सभापति विधान परिषद के साथ-साथ सम्मानित अतिथि डॉ. मनीषा सिंह, निदेशक महावीर कैंसर संस्थान द्वारा किया गया। आयोजन अध्यक्ष और विभागाध्यक्ष प्लास्टिक सर्जरी डॉ वीणा कुमारी सिंह ने भगवान बुद्ध की भूमि पर सभी अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय मेहमानों का स्वागत किया और कहा कि इस सम्मेलन का विषय जागरूकता को बढ़ावा देना और जीवन को बदलनाह है। मुख्य अतिथि अवधेश नारायण सिंह, सभापति, विधान परिषद ने कहा कि मरीजों का आत्मविश्वास बहाल करने के लिए उन्हें पुनर्निर्माण के लिए प्रोत्साहित करने हेतु जागरूकता की निरंतर आवश्यकता है। उद्घाटन समारोह के बाद एक स्तन पुनर्निर्माण जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका संचालन रेडियेशन ऑन्कोलॉजी की विभागाध्यक्ष डॉ. प्रीतांजलि सिंह ने किया। सम्मानित पैनलिस्टों में प्लास्टिक सर्जन शामिल थे - यूके से डॉ. भागवत माथुर, मुंबई से डॉ. प्रभा यादव, सुश्री महिमा चौधरी, बॉलीवुड मॉडल और अभिनेत्री स्तन कैंसर के लिए स्तन पुनर्निर्माण करा चुकी हैं।

जागरूकता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्तन कैंसर से पीड़ित महिलाओं के साथ-साथ उनके परिवार के सदस्यों और देखभाल करने वालों को शिक्षित करना, सशक्त बनाना और उनके लिए सर्वोत्तम निर्णय लेने का अधिकार प्रदान करना था। इस कार्यक्रम में संस्थान के यूजी, पीजी और नर्सिंग अधिकारियों के साथ-साथ प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों और स्तन कैंसर से बचे लोगों ने सामूहिक रूप से भाग लिया, जिन्होंने स्तन कैंसर के साथ अपनी यात्रा के उल्लेखनीय अनुभव साझा किए। विभाग ने स्तन कैंसर से बचे उन लोगों की सफलता की कहानियों पर एक वीडियो भी जारी किया, जिनका पुनर्निर्माण हुआ है।

बिहार पारा मेडिकल के सत्र 21-23 के द्वितीय वर्ष की परीक्षा जल्द हो

हजारों छात्र परीक्षा नहीं होने से है परेशान, नियुक्ति में भी होगी निराशा

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

सत्र 2021-23 के द्वितीय वर्ष की परीक्षा अभी तक नहीं होने के कारण से छात्रों में अपने भविष्य को लेकर चिंता बढ़ गई है। पारा मेडिकल एसोसिएशन ऑफ बिहार के प्रदेश अध्यक्ष भारत भूषण ने सत्र नियमित करने को पारा मेडिकल/पारा डेंटल परीक्षा समिति, पटना के परीक्षा नियंत्रक को पत्र लिखकर विशेष परीक्षा का आयोजन करने का अनुरोध किया है। परीक्षा नियंत्रक को लिखे पत्र में कहा गया है कि राज्य में पारा मेडिकल का सत्र देरी से चल रहा है। छात्रों को आवासीय सुविधा भी नहीं मिल रहा है। इस कारण से छात्रों को आर्थिक रूप से भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही मानसिक रूप से भी छात्र परेशान हो रहे हैं। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय घोषणा किए हैं कि स्वास्थ्य विभाग में 45 हजार हजार पदों पर नियमित नियुक्ति की जानी है। ऐसे में सत्र 2021-23 के अंतिम वर्ष के छात्रों को आने वाली नियुक्ति छूट जाने का डर सता रहा है। बिहार के लगभग 35 सरकारी पारा मेडिकल कॉलेज सहित 70 निजी पारा मेडिकल कॉलेज के लगभग 60 हजार से अधिक छात्र सत्र 2021-23 में पढ़ाई कर रहे हैं, जो द्वितीय वर्ष की परीक्षा होने का इंतजार कर रहे हैं। परीक्षा नियंत्रक सत्र नियमित करने के लिए विशेष परीक्षा का आयोजन करें, जिससे राज्य के पारा मेडिकल छात्रों का भविष्य बेहतर हो सके।

स्वस्थ व्यक्ति भी खुद के साथ परिवार को फाइलेरिया रोधी दवा का कराएं सेवनः डॉ. सुभाष चंद्र प्रसाद

पटना , प्रात :किरण संवाददाता

पटना- फाइलेरिया उन्मूलन अभियान को लेकर आगामी 10 अगस्त से शुरू हो रहे सर्वजन दवा सेवन अभियान से जुड़कर दवा सेवन करने के लिए लोगों को लगातार प्रेरित किया जा रहा है. विभिन्न गतिविधियों एवं जागरूकता के माध्यम से लोगों को इसके दुष्प्रभाव के बारे में बताया जा रहा है. विभाग के साथ फाइलेरिया उन्मूलन अभियान में सहयोगी संस्थाएं भी सभी स्तर से लोगों को जागरुक कर दवा सेवन करने के लिए प्रेरित कर रही है. लोगों को बताया जा रहा है कि फाइलेरिया के दौरान दी जाने वाली दवाई सुरक्षित है और इसके सेवन से खुद के साथ अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी इस खतरनाक बीमारी से बचाया जा सकता है.

स्वस्थ व्यक्ति भी जरुर करें दवा का सेवनः

जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. सुभाष चंद्र प्रसाद ने बताया कि अभियान के दौरान ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन टीम को लोगों द्वारा कहा जाता है कि हम स्वस्थ हैं तो दवा का सेवन क्यूँ करें? ऐसे लोगों को समझने की जरुरत है कि एमडीए अभियान के दौरान खिलाई जाने वाली दवाएं फाइलेरिया से उन्हें सुरक्षित रखने के लिए हैं. दवा सेवन करें एवं फाइलेरिया उन्मूलन अभियान में सहयोग करें क्यूंकि समाज के उत्थान और उन्नति के लिए फाइलेरिया मुक्त होना बहुत जरूरी है. फाइलेरिया मुक्त समाज से ही हमारा भविष्य सुरक्षित होगा.

दवा सेवन कर खुद के साथ बच्चों को भी कर सकते है सुरक्षित

डॉ. सुभाष चंद्र प्रसाद ने बताया कि फाइलेरिया एक अति गंभीर बीमारी है और इसका लक्षण मुख्यतः 5 से 15 वर्षों के बाद दिखाई देता है. यदि एक बार यह बीमारी हो गयी गई तो इसे ठीक नहीं किया जा सकता है. उन्होंने कहा, फाइलेरिया के लक्षण किस में है इसका अनुमान नहीं लगा सकते हैं परंतु फाइलेरिया के परजीवी को समाप्त किया जा सकता है. 5 वर्ष तक लगातार दवा सेवन कर फाइलेरिया के संक्रमण से सुरक्षित रहा जा सकता है. यह एक संक्रामक बीमारी है इसलिए इस बीमारी से खुद के साथ-साथ घर के सभी सदस्यों को बचाने के लिए जिम्मेदारी हम सब पर होती है. उन्होंने कहा कि एमडीए अभियान के दौरान खिलाई जाने वाली दवा का सेवन जरूर करें और इससे खुद के साथ-साथ अपने बच्चों एवं घर के अन्य सदस्य को भी दवा खिलाकर सुरक्षित रखें एवं समुदाय में साकारात्मक संदेश दें.

नहीं चाहिए बाहरी, जत्थेदार चाहिए बिहारी का नारा देने वाले हैं चुप

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब में एक बार फिर जत्थेदार और मुख्य ग्रंथी के पद को लेकर चचाओं का बाजार गर्म है। इस पद के लिए दो लोग दौड़ में शामिल हैं। फिलहाल तख्तश्री पटना साहिब के वर्तमान में जत्थेदार और मुख्य ग्रंथी के पद पर ज्ञानी बलदेव सिंह कार्य कर रहे हैं। प्रबंधक कमेटी, तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के वर्तमान पांच साल का कार्यकाल पूरा हो चुका है। चुनाव प्रक्रिया लंबित है। मामला कोर्ट में है। इस दौरान कमेटी के द्वारा यहां तीन जत्थेदार बनाए गए। सबसे पहले ज्ञानी इकबाल सिंह ने जत्थेदार पद से इस्तीफा किया था। हालांकि इस्तीफा के पूर्व उनके पुत्र गुर प्रसाद सिंह के शराब और सिगरेट पीते हुए का वीडियो वायरल हुआ था। इस पर श्री अकाल तख्त साहिब ने भी एक जांच टीम पटना साहिब भेजा था। उस टीम के यहां पहुंचने के साथ ही ज्ञानी इकबाल सिंह ने अपने पद से इस्तीफा देने की बात मीडिया के समझ कही थी। जब श्री अकाल तख्त साहिब से टीम पहुंची, तब उन्होंने टीम से कहा कि वह जत्थेदार से पूछताछ करने के लिए आए हैं, मगर वह अपने पद से इस्तीफा दे चुके हैं। इसकी रिकॉर्डिंग सदस्यों ने कर ली और उन्होंने अपनी रिपोर्ट वहां के जत्थेदार रहे ज्ञानी हरप्रीत सिंह को सौंप दी। बाद में वहां से तख्तश्री कमेटी के अध्यक्ष और महासचिव को सूचना भेजी गई कि ज्ञानी इकबाल सिंह का जत्थेदार पद से इस्तीफा स्वीकार करते हुए नए जत्थेदार की नियुक्ति की जाए। इसके बाद बोर्ड की बैठक में जत्थेदार के पद पर कथावाचक रहे ज्ञानी रणजीत सिंह गौहर-ए-मस्कीन की नियुक्ति की गई। उनका कार्यकाल चल ही रहा था कि कुछ विरोधियों ने उनके खिलाफ साजिश रचना शुरू किया।

एक संगत के द्वारा दिए गए दान को मुद्दा बनाया गया। जांच कमेटी भी बनी। इसकी रिपोर्ट में भी वे निर्दोष साबित भी हुए। इसके बावजूद कमेटी ने उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया। फिलहाल उनका मामला पटना के जिला एवं सत्र न्यायाधीश के यहां चल रहा है। इस बीच कमेटी के अध्यक्ष पद पर रहे अवतार सिंह हिट का निधन हुआ। इसके बाद वरीय उपाध्यक्ष जगजोत सिंह कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में काम करना शुरू किए। इसके बाद अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में वह पूर्णकालिक अध्यक्ष बनाए गए। कमेटी के द्वारा ज्ञानी बलदेव सिंह को पहले कार्यकारी जत्थेदार बनाया गया। इसके बाद उन्हें पूर्णकालिक जत्थेदार के साथ ही मुख्य ग्रंथी का पद भी सौंप दिया गया। वहीं पटना के जिला एवं सत्र न्यायाधीश का एक आदेश ज्ञानी इकबाल सिंह के पक्ष में आया कि प्रबंधक कमेटी उन्हें पद पर बहाल करे और जो भी बकाया उनका बनता है, उसे भुगतान करें। इस बीच कमेटी ने उन्हें भुगतान भी किया और शुकराना की राशि भी दी। मगर जत्थेदार के रूप में कमेटी अध्यक्ष रहे अवतार सिंह हित (अब स्वर्गीय) और उसके बाद कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्णकालिक अध्यक्ष बने जगजोत सिंह ने ही ज्ञानी बलदेव सिंह को जत्थेदार बनाने का काम किया।

इधर एक बार फिर चर्चा का बाजार गर्म है कि ज्ञानी इकबाल सिंह को फिर से तख्तश्री पटना साहिब का जत्थेदार बनाया जा रहा है। इसे तब और हवा मिली, जब वह श्री अकाल तख्त साहिब के सिंह साहिबानों के समक्ष खड़े होकर अपनी गलती स्वीकार करते हुए तनखैयामुक्त किए जाने की गुहार लगाई। वहां से उन्हें धार्मिक सजा दी गई, जिसे उन्होंने पूरा कर लिया है। अब तक तख्तश्री पटना साहिब में जत्थेदार सह मुख्य ग्रंथी पद के लिए दो दावेदार ज्ञानी इकबाल सिंह एवं ज्ञानी रणजीत सिंह गौहर ए मस्कीन बने हुए हैं। अब देखना है प्रबंधक कमेटी की नजर में दोनों में से कौन इस पद पर आते हैं या ज्ञानी बलदेव सिंह ही उस पद पर लगातार सेवा करते रहेंगे। हालांकि एक बात की चर्चा यह भी है कि जब ज्ञानी रणजीत सिंह को पद से बर्खास्त किया गया था, तब कुछ लोगों ने हवा देने का काम किया था कि नहीं चाहिए बाहरी, जत्थेदार हो बिहारी। ऐसे में ज्ञानी बलदेव सिंह के स्थानीय और बिहारी होने के बाद जिन दो लोगों का नाम लिया जा रहा है, वे दोनों बाहरी हैं। अब हवा देने वाले कैसे उन दोनों में से एक को स्वीकार करेंगे, यह आने वाला समय ही बताएगा।

शिक्षा सप्ताह के अंतिम दिन पोषण दिवस कार्यक्रम, किया पौधारोपण

पटना , प्रात :किरण संवाददाता

बिक्रमःगोपाल विद्यार्थी। प्राथमिक शिक्षा निदेशक पटना के आदेश पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति का चौथे वर्षगांठ पर बिहार के सभी विद्यालयों में 27 जुलाई से 3 अगस्त तक विद्यालय स्तर पर शिक्षा सप्ताह मनाया गया । शिक्षा सप्ताह के मौके पर बच्चों के बीच तिथिवार और विषयवार विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई । शिक्षा सप्ताह अंतिम दिन शनिवार को विद्यालयों में पोषण दिवस मनाया गया` मौके पर बिक्रम प्रखंड के दनारा संकुल अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय शिखर टोला में तिथि भोजन आयोजित कर स्कूली बच्चे एवं अतिथियों को भोजन कराया गया कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय प्रधान चंदन कुमार के नेतृत्व शिक्षक विजय कुमार, किरण देवी द्वारा किया गया` वहीं स्वागतकर्ता पूर्व संकुल समन्वयक नीतीश कुमार ने अतिथियों का स्वागत कियो मौके पर प्रखंड के वरीय बीआरपी सावित्री देवी, महेंद्र राम, मनोज कुमार, पांडे जी तथा लेखापाल जमील कुरेशी, सुलेश कुमार, एमडीएम प्रभारी राजन कुमार तथा विभिन्न विद्यालय के शिक्षक, शिक्षकाएँ उपस्थित थे। मौके पर एमडीएम प्रभारी राजन कुमार ने वृक्षारोपण भी किया` शिक्षक नीरज कुमार कमल, मदनधारी बालिका हाई स्कूल के प्राचार्य राकेश रंजन, कलवती कुमारी, सुरभि कुमारी, निशा कुमारी, वन्दना कुमारी, संध्या कुमारी,अजय कुमार,अश्विनी कुमार,कृष्णकांत एवं जयकुमार वर्मा उपस्थित थे!

जागरुकता रैली निकाल अंगदान व नेत्रदान को किया प्रेरित

पटना सिटी। नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल के नेत्र विभाग की ओर से अंगदान व नेत्रदान के लिए शनिवार को जागरुकता रैली निकाली गई। रैली आंख विभाग से निकल कर अस्पताल परिसर का भ्रमण करते हुए मरीजों व परिजनों को अंगदान और नेत्रदान के लिए प्रेरित किया। इसका उद्घाटन कॉलेज की प्राचार्या डॉप्रो उषा कुमारी ने की। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉप्रो प्रदीप कारक ने की। आयोजन में अस्पताल के अधीक्षक डॉ बिनोद कुमार सिंह, उपाधीक्षक डॉ सरोज कुमार, मेडिसिन के विभागाध्यक्ष डॉ अजय कुमार सिन्हा, डॉ सीपी जायसवाल, डॉ सचिन कुमार, डॉ अभिषेक रंजन, डॉ ओजिस्वता, डॉ विवेक, डॉ अतुल कुमार आनंद, डॉ चंद्रशेखर पांडेय व डॉ ज्योति सहित अन्य चिकित्सक व पीजी स्टूडेंट भी शामिल थे। उपस्थित लोगों ने कहा कि नेत्रदान व अंगदान से लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती है। इससे जागरुकता से इसमें तेजी आएगी। डॉ मोतीलाल दास ने जारी विज्ञप्ति में कहा कि ऑडिटोरियम में भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें हर किसी को अंगदान और नेत्रदान करने के लिए प्रेरित किया गया।

शिव तांडव व सावन गीतों पर महिलाओं ने भी किया डांस

● काजल सावन क्वीन, स्टाइलिश दिवा आईकान प्रीति व हैंड डेकोरेशन में रीता अव्वल

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

पटना सिटी (प्राकि)। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला समिति की पटना सिटी शाखा के द्वारा सावन मिलन समारोह शनिवार को मनाया गया। सावन की रिमझिम बरसती फुहारों के बीच महिलाएं हरे परिधानों में सज-धज कर हरियाली को परिसर में उतार लाई थीं। इस दौरान सावन के गीतों पर डांस, चटपटे व्यंजनों का स्वाद, वन मिनट गेम शो, जस्ट ए मोमेंट, पांचूयलटी ने कार्यक्रम को खासा मनोरंजक बना दिया। वहीं तीन प्रकार के प्रतियोगिता भी रखा गया, जिसमें सावन क्वीन, स्टाइलिश दिवा आइकॉन और हैंड डेकोरेशन शामिल है। सावन क्वीन का पुरस्कार काजल सिंघानिया को दिया गया। स्टाइलिश दिवा आइकॉन का पुरस्कार प्रीति ड्रॉलीया को मिला एवं हैंड डेकोरेशन के पुरस्कार से रीता ककड़ानिया को नवाजा गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण शिव तांडव नृत्य रहा। वहीं निर्णायक की भूमिका पूजा एन शर्मा और रुचि अरोड़ा ने निभायी। कार्यक्रम का संचालन अध्यक्ष विनीता डोकानिया ने किया। मौके पर सचिव पूजा माखरिया, इंदु अग्रवाल, तारा झुनझुनवाला, कविता पोद्दार, मीना मोदी, काजल सिंघानिया, मनोरमा सुल्तानिया, रमा भरतिया, नीलम सर्राफ, श्वेता ड्रॉलिया, कांता साह, सीता झुनझुनवाला, सुनीता अग्रवाल, सुनीता झुनझुनवाला आदि मौजूद थीं।

सिलिंडर के अवैध भंडारण व कालाबाजारी के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया गया

दानापुर खगौल थाना क्षेत्र अंतर्गत एलपीजी सिलिंडर के अवैध भंडारण एवं कालाबाजारी के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया गया। दानापुर में पणन पदाधिकारी सरोज कुमार ने छोटी मछुआटोली स्थित उदय कुमार के दुकान में छापेमारी की। जहां से छापेमारी दल ने 4 भरा व 5 खाली घरेलू सिलेंडर, चार भरा एवं तीन खाली व्यवसायिक सिलेंडर, एक छोटा सिलेंडर, इंलेक्ट्रानिक तराजू, रिफिलिंग रेगूलेटर बरामद किया गया। इस संबंध में सरोज कुमार ने लिखित शिकायत की। दुकानदार को पुलिस अग्रिम कार्रवाई के लिए सौप दिया। दानापुर थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार भारद्वाज ने कहा कि पणन पदाधिकारी द्वारा लिखित शिकायत की गयी है। छानबीन की जा रही है। वही खगौल थाना क्षेत्र में पणन पदाधिकारी रश्मी ने खगौल के बड़ी मस्जिद के मनीष कुमार एवं गाड़ीखाना में राजू कुमार के दुकान में छापेमारी की। मनीष कुमार के दून से एक भरा व दो खाली घरेलू सिलेंडर एवं राजू कुमार के यहां से 9 भरा एवं 6 खाली घरेलू सिलेंडर बरामद किया गया। ये लोग गैस रिफिलिंग का काम करते थे। दोनो को खगौल पुलिस के हवाले कर दिया गया। खगौल थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि दो दुकानदार को पुलिस को सौपते हुए पणन पदाधिकारी ने लिखित शिकायत की है।

सड़क पर शव रखकर आगजनी, आवागमन ठप

दानापुर। नगर के शाहपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत सड़क दुघर्टना में हुई भोला राय के मौत को परिजनों ने हत्या करने का आरोप लगाते हुए शनिवार को शाहपुर व मनेर थाना क्षेत्र के सीमा पर मुख्य मार्ग जाम कर दिया। सड़क पर शव रखकर और आगजनी कर आवागमन ठप कर दिया। जाम की खबर पाकर दोनों थाना की पुलिस पहुंची आक्रोशित लोगों को समझा बुझाकर जाम हटवाया। घटना से आक्रोशित लोगों ने आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग कर रहे थे। बता दें कि गुरुवार को देर रात को मनेर थाना क्षेत्र के शेरपुर मस्जिद के सड़क दुघर्टना में शाहपुर थाना क्षेत्र के दाउदपुर बगीचा निवासी सुबेदार राय के 35 वर्षीय भोला राय की मौत हुई हो गई थी। घटना के समय भोला अपनी बाईक से जा रहा था। सड़क जाम कर रहे परिजनों ने स्थानीय वार्ड पार्षद के पति डबल, दोनों पुत्र समेत अन्य पर साजिश के तहत हत्या करने का आरोप लगाया है। बताया जाता है कि इस संबंध में मृतक की पत्नी रिंकी देवी ने पीएमसीएच में एक बयान दर्ज कराते हुए सभी को आरोपित किया है। घटना से गुस्साएं लोगों ने आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग कर रहे थे। शाहपुर थानाध्यक्ष मनीष आनंद ने बताया कि भोला की मौत मनेर के शेरपुर में हुई थी मनेर पुलिस घटना की छानबीन कर रही है।

बाइक सवार अपराधियों ने मोबाइल झपटा, खाता से अवैध निकासी

चैनपुरा से 15 वर्षीय किशोर व चौक से युवा लापता

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

दीदारगंज थाना क्षेत्र के टोल प्लाजा के पास बाइक सवार अपराधियों ने एक व्यक्ति से मोबाइल झपट लिया। मेहंदीगंज के रहने वाले अशोक चौधरी साइबर फ्रॉड के शिकार होते हुए उनके खाते से 75 हजार की राशि निकाल ली गई। वहीं बाइपास थाना क्षेत्र के चैनपुरा के रहने वाले रंजीत महतो के 15 साल के बेटे नितिन कुमार लापता है। दीदारगंज थाना क्षेत्र के टोल प्लाजा के पास मोटरसाइकिल सवार अपराधियों ने एक व्यक्ति से मोबाइल झपटमारी कर लिया और फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि आशियाना नगर के रहने वाले आनंद कुमार दीदारगंज निमार्णाधीन पुल की ओर से आ रहे थे। इसी दौरान मोटरसाइकिल सवार अपराधियों ने ओवरटेक कर उनसे मोबाइल झपट कर भाग निकला। इस संबंध में मामला दर्ज कराया गया है। दूसरी ओर मेहंदीगंज के रहने वाले अशोक चौधरी के खाता से साइबर अपराधियों ने 75 हजार की अवैध निकासी कर ली है। इस संबंध में पीड़ित ने बताया कि खाजेकलां थाना को सूचना दी गई है। दरअसल गुजरी बाजार स्थित बैंक में जब वह खाता चेक करने गए, तब उन्हें अवैध निकासी किए जाने की जानकारी मिली। पुलिस मामला दर्ज कर छानबीन कर रही है। दूसरी ओर बाइपास थाना क्षेत्र के चैनपुरा के रहने वाले रंजीत महतो के 15 साल का बेटा नितिन कुमार लापता है। परिजनों ने हर संभावित स्थान पर उसकी खोजबीन किया। जब कुछ भी पता नहीं चला, तो इसकी सूचना बाइपास थाना की पुलिस को दी गई है। दूसरी और चौक थाना क्षेत्र के नेहरू टोला के रहने वाले 27 वर्षीय मनोज कुमार पिछले दिनों ई-रिक्शा सहित लापता हैं। परिजन सीमा देवी ने दो अगस्त को इस संबंध में चौक थाना की पुलिस को सूचना दी है। पुलिस दोनों ही मामले में छानबीन करने की बात कह रही है।

अज्ञात युवक का मिला शव, हत्या की जतायी आशंका

पटना सिटी (प्राकि)। दीदारगंज थाना क्षेत्र के मिजार्पुर गांव के पास सड़क किनारे अज्ञात युवक का शव पड़ा मिला। इसकी सूचना लोगों ने पुलिस को दी। पुलिस ने घटनास्थल के पास से एक चाकू, गमछा और चप्पल मिला है। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनमा कर पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। दीदारगंज थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार सिंह ने बताया कि अज्ञात युवक का शव मिला है। उसकी पहचान काफी देर तक नहीं हो पाई है। उसकी तस्वीर विभिन्न थाना की पुलिस को भी पहचान के लिए भेजी गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए एनएमसी भेज दिया है। मामले में छानबीन की जा रही है। आशंका है कि अपराधियों ने युवक की हत्या करने के बाद शव को सुनसान जगह पाकर यहां फेंक कर फरार हो गया है। पुलिस घटना से जुड़े हर बिंदु पर छानबीन कर रही है। मौके पर एफएसएल की टीम को भी जांच-पड़ताल के लिए पुलिस ने बुलाया है। टीम यहां आकर साक्षी को इकट्ठा किया है और कुछ तस्वीर भी ली है।

पटना सिटी बार एसोसिएशन के नामांकन का कल अंतिम दिन

ऑडिटर के दो पद के लिए अबतक कोई नामांकन नहीं, नए चेहरे भी मैदान में

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

पटना सिटी बार एसोसिएशन का चुनाव को लेकर न्यायालय परिसर में सरगर्मी बढ़ी हुई है। नामांकन पत्र दाखिल किए जाने को सोमवार अंतिम दिन है। इस दिन प्रत्याशियों के द्वारा भी नामांकन पत्र दाखिल किए जाने की होड़ रहेगी। नामांकन फार्म बिक्री की अंतिम तिथि पांच जुलाई को अपराह्न चार बजे तक है। चुनाव पदाधिकारी दिलीप कुमार झा के साथ सहयोगी कंचन कुमार, राकेश कुमार सिन्हा और संजय कुमार हैं। पांच सदस्यीय सहयोगी टीम में राकेश कुमार, वीरेंद्र कुमार, आशीष कुमार सिन्हा, विवेक आनंद और परमिंदर कुमार हैं। चुनाव पदाधिकारी दिलीप कुमार झा एवं संजय कुमार ने बताया कि नामांकन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि पांच अगस्त को अपराह्न चार बजे तक ही है। नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी छह अगस्त को और नाम वापसी सात अगस्त तक लिया जा सकता है। आठ अगस्त को विभिन्न पदों के प्रत्याशियों की सूची का अंतिम रूप से प्रकाशन किया जाएगा। मतदान 16 अगस्त को पूर्वाह्न नौ बजे से अपराह्न चार बजे तक होगा। इसके बाद 17 अगस्त को वोटों की गिनती सुबह नौ बजे से शुरू की जाएगी, जो अंतिम परिणाम घोषित होने तक जारी रहेगा। फिलहाल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पद के लिए एक, उपाध्यक्ष के लिए तीन, महासचिव के लिए एक, सहायक सचिव और संयुक्त सचिव के लिए तीन-तीन एवं कोषाध्यक्ष के एक पद के लिए चुनाव होगा। वहीं कार्यकारिणी सदस्य के 12 सीट के लिए चुनाव होगा। इसमें वरीय कार्यसमिति सदस्यों के पांच और सामान्य कार्यसमिति के सात सदस्यों के लिए चुनाव होगा। वहीं ऑडिटर के दो पदों के लिए भी चुनाव होना है। मगर अभी तक कोई भी प्रत्याशी इस पद के लिए नामांकन नहीं किए हैं, जबकि सोमवार नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि है। सहायक निवार्ची पदाधिकारी अधिवक्ता संजय कुमार ने बताया कि शनिवार तक अध्यक्ष पद के लिए गोपाल प्रसाद सिंह, शशि शंकर सिंह, उपाध्यक्ष पद के लिए अजय कुमार साह, प्रेमचंद साह, प्रमोद कुमार गुप्ता, महासचिव पद के लिए अवधेश कुमार, दीपक कुमार गुप्ता, अशोक कुमार, अनुज प्रसाद, विक्रमादित्य गुप्ता, रंजीत कुमार विमल, सहायक सचिव के लिए उमाशंकर, पुरुषोत्तम कुमार सिंह, प्रेमलता कुमारी, पंकज कुमार, महेंद्र पाल, अजय कुमार, संयुक्त सचिव के लिए राजीव रंजन, विजय कुमार शर्मा, मृगेंद्र प्रताप सिंह, सिकंदर, संजीव आनंद, गोविंद कानोडिया, ओम नारायण चौबे और कोषाध्यक्ष पद के लिए मो मुजफ्फर अली, अजीत कुमार वर्मा और प्रवीण कुमार ने नामांकन का पर्चा दाखिल किया है। वरीय कार्यसमिति सदस्य के लिए पांच का चयन होना है, मगर अब तक धनुषधारी सिंह, महेंद्र लाल और रामकृष्ण प्रसाद यादव ही अपना नामांकन दाखिल कर पाए हैं। वहीं कार्यसमिति सदस्य के सात पदों के लिए आशीष कुमार, अमित राज, कुमारी सरोज, अमनदीप पांडेय, चंद्रकिशोर प्रसाद यादव, अमित कुमार और विक्रम पांडेय ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। पांच अगस्त सोमवार नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि है।

देश में तेज गति से विकास करने वाले राज्यों में से है बिहार : नीतीश

मुख्यमंत्री ने वारिसलीगंज मे अंबुजा कंक्रीट के सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट का किया शिलान्यास

● बोलें- निवेश से सूबे के 40 हजार लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से मिलेगा रोजगार

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने वारिसलीगंज औद्योगिक क्षेत्र में अंबुजा कंक्रीट नॉर्थ प्राइवेट लिमिटेड के सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट का भूमि पूजन एवं शिलापट्ट का अनावरण कर शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने औद्योगिक क्षेत्र के निर्माण कार्य के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री को सीमेंट निर्माण कम्पनी के प्रतिनिधियों द्वारा जानकारी दी गयी कि इस सीमेंट प्लान्ट लगाने की लागत लगभग 1400 करोड़ रुपए की है। इस सीमेन्ट प्लान्ट में प्रतिवर्ष 6 मिलियन टन सीमेंट उत्पादन किया जायेगा। इस प्लान्ट की स्थापना हेतु बिहार सरकार द्वारा सहयोग दिया जा रहा है, जिसके तहत बियाडा (बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण) द्वारा 73 एकड़ जमीन दी गयी है। राज्य में इस सीमेंट प्लान्ट की स्थापना से सीमेंट की उपलब्धता सुलभ हो जायेगी। साथ ही इस सीमेंट प्लान्ट का निर्माण होने से 250 लोगों को सीधे नौकरी (प्रत्यक्ष रूप से) तथा 1 हजार लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। बिहार, देश में तेज गति से विकास करने वाले राज्यों में से एक है। बिहार में निवेश की अच्छी नीतियों के चलते देश के कोने-कोने से इन्वेस्टर्स एवं उद्योगपति बिहार में निवेश करने के लिए इच्छा प्रकट कर रहे हैं। आने वाले दिनों में अडानी समूह द्वारा बिहार में 5 हजार 500 करोड़ रुपए का नये निवेश प्रस्तावित है, जिसमें मुजफ्फरपुर (मोतीपुर) में नये सीमेन्ट प्लान्ट की स्थापना, पटना के आसपास लॉजिस्टिक (गोदाम) व्यवसाय तथा अररिया, किशनगंज, बेगूसराय में नये कृषि लॉजिस्टिक (गोदाम) एवं अन्य कार्य शामिल है। इस नये निवेश से बिहार के 40 हजार लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। इस अवसर पर पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री डॉ प्रेम कुमार, उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा, नवादा के सांसद विवेक ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव संदीप पौण्ड्रीक, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, मगध प्रमंडल के आयुक्त मयंक बरबड़े, मगध प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक क्षत्रनील सिंह, नवादा के जिलाधिकारी आशुतोष कुमार वर्मा, नवादा के पुलिस अधीक्षक अम्बरीश राहुल, अडानी समूह के एग्रो ऑयल एवं गैस के प्रबंध निदेशक प्रणव अडानी सहित अन्य वरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने मुहाने नदी पर नवनिर्मित पुल का किया उद्घाटन

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को नालंदा जिला के हरनौत प्रखंड के द्वारिका बिगहा में मुहाने नदी पर नवनिर्मित पुल का फीता काटकर एवं शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड द्वारा इस पुल का निर्माण 493.64 लाख रुपये की लागत से मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना (विशेष योजना) के अंतर्गत कराया गया है। चेरो के निकट एनएच-31 को जोड़नेवाले इस नवनिर्मित पुल (द्वारिका बिगहा-हरनौत पथ) के निर्माण से कल्याण बिगहा, चेरो बहादुर, बिरजू मिल्की समेत दर्जनों गांवों के लोगों को आवागमन में काफी सहूलियत होगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, पटना प्रमंडल के आयुक्त कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, पटना के जिलाधिकारी डॉ चंद्रशेखर सिंह, पटना के वरीय पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा, नालंदा के जिलाधिकारी शशांक शुभंकर, नालंदा के पुलिस अधीक्षक अशोक मिश्रा सहित अन्य वरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

अनुसूचित जाति के भीतर उप-समूहों की अनुमति देना उचित नहीं : चिराग पासवान

बोलें- लोजपा रामविलास शीर्ष अदालत में पुनर्विचार याचिका दायर करेगा

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

अनुसूचित जाति और अनसुचित जन जाति वर्ग में क्रीमी लेयर बनाए जाने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने असहमति जताई है। इसके साथ ही लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास ने शीर्ष अदालत में इसको लेकर पुनर्विचार याचिका दायर किए जाने का फैसला लिया है। केंद्रीय मंत्री चिराग ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर हम टिप्पणी नहीं कर सकते हैं, लेकिन इस बात पर हमारी पार्टी को आपत्ति है। इसलिए हम लोग पुनर्विचार की मांग करते हुए याचिका दाखिल करने जा रहे हैं। शनिवार को मीडिया को संबोधित करते हुए पासवान ने कहा कि वह जाति जनगणना के पक्ष में हैं, जिसके लिए विपक्ष के नेता राहुल गांधी जोरदार मांग कर रहे हैं। हालांकि उनका यह भी मानना है कि इसके निष्कर्षों को सार्वजनिक नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी सुप्रीम कोर्ट से 15 प्रतिशत एससी कोटे के भीतर उप-समूहों की अनुमति देने वाले अपने हालिया फैसले की समीक्षा करने का अनुरोध करते हुए अपील करेगी। चिराग ने कहा कि एससी कोटे में क्रीमी लेयर की अनुमति नहीं दी जा सकती। एससी कोटे के भीतर उप-समूहों की अनुमति देने से सामाजिक रूप से हाशिए पर पड़े वर्ग का उत्थान नहीं होगा, जो अस्पृश्यता की प्रथा का शिकार रहा है। हाजीपुर के सांसद, जिनके दिवंगत पिता रामविलास पासवान देश के बड़े दलित नेताओं में से एक थे, ने आश्चर्य व्यक्त किया कि सर्वोच्च न्यायालय के फैसले में अस्पृश्यता शब्द का उल्लेख तक नहीं है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति के अधिकांश लोग, यहां तक कि संपन्न परिवारों से आने वाले और शिक्षा तक पहुंच रखने वाले लोग भी अस्पृश्यता का सामना करते हैं। इसलिए, अनुसूचित जाति के भीतर उप-समूहों की अनुमति देना उचित नहीं है। चिराग ने कहा कि आज भी दलित समाज के संपन्न लोगों के साथ छुआछूत के आधार पर भेदभाव हो रहा है। दलित समाज के बड़े नाम भी हैं जो मंदिर में जाते हैं तो मंदिर को गंगाजल से धोया जाता है। यह दशार्ता है कि भेदभाव छुआछूत के आधार पर हो रहा है। आज भी दलित समाज के लोगों को घोड़ी नहीं चढ़ने दिया जाता है। ऐसे में हमलोग इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करेंगे। हालांकि, पासवान ने इस मुद्दे पर अपने गठबंधन सहयोगी जदयू द्वारा अपनाए गए रुख पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। दरअसल, जदयू ने सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नीतियों की पुष्टि के रूप में सराहा है, जिन्होंने वर्षों पहले राज्य में महादलित श्रेणी बनाई थी।

नेता प्रतिपक्ष की संवैधानिक गरिमा के विपरीत व्यवहार कर रहे राहुल-तेजस्वी : विजय

संविधान हाथ में लेकर फोटोसेशन पॉलिटिक्स करने वाले संवैधानिक संस्थाओं पर उठा रहे सवाल

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि प्रोपेगेंडा फैलाना आज राहुल गांधी का एकमात्र लक्ष्य हो चला है। बिना किसी तर्क और आधार के वे देश की जनता को गुमराह करने वाली बातें करते हैं। कभी बिना अध्यक्ष की अनुमति के लोकसभा में देवी-देवताओं की तस्वीर ले आते हैं, कभी कोई और फोटो दिखाने की बालहठ पर उतर आते हैं, तो कभी अपूर्ण जानकारी के साथ महाभारत के बिम्ब-प्रतीकों का उल्लेख करने लगते हैं। बीते दिन मध्य रात्रि में उन्होंने अपने ऊपर ईडी की जांच की आशंका से जुड़ा ट्वीट कर दिया। उनका हालिया आचरण और व्यवहार को लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष की गरिमा के अनुकूल कतई नहीं माना जा सकता। श्री सिन्हा ने आगे कहा कि पूरे आम चुनाव के दौरान राहुल गांधी के साथ पूरी इंडी गठबंधन ने संविधान को खतरे में बता कर एक आधारहीन नैरेटिव गढ़ने का प्रयास किया। फिर फोटोसेशन पॉलिटिक्स के लिए संविधान की प्रति हाथ में लहरा कर संसद में शपथ-विधि की और अब एक-एक कर संवैधानिक पद और संवैधानिक संस्थाओं पर गैरजिम्मेदाराना बयान देकर अविश्वास और अराजकता का माहौल बनाने में जुट रहे हैं। श्री सिन्हा ने कहा कि कूल दिखने के चक्कर में और ओछी हुई आक्रामकता दिखा कर राहुल गांधी अपनी छवि को तो कमजोर कर ही रहे हैं साथ ही विपक्ष के नेता की संवैधानिक गरिमा को भी धूमिल कर रहे हैं। जबकि उन्हें तर्कसंगत ढंग से सरकार की आलोचना का सबसे महत्वपूर्ण संवैधानिक अधिकार मिला हुआ है। लेकिन शायद भारतीय संविधान और मूल्यों से अधिक उनपर विदेशी संस्कृति और चिंतन का प्रभाव हावी है। इसलिए वह विदेशों में जा कर खुलेआम अपने देश की आलोचना करते हैं। कई बार उन्होंने ऐसे बयान दिए हैं जिनका फायदा उठाकर विरोधियों ने भारत की अंतर्राष्ट्रीय शाख पर सवाल खड़ा करने का प्रयास किया है। श्री सिन्हा ने कहा कि राहुल गांधी को अपना आदर्श मानने वाले एक नौजवान नेता बिहार में भी हैं। संयोग से वे भी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। वे भी अपने हीरो की तरह आभासी दुनिया के एक्टिविस्ट बने रहते हैं। निराधार बातें करना, जमीनी हकीकत से कटे रहकर जनसरोकार का दिखावा करना और सामाजिक विभाजन को बढ़ाकर अपनी राजनीति को साधना उनकी भी कार्यशैली का हिस्सा है। दोनों ही बिना संघर्ष के परिवारवादी राजनीति के कारण संवैधानिक पद पर आ बैठे हैं। इसलिए जनसरोकार से कहीं अधिक उनका लक्ष्य क्षणिक लोकप्रियता बटोरना है। अपने इस व्यवहार से ये दोनों देश और प्रदेश की राजनीतिक संस्कृति को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रहे हैं। श्री सिन्हा ने कहा परिवारवादी सत्ता की सामंती सोच से प्रभावित ये दोनों नेता देश की लोकतांत्रिक नब्ज को कभी समझ ही नहीं सकते। ये अबतक समझ ही नहीं पाए हैं कि इनकी नकारात्मक राजनीति के कारण ही बार-बार जनता इन्हें नकारती आई है। आगे भी अगर ये इसी रास्ते पर चलते रहे तो जनादेश तो इनकी पहुंच से दूर रहेगा ही जल्द ही ये लोग राजनीतिक रूप से हाशिये पर चले जाएंगे।

आरक्षण कानूनों को नौवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग भ्रामक : अरविन्द

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अरविन्द कुमार सिंह ने कहा है कि कांग्रेस, राजद को अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए लोगों को गुमराह करना बंद कर देना चाहिए, क्योंकि ये ही हैं जिन्होंने आजादी के बाद से बिहार पर शासन किया और मानव विकास सूचकांक में इसे सबसे निचले पायदान पर ला खड़ा किया। आरक्षण कानूनों को नौवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग भी भ्रामक है, क्योंकि इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट का पहले से ही स्पष्ट फैसला है। सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला दिया है कि नौवीं अनुसूची में शामिल किसी भी कानून को चुनौती भी दी जा सकती है। श्री अरविन्द ने कहा कि न्यायमूर्ति वाई के सभरवाल की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने यह आदेश दिया था जिसमें नौ न्यायाधीशों की पीठ ने 11 जनवरी, 2007 को कोएल्हो बनाम तमिलनाडु राज्य और अन्य मामले में सर्वसम्मति से फैसला सुनाया था, जिसमें संविधान के मूल संरचना सिद्धांत को बरकरार रखा गया था, और न्यायपालिका को ऐसे किसी भी कानून की समीक्षा करने का अधिकार दिया था, जो अनुच्छेद 21 के साथ अनुच्छेद 14, अनुच्छेद 19 और इसके तहत अंतर्निहित सिद्धांतों में इंगित मूल ढांचे को नष्ट या नुकसान पहुंचाता है, भले ही उन्हें 14 अप्रैल 1973 के बाद 9वीं अनुसूची में डाल दिया गया हो। यह मामला लोकप्रिय रूप से नौवीं अनुसूची का मामला के रूप में जाना जाता है। श्री अरविन्द ने कहा कि भाजपा सब दिन आरक्षण देने की वकालत की है जबकि झूठ बोलना धोखा देना और किसी को ठगना यह राजद से सीखना चाहिए। जब 2023 में जातीय जनगणना मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने करवाया तो राजद इसमें कहां थी इसके पहले बिहार में राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव जी के शासनकाल में और कांग्रेस के कार्यकाल में जातीय जनगणना बिहार में क्यों नहीं करवाया ...?

विस चुनाव की तैयारी में जुटी कांग्रेस, छह सदस्यीय कमिटी का गठन

पटना। आगामी बिहार विधानसभा की तैयारी में कांग्रेस जुट गई है। बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह के निर्देशन में जिला कांग्रेस कमिटी की सम्पत्ति के अवलोकनार्थ और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर प्रदेश कोषाध्यक्ष निर्मलेंदु वर्मा सहित छह सदस्यीय कमिटी बनाई गयी है। यह छह सदस्यीय समिति जिलों में कांग्रेस के कार्यकताओं से विचार-विमर्श करेगी और अपना प्रतिवेदन प्रदेश कांग्रेस कार्यालय को सुपुर्द करेगी। इस बाबत जानकारी देते हुए बिहार कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने बताया कि बिहार कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह ने पत्र जारी करते हुए प्रदेश कांग्रेस के कोषाध्यक्ष निर्मलेंदु वर्मा, पूर्व विधायक प्रमोद कुमार सिंह, अजय पासवान, के अलावे प्रदेश कांग्रेस के तीन डेलीगेट पंकज यादव, अब्दुल बाकी सज्जन और मनीष सिन्हा को इस समिति की जिम्मेदारी सौंपी हैं जो सभी जिलों का दौरा करके विस्तृत रिपोर्ट प्रदेश कार्यालय को देंगे।

राजनीति से गौन नहीं, कुछ कारणवश मौन हूं : आरसीपी

पटना/नवादा। भारत सरकार के पूर्व मंत्री आरपीसी सिंह नें पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मैं कुछ दिनों के लिए केंद्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के आदेश का सम्मान करते हुए भले ही ज्यादा सक्रिय नहीं रहा हूं, लेकिन अपने समर्थकों एवं कार्यकताओं से हमारा संपर्क लगातार स्थापित रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के एनडीए में वापसी के बाद से राजनीती में उनकी निष्क्रियता को लेकर पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि मैं भारतीय जनता पार्टी का सिपाही हूं। प्रदेश एवं केंद्र में विभिन्न राजनीतिक दलों संग गठबंधन तय करने का अधिकार केंद्रीय नेताओं का होता है। हां नीतीश कुमार के एनडीए में वापसी को लेकर मुझे थोड़ी अचरज जरूर हुई, लेकिन मैं विचलित कभी नहीं हुआ हूं।

जन विरोधी नीतियों के खिलाफ जिला मुख्यालयों पर सीपीआई का प्रदर्शन

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की राज्य सचिवमंडल के साथ राज्य के सभी जिला सचिव की बैठक शनिवार को पटना में हुई। बैठक में केंद्र और राज्य सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ सितंबर महीने में सभी जिला मुख्यालय पर जुझारू प्रदर्शन करने, पार्टी स्थापना का शताब्दी वर्ष मनाने, अगले साल होने वाले बिहार विधान सभा चुनाव की तैयारी आदि पर चर्चा की गई और आंदोलन की रणनीति बनाई गई।

राष्ट्रीय परिषद की बैठक की रिपोर्टिंग करते हुए सीपीआई के राष्ट्रीय सचिव व पूर्व सांसद नागेंद्र नाथ ओझा ने कहा कि राष्ट्रीय परिषद की बैठक में लोकसभा चुनाव 2024 के परिणामों का गहराई से विश्लेषण किया गया। भाजपा की धार्मिक ध्रुवीकरण की कारगुजारियों, जनविरोधी और निजी कॉरपोरेटपक्षी नीतियों से आमलोगों का मोहभंग तेजी से हुआ है। नोटबंदी, जीएसटी, कोविड की तबाही और उससे जुड़ा वैक्सीन घोटाला, महंगाई, बेरोजगारी आदि से लोग ठगा महसूस कर रहे हैं। सांप्रदायिक उन्माद, जातीय टकराव, दलित व महिला उत्पीड़न, मणिपुर की हिंसा ने भाजपा की कलई खोल दी है। बैठक को संबोधित करते हुए भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की जन विरोधी नीतियों से बिहार की जनता परेशान हैं। महँगाई आसमान छू रही है। खाद्य वस्तुओं की कीमत लगातार बढ़ रही है। भ्रष्टाचार चरम पर है। बिहार पूरी तरह सुखा के चपेट में है। मजदूरों को काम नहीं मिल रहा है। पूरे बिहार में त्राहिमाम है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी केंद्र और राज्य सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ संघर्ष तेज करेगी और सितंबर महीने में बिहार के सभी जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का शताब्दी वर्ष 26 दिसंबर 2024 से शुरू हो रहा है और यह 25 दिसंबर 2025 तक पूरे बिहार में धूमधाम से मनाये जाएंगे। बैठक की अध्यक्षता समस्तीपुर के जिला सचिव सुरेंद्र कुमार सिंह मुन्ना ने की।

वाहन रजिस्ट्रेशन से लिंक मोबाइल नंबर अपडेट नहीं रहने पर होगी कार्रवाई

पटना। वाहन रजिस्ट्रेशन और ड्राईविंग लाईसेंस से लिंक मोबाइल नंबर और पता अपडेट नहीं रहने पर अब वाहन मालिकों/चालकों पर मोटरवाहन अधिनियम के विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की जायेगी। ऐसे वाहन मालिक/चालकों से जुमार्ना वसूला जायेगा तथा संबंधित वाहन का रजिस्ट्रेशन एवं चालक का ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित करने की कार्रवाई की जा सकती है। इस संबंध में परिवहन सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने सभी जिलों के जिला परिवहन पदाधिकारी को निर्देश दिया है।

एक माह के अंदर मोबाइल नंबर अनिवार्य रुप से करा लें अपडेट :

परिवहन सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने आम लोगों से अपील की है कि वाहन रजिस्ट्रेशन और ड्राईविंग लाईसेंस से लिंक मोबाइल नंबर को अनिवार्य रुप से अपडेट करा लें। इसके लिए एक माह का समय दिया गया है। इसके बाद वाहन और ड्राईविंग लाईसेंस का डेटा वाहन और सारथी पोर्टल पर अपडेट नहीं होने पर संबंधित वाहन चालक/मालिक पर कार्रवाई की जायेगी।

पता बदलने पर 30 दिनों के अंदर देनी होगी सूचना :

मोटरवाहन अधिनियम की धारा 49 में निहित प्रावधान के अनुसार वाहन मालिक द्वारा यदि रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र में अभिलिखित निवास स्थान बदला जाता है तो अपने नये पते की सूचना 30 दिनों के अंदर सक्षम प्राधिकार को उपलब्ध कराया जाना है। इसके उल्लंघन पर नियमानुसार कार्रवाई का प्रावधान है।

देना होगा आधार से लिंक मोबाइल नंबर :

मोबाइल नंबर अपडेट कराने के लिए आधार से लिंकड मोबाइल नंबर देना होगा। अपडेट कराने की सुविधा परिवहन सेवा पोर्टल पर उपलब्ध है। नंबर अपडेट नहीं होने की स्थिति में संबंधित वाहन का पॉल्यूशन सर्टिफिकेट भी नहीं बना सकेंगे।

अपडेट नहीं होने से नहीं मिल पाता निर्गत ई चालान की सूचना

परिवहन सचिव ने बताया कि कई ऐसे वाहन मालिक, वाहन चालक हैं, जिनका वाहन के रजिस्ट्रेशन एवं ड्राईविंग लाइसेंस के साथ लिंक मोबाइल नंबर और पता गलत/उपयोग में नहीं है। इसके इस वजह से दुर्घटना एवं अन्य घटना की स्थिति में वाहन मालिक/चालक की पहचान में परेशानी होती है। वाहन रजिस्ट्रेशन से लिंक मोबाइल नंबर अपडेट नहीं होने से यातायात उल्लंघनकताओं के मोबाइल पर निर्गत ई चालान की सूचना नहीं मिल पाती है। नंबर अपडेट से संबंधित जानकारी के लिए हेल्पडेस्क नंबर पर करें कॉल मोबाइल नंबर अपडेट करने या संशय की स्थिति में परिवहन विभाग के हेल्प डेस्क नंबर पर कॉल कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए परिवहन विभाग द्वारा नंबर जारी किया गया है। कार्यालय अवधि में परिवहन विभाग के हेल्पडेस्क नंबर 06122547212 पर कॉल कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। घर बैठे अपडेट कर सकते हैं मोबाइल नंबर परिवहन सचिव ने बताया कि वाहन रजिस्ट्रेशन या ड्राइविंग लाईसेंस बनाने के समय का लिंकड मोबाइल नंबर अगर उपयोग में नहीं है या नया नंबर अपडेट करना चाहते हैं तो घर बैठे ही आसानी से मोबाइल नंबर अपडेट कर सकते हैं।

नई आरक्षण सीमा को 9वीं अनुसूची में डालने पर डबल इंजन की सरकार सुस्त : तेजस्वी

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव लगातार केन्द्र व राज्य सरकार पर हमलावर बने हुए है। इसी कड़ी में नेता प्रतिपक्ष ने एक बार फिर बिहार में बढ़ाए गए आरक्षण को संविधान की नौंवी सूची में डालने को लेकर केन्द्र और राज्य सरकार पर हमला बोला है। तेजस्वी ने शनिवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंटस एक्स पर लिखा है कि वंचित और उपेक्षित वर्गों के कल्याणार्थ जातिगत जनगणना करवाने के लिए राष्ट्रीय जनता दल ने दशकों तक सड़क से सदन तक कठिन संघर्ष किया है। जब बिहार में महागठबंधन सरकार बनी तब मात्र 17 महीनों में ही हमने स्वतंत्र भारत में पहली बार किसी राज्य में जाति आधारित गणना करवा इसके आँकड़े प्रकाशित कराए। जातिगत जनगणना के जो आंकड़े आए उसके आधार पर बिहार में नवंबर 2023 में सभी वर्गों के लिए आरक्षण की सीमा बढ़ाकर 75 प्रतिशत कर दिया गया। दिसंबर 2023 में पूर्वी क्षेत्रीय परिषद् की बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री के समक्ष भी इसे संविधान की 9वीं अनुसूची में डालने का आग्रह किया लेकिन आरक्षण विरोधी बीजेपी और एनडीए सरकार ने इससे इंकार कर दिया। डबल इंजन सरकार बनने के 8 महीने बाद भी इस दिशा में कोई प्रयास नहीं हुआ है। नई आरक्षण सीमा के अंतर्गत प्रदेश की लाखों नियुक्तियों में नौकरी पाने से पिछड़े, अतिपिछड़े और अनुसूचित जाति, जनजाति के लोग वंचित रह जाएंगे।

मखाना महोत्सव : उत्पादन व निर्यात को बढ़ावा देने हेतु किये गए प्रयासों पर चर्चा

मखाना महोत्सव 2024 के प्रथम दिन मखाना से सम्बंधित विषयों पर तीन पैनल चचाएं आयोजित की गईंक प्रथम पैनल चर्चा में मखाना उत्पादन को बढ़ावा देने, मखाना उत्पादन में तकनिकी के प्रयोग पर सिफेट, मखाना अनुसंधान केंद्र, दरभंगा, निफ्टेम के वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों द्वारा अपनी बात राखी गयी। दूसरा पैनल चर्चा मखाना के घरेलु बाजार बढ़ावा देने के विभिन्न पहलुओं पर केंद्रित था। बिग बास्केट, फ्लिपकार्ट, सेफ एक्सप्रेस, फार्मले, भारतीय पैकजिंग संस्थान के प्रतिनिधियों के प्रतिनिधियों ने अपने सुझाव रखे। पैनल सदस्य ने बताया की मखाना को अंतरास्ट्रीय बाजार में स्थापित करने के लिए मखाना के पैकजिंग को अच्छा करने की आवश्यकता है साथ हीं साथ मखाना के मूल्य वर्धक उत्पाद को बढ़ावा देने की जरुरत पर बल दिया गया। तीसरे पैनल चर्चा में अंतराष्ट्रीय बाजार में मखाना के पहुंच को बढ़ाने हेतु पैनल के सदस्यों द्वारा सुझाव दिया गया। एपीडा द्वारा मखाना के निर्यात को बढ़ावा देने हेतु किये गए प्रयासों पर चर्चा की गयी। पैनल सदस्य द्वारा बताया गया की भारतीय डांक भी मखाना के उत्पाद के निर्यात में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। सदस्य द्वारा बताया गया की विभिन्न तरह के लॉजिस्टिक समाधान द्वारा मखाना के निर्यात को बढ़ावा दिया जा जा रहा है। तीसरे पैनल चर्चा में जिसमें टेकी पोस्ट, मिस्टर मखाना, एपीडा, सिंह साहब फूड्स के प्रतिनिधियों ने अपनी बात रखी। कृषि विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल द्वारा इस महोत्सव में आये कई मखाना निर्यातक, उद्यमियों एवं संस्थागत क्रेताओं से बिहार के मखाना की पहुँच को बढ़ने सम्भावना पर वार्ता की गयी। इस श्रृंखला में मिस्टर मखाना के ऋषभ जैन एवं सौरभ जैन, के एम्-एस, मुंबई की कविता शेख, फ्लिपकार्ट से नेशनल ग्रोसरी हेड राजेश कुमार, बिगबास्केट के नेशनल हेड प्रत्युष प्रतीक, सिंह साब फूड्स, मुंबई के परमिंदर सिंह एवं तिरुपति एग्री ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड, पश्चिमी बंगाल के सीईओ क्षितिज आनंद एवं डी एस ग्रुप के प्रतिनिधि से वार्ता हुई कई एक्सपोर्टर्स बिहार में अपने व्यवसाय को बढ़ाने की मनसा रखते हैं और सचिव कृषि ने उन्हें निमंत्रण दियो यहाँ स्थित एक्सपोर्ट हाउस को चलाने की इच्छा भी उन्होंने जाहिर की साथ ही सचिव कृषि ने बिगबास्केट एवं फ्लिपकार्ट से आग्रह किया की बिहार के मखाना ब्रांड्स को अपने प्लेटफार्म पर शामिल करें।

राजद अति पिछड़ा प्रकोष्ठ की बैठक 5 अगस्त को

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता एजाज अहमद ने बताया कि बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल अति पिछड़ा प्रकोष्ठ की ओर से प्रदेश पदाधिकारियों, जिला अध्यक्षों ,जिला प्रधान महासचिवों एवं विशेष आमंत्रित सदस्यों की एकदिवसीय बैठक 5 अगस्त को राष्ट्रीय जनता दल राज्य कार्यालय आयोजित किया गया है। इस बैठक में राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सहित पार्टी के वरिष्ठ नेतागण भी उपस्थित रहेंगे। बैठक की अध्यक्षता अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष श्री अरविंद कुमार साहनी करेंगे।

मखाना महोत्सव शुरू : उमड़ी भीड़, वेराइटीज देख अभिभूत हुये खरीदार

मखाना के उत्पाद को हर थाल तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जायेगा : मंगल

● ज्ञान भवन में आयोजित मखाना महोत्सव का कृषि मंत्री ने किया उद्घाटन

● मंत्री बोलें-मखाना महोत्सव का आयोजन अन्य राज्यों में भी किया जायेगा

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

दो दिवसीय मखाना महोत्सव का आगाज हो चुका है। पहले दिन ही महोत्सव में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। स्टॉलों पर विभिन्न तरह के वेराईटीज देख लोग अभिभूत हुए। जमकर खरीदारी भी की। इससे पहले कृषि मंत्री मंगल पाण्डेय ने शनिवार को ज्ञान भवन पटना में आयोजित मखाना महोत्सव, 2024 का उद्घाटन किया। मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि मखाना के उत्पादन, विपणन एवं प्रसंस्करण करके इसे हर थाल तक पहुँचाना सुनिश्चित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि मखाना उत्पादक किसान को यह भरोसा दिया जाये कि मखाना उत्पादन में उनका भविष्य है। मखाना किसानों की आय में वृद्धि का स्रोत है। उन्होंने कहा कि व्यापारियों को गुणवत्ता, मानक एवं विपणन में प्रतियोगिता का सामना करने हेतु राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानकों का पालन करना होगा, जिससे अधिक लाभ मिल सके। हमें आधुनिक यंत्रों का प्रयोग कर मखाना के उत्पादन एवं प्रसंस्करण को बढ़ावा देना होगा। उन्होंने कहा कि मखाना महोत्सव का आयोजन देश के अन्य राज्यों में भी किया जायेगा, ताकि इसका व्यापक प्रचार-प्रसार हो सके। उन्होंने कहा कि बिहार, भारत में मखाना का शीर्ष उत्पादक राज्य है। मखाना फसल आजीविका सृजन, मूल्यवर्द्धन, विपणन और निर्यात प्रोत्साहन के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करती है। मखाना उत्तरी बिहार का एक महत्वपूर्ण फसल है, जिसपर लाखों किसानों की आजीविका आश्रित है। मंत्री ने कहा किभारत सरकार द्वारा मिथिला मखाना को जीआई टैग प्रदान किया गया है, जो मखाना उत्पादन के क्षेत्र में बिहार की विशिष्टता को दशार्ता है। इस आयोजन द्वारा एपीडा की मदद से राज्य के लिए निर्यात की सम्भावनाओं का विस्तार करने और मखाना और इसके मूल्यसंवर्द्धित उत्पादों को निर्यातकों के साथ सम्पर्क स्थापित करके कई निर्यात स्थानों तक ले जाने में मदद करेगा। उन्होंने बताया कि मखाना का निर्यात पड़ोसी देशों के साथ-साथ कई देशों में भी की जाती है।

भण्डारण इकाई पर 75 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान :

कृषि मंत्री ने कहा कि एक जिला एक उत्पाद के तहत राज्य के 06 जिलों दरभंगा, मधुबनी, सुपौल, सहरसा, कटिहार एवं अररिया में मखाना उत्पाद नामित है। मखाना के आर्थिक महत्व को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार के द्वारा मखाना विकास योजना का संचालन वर्ष 2019-20 से किया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत मखाना के उन्नत प्रभेदों के बीज उत्पादन एवं प्रत्यक्षण तथा क्षेत्र विस्तार को बढ़ावा देने हेतु सहायतानुदान का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की पहल से मखाना भण्डारण की भी सहायता वर्ष 2023-24 से मखाना उत्पादकों को दी जा रही है, जिसमें भण्डारण इकाई पर 75 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान है।

उत्पाद एवं निर्यात क्षमता को बढ़ाना देना उद्देश्य :

श्री पाण्डेय ने कहा कि मखाना महोत्सव, 2024 के आयोजन का मुख्य उद्देश्य मखाना एवं इसके प्रसंस्कृत उत्पाद एवं निर्यात क्षमता को बढ़ाना है। इस महोत्सव में मखाना के प्रगतिशील कृषकों एवं उत्पादक कंपनी, देश एवं राज्य के प्रमुख निर्यातकों, ट्रेडर्स, वैज्ञानिक आदि को आमंत्रित किया गया है। मखाना के विभिन्न उत्पादों के लिए 20 से अधिक स्टॉल गये हैं।

उत्पादन में वृद्धि की संभावना पर चर्चा :

मखाना महोत्सव, 2024 दो दिनों तक चलेगा, जिसके प्रथम दिन पैनल चर्चा के माध्यम से महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जैसे मखाना के उत्पादन में वृद्धि की संभावना, पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट, यंत्रीकरण, देश के बाजार के लिए बिहार के मखाना की आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना, वैश्विक पहुंच के लिए बिहार के मखाना की मार्केटिंग रणनीतियों को बढ़ाना आदि महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा हुई।

ये रहें मौजूद :

मखाना व्यंजन प्रतियोगिता के अंतिम चरण का आयोजन भी महोत्सव के प्रथम दिन किया गया। इस अवसर पर सचिव, कृषि विभाग, बिहार संजय कुमार अग्रवाल, कृषि निदेशक मुकेश कुमार लाल, प्रबंध निदेशक, बिहार राज्य बीज निगम डॉ आलोक रंजन घोष, निदेशक, उद्यान अभिषेक कुमार, उप महानिदेशक, कृषि अभियंत्रण, आईसीएआर, नई दिल्ली डॉ एस एन झा, अपर सचिव शैलेन्द्र कुमार, संयुक्त सचिव द्वय मदन कुमार एवं मनोज कुमार, मंत्री के आप्त सचिव अमिताभ सिंह, विशेष कार्य पदाधिकारी सुनिल कुमार, अपर निदेशक (शष्य) धनंजयपति त्रिपाठी, संयुक्त निदेशक उद्यान द्वय राधा रमण और पवन कुमार सहित अन्य पदाधिकारी तथा प्रतिभागी किसानगण उपस्थित थे।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक)/पूर्व मध्य रेल/समस्तीपुर कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से निचे लिखे कार्यों के लिए, अनुभवी एवं वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदाताओं से भारतीय रेलवे के ireps वेब portal पर एकल पॉकेट पद्धति के अधीन खुली ई–निविदा के रूप में आमंत्रित की जाती है।

निविदा सूचना सं.: यां/टी.सी.–30 ऑफ 2024 (खुली ई–निविदा) दि. 01.08.2024 | कार्य का नाम : 10 टन या उससे अधिक क्षमता वाले ट्रक की आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग और टाटा एलपीटी 1613/48 काउल या टाटा एलपीटी 1918 काउल या अशोक लीलैंड 1920 या आयशर प्रो 3019 आदि के समान और ट्रक पर संशोधन कार्य (निर्माण, फर्निशिंग और स्थापना/माउंटिंग) टाटा एलपीटी 1613/48 काउल या टाटा एलपीटी 1918 काउल या अशोक लीलैंड 1920 या आयशर प्रो 3019 पर परिवहन के साथ बस बॉडी और आरएक्सएल, एसएचसी, डीबीजी और एनकेई डिपो के लिए एआरटी के लिए चेसिस समस्तीपुर डिवीजन। निविदा लागत (रू. में) : ₹1,51,76,395.00, बयाने की राशि (रू. में) : ₹2,26,000.00, कार्य समाप्ति अवधि : 180 दिन।

1. आई.आर.ई.पी.एस वेब portal पर ई–निविदा प्राप्त करने की तिथि एवं समय 23.08.2024 को समय 15:00 बजे तक है | 2. ई–निविदा खुलने की तिथि एवं समय दि. – 23.08.2024 को 15:30 बजे | 3. वेब साईट से विवरण जहां से निविदा प्रपत्र की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है– www.ireps.gov.in

सहायक मंडल यां. ईजी. (समाडि)/ पूमरे/समस्तीपुर

पीआर/00824/एसपीजे/यां./टी/24–25/44

संक्षिप्त खबरें

संवेदक पर लगाया 25लाख का जुर्माना

मुजफ्फरपुर। सिकंदरपुर मन के सौंदर्यीकरण एवं विकास की धीमी प्रगति तथा कमिटमेंट के अनुरूप बार-बार फेल हो जाने के कारण नगर आयुक्त नवीन कुमार द्वारा संवेदक पर 25 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है तथा 31 अगस्त तक कार्य पूरा करने का सख्त निर्देश दिया गया है।अगर 31 अगस्त तक कार्य पूरा नहीं किया जाता है तो पुनः उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में स्मार्ट सिटी की परियोजनाओं की लगातार समीक्षा कर उन्हें मानव बल एवं मशीनरी बढ़ाने तथा कार्य में तेजी लाने का बार-बार निर्देश दिया गया किंतु उनके द्वारा कमिटमेंट के बावजूद हर बार वे फेल होते रहे तथा कार्य में कोई सुधार परिलक्षित नहीं हुआ।तदुपरांत नगर आयुक्त द्वारा 25 लाख रुपए का जुर्माना किया गया है।इसके पूर्व भी पांच लाख रुपए का जुर्माना किया गया था।

गावों का चहुंमुखी विकास मेरी प्राथमिकता : डॉ मुरारी मोहन

दरभंगा।केवटी विधायक डॉ० मुरारी मोहन झा ने शुक्रवार को केवटी प्रखंड अंतर्गत आने वाले ग्रामीण कार्य विभाग दरभंगा -2 द्वारा मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना से नवनिर्मित सड़कों का उद्घाटन किया हैं । उनमें पीडब्लूडी सड़क से लक्ष्मीपुर जो 68.83 लाख कि लागत से एवं एनएच 105 पाराडीह से जेठियाही पासवान टोल तक 104.78 लाख की लागत से सड़को का उद्घाटन करते हुए विधायक ने कहा कि गावों का चहुंमुखी विकास मेरी प्राथमिकता में शामिल हैं । केवटी विधानसभा के गावों का पक्की सड़क से जोड़ने का प्रयास किया गया हैं । आज उसी का परिणाम हैं की गांव-गांव मे सड़क पहुंच रहें हैं उन्होंने कहा जो गांव सड़क सुविधा से वंचित हैं उन गांवों को जल्द ही सड़क से जोड़ दिया जाएगा इस मौके पर केवटी पूर्वी के मंडल अध्यक्ष बिनोदानंद झा,श्रवण मिश्र,संतोष साह,पप्पू मिश्र,सुशील चौपाल,राजेंद्र चौपाल,पिंटू यादव ,गुड्डू जी,बबलू सहनी,रमेश दास,प्रदीप मिश्र,उमेश जी, माधव जी ,अमित पासवान,अजीत चौपाल,दुखी यादव,बाबू साहब,सरोज यादव ,उपेंद्र राय,ज्ञान रंजन चौधरी ,एवं सतीश सिंह सहित काफी संख्या में एनडीए कार्यकर्ता व ग्रामीण मौजूद रहे ।

सांसद ने भाजपा प्रदेश प्रभारी व अध्यक्ष को किया मिथिला परम्परा से सम्मानित

दरभंगा।भाजपा के पटना स्थित प्रदेश कार्यालय में दरभंगा के सांसद सह लोकसभा में पार्टी के सचेतक डा गोपाल जी ठाकुर ने भाजपा के बिहार प्रभारी विनोद तावड़े एवं पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष डा दिलीप जायसवाल को मिथिला परम्परा पाग अंगवस्त्र एवं मखाना के माला से किया सम्मानित। सांसद डा ठाकुर ने मिथिला की पारंपरिक तथा संस्कृतिक पहचान भाजपा के प्रदेश प्रभारी श्री तावरे तथा प्रदेश अध्यक्ष डा जायसवाल को सम्मानित करते हुए कहा की इन दोनों जिम्मेदार नेताओ के अनुभवों के बदौलत पार्टी का संगठन एक नया कीर्तिमान स्थापित करेगा।सांसद डा ठाकुर ने बिहार के प्रभारी श्री तावरे को एक कुशल संगठनकर्ता तथा अनुभवी राजनेता बताते हुए कहा की बिहार जैसे विभिन्न जाति धर्म भाषाई एवं भौगोलिक भिन्नता वाले प्रदेश में इन्होंने जितनी दक्षता से संगठन को मजबूत किया है वह अपने आप में एक उदाहरण है। साथ ही श्री तावरे के बहुआयामी व्यक्तित्व के कारण बिहार से बाहर भी भाजपा संगठन को फायदा हुआ है वहीं नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष डा जायसवाल को एक सुलझे हुए राजनेता तथा परिपक्व संगठनकर्ता बताते हुए सांसद डा ठाकुर ने कहा की बिहार के सीमांचल जैसे चुनौती वाले क्षेत्र में जिस तरह इन्होंने भाजपा संगठन को बूथ स्तर पर पहचान दिलाई वह जगजाहिर है।

मशरूम उत्पादन एवं प्रसंस्करण का 15 दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।डॉ राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा में मशरूम उत्पादन एवं प्रसंस्करण तकनीक पर मास्टर ट्रेनर के पंद्रह दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में गोवा, महाराष्ट्र और झारखंड के प्रशिक्षु भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम में बोलते हुए कुलपति डॉ पी एस पांडेय ने कहा कि बिहार मशरूम उत्पादन में देश में नंबर वन है इसमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों का अहम योगदान है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने अब देश को दुनिया भर में मशरूम उत्पादन में प्रथम बनाने को लेकर प्रयास शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की ओर से वैज्ञानिकों की टीम ने गोवा, राजस्थान, झारखंड आदि राज्यों का दौरा किया है और वहां के किसानों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो लोग यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर मास्टर ट्रेनर बनेंगे वे और लोगों को अपने राज्यों में प्रशिक्षित करेंगे। उन्होंने कहा कि मशरूम भूमिहीन और छोटी जोत वाले किसानों के लिए काफी फायदेमंद है क्योंकि इसमें खेत की जरूरत नहीं होती है। उन्होंने कहा कि मशरूम महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है इससे महिलाओं की आय में वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय से प्रशिक्षण प्राप्त कर की लोगों ने स्टार्ट अप शुरू किया है और आज उनका टर्न ओवर दस करोड़ से ज्यादा है। उन्होंने कहा कि यह एक सफल माडल है और इसे देश भर में लागू करने की दिशा में प्रयास शुरू कर दिया गया है। निदेशक अनुसंधान डॉ ए के सिंह ने कहा कि डॉ पांडेय के सहायक महानिदेशक के कार्यकाल में ही विश्वविद्यालय में मशरूम परियोजना की शुरूआत की गई थी और आज उनके कुलपति के कार्यकाल में इसे देश भर में लागू करने की शुरूआत हो रही है। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ दयाराम और उनके टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शहद , गुड़ तथा अन्य क्षेत्रों में भी तेजी से प्रगति कर रहा है और इसे देश भर में लागू करने का प्रयास किया जा रहा है। मशरूम वैज्ञानिक डॉ दयाराम ने अपने गोवा दौरे तथा अन्य राज्यों के दौरे के बारे में विस्तार से जानकारी दी और कहा कि कुलपति डॉ पी एस पांडेय के दिशानिर्देश पर विश्वविद्यालय देश में मशरूम क्रांति लाने में सफल होकर ही दम लेगा । गोवा से आये प्रतिभागियों की टीम लीडर ने कहा कि विश्वविद्यालय में आकर उन सबको अच्छा लग रहा है और उन्हें उम्मीद है कि यहां से प्रशिक्षण के बाद उनमें से कई लोग नये उद्यम स्थापित करेंगे। निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ एम एस कुंडु ने प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन किया और मशरूम उत्पादन के विभिन्न आयामों की चर्चा की। उन्होंने मशरूम के मूल्य वर्धित उत्पाद बनाने पर और मार्केटिंग पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन डॉ सुधा नंदिनी ने किया। विश्वविद्यालय की ओर से स्वागत भाषण डॉ आर पी प्रसाद ने जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ रामप्रभात ने किया। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न वैज्ञानिक , शिक्षक एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मुकेश के हत्यारे की गिरफ्तारी की मांग को लेकर एसएसपी से मिले पूर्व मंत्री

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर । प्रॉपर्टी डीलर मुकेश पांडे के मुख्य हत्यारे की गिरफ्तारी व परिजनों की सुरक्षा की मांग को लेकर शनिवार को पूर्व मंत्री अजीत कुमार के नेतृत्व में स्वजन एवं सामाजिक कार्यकताओं का एक प्रतिनिधिमंडल वरीय पुलिस अधीक्षक से मिला एवं उन्हें एक ज्ञापन सौपा । वरीय पुलिस अधीक्षक को सौपे गए ज्ञापन में इस हत्याकांड के मुख्य अभियुक्त मुन्ना खान एवं इस कांड में संलिपित अन्य सभी अपराधी को शीघ्र गिरफ्तार करने तथा पीड़ित परिवार को पर्याप्त सुरक्षा देने की मांग की गई है। ज्ञापन में इस जघन्य हत्याकांड का स्पीडी ट्रायल चलकर सभी अपराधियों को समय सीमा के अंदर फांसी की सजा दिलाने की भी मांग परिजनों ने वरीय पुलिस अधीक्षक से किया है। विदित हो कि बीते 29 जुलाई को पटियासा सहारा इंडिया के पास अपराधियों द्वारा मुकेश पांडे का अपहरण कर हत्या कर दी गई थी , एवं लाश दरभंगा मे नदी के किनारे फेंक दिया गया था। वरीय पुलिस अधीक्षक से मिलने के बाद पूर्व मंत्री अजीत कुमार ने कहा कि एसएसपी ने स्वजनों की बातों काफी गंभीरता से सुनकर शीघ्र न्याय दिलाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि इस घटना में जिस तरह पुलिस के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए कई अपराधियों की गिरफ्तारी की गई है इससे स्पष्ट है कि पुलिस ने इस कांड को चुनौती के रूप में लिया है। श्री कुमार ने कहा कि मुकेश हत्याकांड को मैं भी चुनौती के रूप में लिया हूं। इस कांड में जब तक पुलिस मुकेश के परिजन को न्याय नहीं दिलाएगी तब तक मैं एवं मेरे साथी मुकेश के परिजनों के साथ संघर्ष जारी रखेगे। श्री कुमार ने बीते एक सप्ताह के अंदर कांटी थाना क्षेत्र में बढ़े अपराध पर एसएसपी से चिंता जाहिर किया तथा कांटी पुलिस की निष्क्रियता पर भी संज्ञान लेकर कार्रवाई करने की बात कही। एसएसपी ने उन्हें अपराधियों के खिलाफ उस इलाके मे विशेष अभियान चलाने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में मुकेश पांडे के परिजन के अलावा गायघाट से एनडीए के प्रत्याशी रहे अशोक कुमार सिंह, कमलेश कुमार सिंह, रणधीर कुमार सिंह, राधेश्याम सिंह , मनीष बसंत शाही आदि प्रमुख थे।

जलाभिषेक करने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं का डीएम ने लिया जायजा

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।श्रावणी मेला के अवसर पर तीसरी सोमवारी में बाबा गरीब नाथ मंदिर में जलाभिषेक तथा दर्शन हेतु श्रद्धालु भक्तों की लगने वाली भीड़ की संभावना को देखते हुए जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने अधिकारियों की टीम के साथ कांवरिया पथ, ठहराव स्थल , कंट्रोल रूम एवं मेडिकल शिविर आदि का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियो को श्रद्धालुओं की सेवा में उपलब्ध सभी आवश्यक सुविधाओं को निर्बाध रूप से सुगम , सुचारू एवं सुदृढ़ बनाये रखने का सख्त निर्देश दिया।इस क्रम में जिलाधिकारी ने रामदयालु सिंह महाविद्यालय एवं जिला स्कूल सहित कई अन्य ठहराव स्थलों का निरीक्षण किया। श्रद्धालुओं के ठहराव के लिए आरडीएस कॉलेज में भव्य एवं आकर्षक पंडाल बनाया गया है जिसमें बिहार की सांस्कृतिक विविधता की झलक दृष्टिगोचर होती है। पंडाल के बाहरी भाग पर विश्व शांति स्तूप, जैन मंदिर, राजगीर का घोड़ा कटोरा आदि को चित्रांकित कर दशार्या गया है। पंडाल के भीतर में श्रद्धालुओं की छोटी आवश्यकता से लेकर बड़ी आवश्यकता का ध्यान रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई है ताकि श्रद्धालुओं को सभी आवश्यक सुविधाएं सुगम रूप से उपलब्ध हो जाय। श्रद्धालुओं के सोने के लिए बेड, तोशक तकिया , पेयजल की सुविधा ,शौचालय स्नानागार , निर्बाध बिजली की व्यवस्था, मोबाइल चार्जिंग की व्यवस्था आदि की गई है।

पुरुष एवं महिला के लिए अलग-अलग शौचालय एवं स्नानागार की व्यवस्था की गई है तथा प्रतिदिन नियमित रूप से साफ सफाई की लगातार मॉनिटरिंग कर विशेष ध्यान रखा जा रहा है। ठहराव स्थल पर विश्राम कर रहे श्रद्धालुओं से भी जिलाधिकारी ने हाल-चाल जाना।

गर्मी के मौसम को देखते हुए डीएम ने पेयजल आपूर्ति की निर्बाध व्यवस्था रखने,निः शुल्क पेयजल संबंधी फ्लेक्स लगाने,पानी की गुणवत्ता बहाल रखने तथा साफ सफाई का विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया। पुरुष एवं महिला शौचालयों का प्रतिदिन तीन पाली में साफ सफाई कराते रहने को कहा।तदुपरांत जिलाधिकारी ने जिला स्कूल स्थित किलकारी भवन में 9 विधाओं में संचालित प्रशिक्षण कार्य का जायजा लिया तथा किलकारी के बच्चियों से भेंट की। किलकारी में 1047 बच्चे नामांकित है।जिलाधिकारी के सम्मान में किलकारी की बच्चियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत की तथा जिला शिक्षा पदाधिकारी ने जिलाधिकारी सहित अन्य अतिथियों डीडीसी, नगर आयुक्त, सहायक समाहर्ता को अंगवस्त्र एवं बच्चों द्वारा निर्मित मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने जिला स्कूल के पीछे तीन एकड़ में फैले भूमि जिसमें विविध प्रकार के पेड़ पोंधे लगे हैं, उसका निरीक्षण किया।

राज्य सरकार सुगम बस परिचालन हेतु दे रही अनुदान

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी मुख्यमंत्री प्रखंड परिवहन योजना के तहत बिहार के ग्रामीण इलाकों को जिला मुख्यालय से जोड़ने के लिए बसों का परिचालन किया जाना है। जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि योजना के तहत सात लाभुकों का चयन किया जाना है, प्रत्येक लाभुक को बस खरीदने के लिए पांच-पांच लाख रुपए की राशि अनुदान के तहत दी जाएगी.बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों और प्रखंडों को जिला मुख्यालय से जोड़ने आम लोगों को यात्री परिवहन की सुविधा उपलब्ध कराने तथा बेरोजगार युवाओं को रोजगार मुहैया कराने के उद्देश्य से परिवहन विभाग ने मुख्यमंत्री प्रखंड परिवहन योजना के दूसरे चरण की शुरूआत की है। इसके तहत जिले के सभी प्रखंडों के 07-07 लाभुकों को 05 लाख रुपये का अनुदान दिया जाएगायोजना के तहत जिला मुख्यालय को छोड़कर सभी प्रखंडों में इस योजना का लाभ दिया जाएगा. अनुदान का भुगतान जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा सीएफएमएस के माध्यम से लाभुक के बैंक खाते में किया जाएगा. एक प्रखंड में कोटिवार सात लाभुकों का चयन किया जाएगा, जिसमें अनुसूचित जाति से दो, अत्यंत पिछड़ा वर्ग से दो, पिछड़ा वर्ग से एक, अल्पसंख्यक समुदाय से एक एवं सामान्य वर्ग (जो उक्त किसी कोटि में नहीं आते हो) से एक लाभुक का चयन किया जाएगा.मुख्यमंत्री प्रखंड परिवहन योजना के तहत 01 अगस्त से ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, आवेदन 25 अगस्त तक किया जा सकता है. 18 वर्ष आयु पूरा कर चुके वैसे लाभुक आवेदन कर सकेंगे जिनके पास ड्राइविंग लाइसेंस हो. जिस प्रखंड से लाभुक योजना का लाभ लेना चाहते हैं, उनको उस प्रखंड का निवासी होना जरूरी है।

स्वाधीनता दिवस का मुख्य आयोजन खुदीराम बोस स्टेडियम में

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर ।स्वाधीनता दिवस समारोह अत्यंत धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। मुख्य समारोह स्थानीय खुदीराम बोस स्टेडियम में होगा। स्वाधीनता दिवस समारोह के सफलता पूर्वक संचालन सुनिश्चित करने हेतु जिला पदाधिकारी सुब्रत कुमार सेन एवं वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार ने अधिकारियों के साथ बैठक की तथा संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने दायित्व का समय से पूर्व निष्पादन करने का सख्त निर्देश दिया। इस क्रम में उन्होंने साफ सफाई ,रंग रोगन, टेंट पंडाल, माइक आदि की समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया।इस अवसर पर स्थानीय रामदयालु सिंह कॉलेज में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा जिसमें देशभक्ति तथा राष्ट्रीय भावनाओं पर आधारित गीत संगीत प्रस्तुत किए जाएंगे। स्वाधीनता दिवस के अवसर पर खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए जिला शिक्षा पदाधिकारी को स्कूली बच्चों का गांव एवं प्रखंड स्तर पर खेल प्रतियोगिता का आयोजन कर अंत में जिला स्तर पर बृहद खेल प्रतियोगिता का आयोजन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके लिए जिला खेल पदाधिकारी से समन्वय स्थापित करने को कहा। खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहन के रूप में प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त आशुतोष द्विवेदी, नगर आयुक्त नवीन कुमार, एएसपी टाउन भानु प्रताप सिंह ,सहायक समाहर्ता डॉ आकांक्षा आनंद, अपर समाहर्ता राजस्व संजीव कुमार, अपर समाहर्ता आपदा मनोज कुमार ,अपर समाहर्ता विधि व्यवस्था सुधीर कुमार सिन्हा सहित कई अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जब्त देशी कट्टा एव जिंदा कारतूस के साथ अपराधी को जेल भेजा गया

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी खजौली थाना कांड के गिरप्तार अप्राथमिकी अभियुक्त थाना क्षेत्र के कंहौली तुरकाहा गांव निवासी रौशन कुमार ठाकुर को बीती रात थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह, अपर थानाध्यक्ष राम कुमार ,पीएसआई जितेश कुमार मिश्रा ने बेलाकोठी, खजौली बाजार मुख्य सड़क के लचका पर गिरप्तार किया गया.गिरप्तार अभियुक्त रौशन कुमार ठाकुर को पुलिस पदाधिकारी द्वारा अपने पुलिस वाहन पर बैठाकर उनके कंहौली तुरकाहा गांव स्थित घर पर छापेमारी करने पर अभियुक्त के सोने वाले कमरे में बिछावन पर तकिया के नीचे से एक देशी कट्टा एव 315 बोर का जिंदा कारतूस बरामद कर आर्म्स एक्ट में शनिवार को न्यायायिक हिरासत में भेज दिया गया.थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि अप्राथमिकी अभियुक्त रौशन कुमार ठाकुर पूर्व में बाइक चोरी की अप्राथमिकी अभियुक्त था. अभियुक्त के घर से देशी कट्टा एव जिंदा कारतूस बरामद किया गया है.उन्होंने कहा कि अभियुक्त शातिर अपराधी है. वह पूर्व में कई लोगो को मोटरसाइकिल की चोरी एव चलते राहगीर को छिनतई की घटना का अंजाम दिया था.खजौली थाना पुलिस ने अभियुक्त रौशन कुमार ठाकुर को देशी कट्टा एव जिंदा कारतूस में गिरप्तार कर जेल भेज दिया गया. इस छापेमारी अभियान में बीएमपी बेगूसराय के सशस्त्र पुलिस बल विकास कुमार,सुमन कुमार एव महाल चौकीदार परमेश्वर पासवान शामिल थे।

इनर व्हील क्लब द्वारा मधुबनी में सावन महोत्सव का भव्य आयोजन, रीना मुरारका को मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

कार्यक्रम में कई मनमोहक नृत्य और संगीत की प्रस्तुति ने चार चांद लगा दिए

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी के एक निजी होटल में इनर व्हील क्लब ऑफ मधुबनी द्वारा धूम धाम से सावन महोत्सव का भव्य आयोजन किया । इस दौरान कार्यक्रम में भाग लेने वाली सभी महिलाएं हरे और केसरिया रंग की परिधान में नजर आई। कार्यक्रम में कई मनमोहक नृत्य और संगीत की प्रस्तुति ने चार चांद लगा दिए। गायत्री मंत्र के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया और कार्यक्रम में पटना से आए सभी वरिष्ठ अधिकारियों को पुष्पगुच्छ चॉकलेट प्रदान कर एवं मिथिला के परंपरानुसार उनका स्वागत किया गया। इस दौरान इनर व्हील क्लब ऑफ मधुबनी के सदस्यों के बीच एक प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। उसी कार्यक्रम में आए हुए अतिथि इनर व्हील क्लब के कार्य को लेकर सभी को रूबरू कीये पटना से आए मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट एडिटर विभा चरणपहारी और पूर्व अध्यक्ष उषा सिन्हा के द्वारा सभी प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया गया।जिसके बाद इनर व्हील क्लब के सदस्यों के द्वारा निर्वतमान अध्यक्ष दीपशिखा सिंह को उनके कार्यावधि पूर्ण होने पर भव्य विदाई दी गई और रीना मुरारका को सर्वसम्मति से इनर व्हील क्लब ऑफ, मधुबनी का प्रेसिडेंट घोषित किया गया और अनुराधा अग्रवाल को सेक्रेट्री बनाया गया। इस खास मौके पर दीपशिखा सिंह ने अपने पांच वर्षों के कार्यों का लेखा जोखा भी प्रस्तुत किया, इस दौरान संस्था के द्वारा एक असहाय व्यक्ति को विल चेयर और वॉक स्टिक और एक महिला को सिलाई मशीन भी प्रदान किया गया। साथ ही संस्था के सभी वरिष्ठ अधिकारियों ने दीपशिखा सिंह को सम्मानित किया और संस्था में उनके उल्लेखनीय योगदान को सराहा। उसी बीच आए हुए सभी मेंबर को मोमेंटो से सम्मानित किया गया । कार्यक्रम के अंत में संस्था के सभी सदस्यों के बीच सावन के पवित्र महीने को ध्यान में रखते हुए सुहाग के सामान बांटे गए और सबों ने भगवान शंकर के भजन गाकर उनकी पूजा अर्चना की। इस कार्यक्रम में भारी संख्या में संगठन की सदस्य एवं महिलाएं उपस्थित रही मौके पर रीना मुरार का, अनुराधा अग्रवाल , सपना भुवन मनीषा लाल, निधि भुवना और अन्य मेंबर लोग भाग लिये।

कारपोरेट भारत छोड़ो कार्यक्रम की सफलता के लिए बैठक आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर । संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर आगामी 9 अगस्त को कॉर्पोरेट भारत छोड़ो कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आज संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक मुजफ्फरपुर के मोतीझील स्थित कार्यालय में अखिल भारतीय किसान मजदूर सभा के रूदल राम की अध्यक्षता में हुई। बैठक में किसान नेताओं ने कहा कि केंद्र की फासीवादी तानाशाही मोदी सरकार किसानों के साथ वादा करने के बाद भी विश्वास घात किया और लगातार किसान आंदोलन पर दमन कर रही है एवं देसी विदेशी बड़े पूंजी पतियों को राष्ट्रीय संसाधनों एवं जल जंगल जमीन पर लूट का छूट दे दिया है जिससे देश के किसान मजदूर आदिवासी तबाह हो रहे हैं। वह टरढ की गारंटी नहीं दे रही है। चीनी मिल को चालू करो। 2006 में बाजार समिति बंद कर दिया था उसको चालू करो। डी बंदोपाध्याय भूमि सुधार आयोग के सिफारिश को लागू किया जाए। बंटाईदार किसानों का रजिस्ट्रेशन किया जाए एवं उन्हें लाभ दिया जाए । स्मार्ट प्रीपेड मीटर योजना को रद्द किया जाए। एम. एस. स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट को लागू किया जाए आदि किसानों की मांगों को लेकर शहीद खुदीराम बोस स्मारक के नजदीक से 9 अगस्त 2024 को कॉर्पोरेट भारत छोड़ो आह्वान के साथ प्रतिवाद मार्च निकलेगा जो शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए जिलाधिकारी मुजफ्फरपुर के समक्ष पहुंचकर मांग पत्र सौंपा जाएगा।बैठक में ए आइ के एस के मदन प्रसाद, एआईकेकेएमएस के लालबाबू महतो ए आई के एम के एस के राजू शाह एवं राजकुमार बिहार राज्य किसान सभा के शंभू शरण ठाकुर, ए आई के एफ के भूप नारायण सिंह, अखिल भारतीय किसान मजदूर सभा के रूदल राम ने भी अपने विचार रखे।

नही रहें आर बी मेमोरियल अस्पताल के संस्थापक निदेशक डॉ बी एन मिश्रा

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। आर बी मेमोरियल अस्पताल के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ बी एन मिश्रा का निधन 88 वर्ष की अवस्था में अपने आवासीय पर गया। निधन की सूचना मिलते ही स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक सरोकारों से जुड़े लोगों में शोक की लहर व्याप्त हो गई।दरभंगा नगर विधायक संजय सरावगी,बेनीपुर के विधायक प्रो. विनय कुमार चौंधरी, डॉ बी बी वर्मा, डॉ भारत प्रसाद,सुपरिटेंडेंट डीएमसीएच डॉ अल्का मिश्रा सहित दरभंगा शहर के सैकड़ो लोगों एवं विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठन के प्रतिनिधियों ने अंतिम दर्शन कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया।सांसद गोपाल जी ठाकुर,केवटी विधायक डॉ मुरारी मोहन झा, पूर्व विधानपार्षद दिलीप चौधरी, अर्जुन सहनी, भाजपा नेता संजय कुमार सिंह ऊर्फ पप्पू सिंह, अश्वनी यादव, आदित्य नाथ झा मन्ना, राजद प्रदेश सचिव कमल रामबिनोद झा ऊर्फ कमल सेठ, कांग्रेस जिला अध्यक्ष सीताराम चौधरी ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है।उन्होंने कहा की उनकी कमी को कभी पूरा नहीं किया जा सकता है। जीवन के अंतिम पड़ाव तक उन्होंने अपने अस्पताल में अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं को उपलब्ध कराने की दिशा में योगदान दिया। ज्ञात हो की वर्ष 1936 में जन्मे डॉ बैकुंठ नाथ मिश्रा उर्फ डॉ बी एन मिश्रा ने पीएमसीएच से एमबीबीएस और डीएमसीएच से एम एस आर्थो करने के बाद वर्ष 1965 में अपनी पत्नी डॉ. गीता मिश्रा के साथ मिलकर उत्तर बिहार के पहले पोली क्लीनिक की स्थापना बेंता में की। सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहने वाले डॉ. मिश्रा उन्होंने रोटरी क्लब के प्रेसिडेंट के अलावा हॉर्टिकल्चर सोसाइटी, चैंबर ऑफ कॉमर्स, दरभंगा क्लब के पदाधिकारी के पद को भी सुशोभित किया। पिछले साल आईएमए बिहार ने उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से पटना में सम्मानित किया था। वह अपने पीछे तीन पुत्र सुजय मिश्रा, डॉ. संजीव मिश्रा, पुत्रवधु डॉ. अमृता मिश्रा, सुमीत मिश्रा, पुत्रवधू आमी मिश्रा सहित एक पौत्र, पांच पौत्री सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गए।

वायणाड में लैंडस्लाइड में लापता व मृतक के परिजनों से मिले मंत्री चिराग पासवान

प्रात : किरण संवाददाता

हाजीपुर। केरल के वायणाड में लैंडस्लाइड में लापता व मृतक के परिजनों से मिलने वैशाली जिले के रामपुर चकलला और पोझा गांव पहुँचे केन्द्रीय मंत्री सह लोजपा (रा.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय चिराग पासवान । केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान अपने संसदीय क्षेत्र हाजीपुर के जंन्दाहा प्रखंड के रामपुर चकलाला ग्राम पहुँचकर इस ह्दय विदारक घटना में लापता रामदुलार पासवान के 50 वर्षीय पुत्र साधु पासवान , बाला पासवान के 22 वर्षीय पुत्र रंजीत पासवान और गरौल प्रखंड के ग्राम पोझा के लापता अरूण पासवान के 25 वर्षीय पुत्र अभिजीत पासवान के परिवारजनों से मुलाकात कर अपनी गहरी दुख व्यक्त करते हुए सांत्वना दिया।श्री चिराग गरौल प्रखंड के ग्राम पोझा पहुँचें जहाँ इसी वायनाड में दो दिन पूर्व रेस्क्यू में जीतन पासवान के 42 वर्षीय पुत्र उपेन्द्र पासवान और उपेन्द्र पासवान की पत्नी फुल कुमारी को निकाला गया जिसके बाद उपेन्द्र पासवान का इलाज केरल के अस्पताल मे चल रहा है वहीं उनकी पत्नी फुल कुमारी को डॉ. ने मृत घोषित किया और पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौप दिया गया ।

केन्द्रीय मंत्री श्री पासवान मृतक के परिवारजनों से भी मुलाकात कर ढाढस बधाया और सांत्वाना दिया। श्री चिराग इस विनाशक घटना के प्रति चिंता जाहिर करते हुए कहा कि मेरे संसदीय क्षेत्र के सभी लापता एवं मृतक के परिवारजनों को भरोसा दिलाया हूं की मैं और मेरी पार्टी इस अपार दुख की घड़ी में पुरी मजबूती से आपके साथ खड़ी है । मंत्री से चिराग पासवान ने पीड़ित परिवारों को व्यक्तिगत रूप से आर्थिक मदद की प्रदान किया। पार्टी के मिडिया प्रभारी गुड्डु कुमार जायसवाल ने बताया की इस दुख की घड़ी में मौके पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी , जिलाध्यक्ष संजीव कुमार सिंह, संजय पासवान, वेद प्रकाश पाण्डेय, अशरफ अंसारी, विनोद कुमार राय ,लक्ष्मण राय मुखिया रामकरण राय ,अवधेश सिंह ,पप्पू राय, रोहित यादव ,मिंटू पासवान ,रामप्रवेश पासवान, अभय सिंह,हरिहर पासवान, राजकुमार पासवान,अमरेश सिंह, राकेश पासवान, संतोष स्वराज, रिंकु कुमारी, राजीव निराला श्रुति प्रिया सहीत अन्य कार्यकर्ता इस दुख की घड़ी में उपस्थित हुए।

विधानसभा क्षेत्र में 14 सौ से अधिक वोटरों वाले बुथ का होगा विखंडी करण

प्रात : किरण संवाददाता

बेनीपुर(दरभंगा)। विधानसभा चुनाव की शुगबुगाहट का संकेत मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी चुनाव कार्य में जुटे।राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश पर अनुमंडल पदाधिकारी के कार्यालय कक्ष में 2 अगस्त की शाम चुनाव से जुड़े सभी पदाधिकारी एवं राजनीतिक दल के कार्यकताओं के साथ बैठक आयोजित की गई।बैठक की अध्यक्षताअनुमंडल पदाधिकारी शंभू नाथ झा ने की।इस दौरान राज्य निर्वाचन आयोग से प्राप्त निर्देश के आलोक में1400 से अधिक मतदाता वाले मतदान केंद्रों को विभाजित कर अलग मतदान केंद्र निर्धारित करने का निर्णय लिया गया है ।उक्त आलोक में सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी सह सहायक निवार्ची पदाधिकारी को निर्देशित किया गया है ।जिसमें80, बेनीपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कुल 13 मतदान केंद्र है जिसमें14 सौ से अधिक मतदाता वर्तमान समय में है ।जिसमें बेनीपुर प्रखंड के मतदान केंद्र संख्या 12,20 ,36, 50, 74,87एवं बहेड़ी प्रखंड के210,211 ,231,248और बिरौल प्रखंड के257,294 एवं 297मतदान केंद्र शामिल है ।जिन्हें दो भागों में विभक्त कर अलग से एक मतदान केंद्र बनाए जाने का निर्णय लिया गया है जिसके लिए सभी सहायक निर्वाचन पदाधिकारी को प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया गया है ।साथ ही 2 किलोमीटर से अधिकतम दूरी वाले मतदान केंद्र एवं जर्जर भवन वाले मतदान केंद्रों को भी दूसरे जगह स्थान परिवर्तन करने का निर्देश दिया गया है ।जिसमें 80, बेनीपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत अनुसूचित जाति दरवाजा करहरी,हरिपुर एवं श्रीपुर जगत धेरुख का एक मतदान केंद्र शामिल है। दूसरी ओर 81 अलीनगर विधानसभा क्षेत्र में भी नौ मतदान केंद्र ऐसे हैं ।

संक्षिप्त खबरें

4 घंटे बीत जाने के बाद भी बिजली बहाल ना हो सका

घैलाढ़ (मधेपुरा) प्रखंड क्षेत्र में गुरुवार की शाम तेज आंधी व बारिश से बदहाल हुई देहात क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था 24 घंटे बीत जाने के बाद भी बहाल नहीं हो सकी है। जहां बिजली न आने से गर्मी व अंधकारमय रातों में लोगों का हाल-बेहाल हो रहा । गुरुवार शाम करीब चार बजे आई आंधी का सबसे ज्यादा असर प्रखंड क्षेत्र में खासकर बिजली विभाग में देखने को मिला। घैलाढ़ प्रखंड क्षेत्र समेत आसपास के दर्जनों गांवों में 24 घंटे से बिजली न आने से उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। घरों में लगे इन्वर्टर की बैटरी भी डाउन हो गई। बिजली न आने से ग्रामीण सुमन कुमार, अखिलेश अकेला, अजय यादव, सागर कुमार आदि ने बताया कि प्रखंड क्षेत्र में बिजली विभाग की लचर व्यवस्था से लोगों का जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। बिजली विभाग जेई अनिरुद्ध कुमार ने बताया कि अभी समय लगेगा गम्हरिया से जो लाइन अपने पावर ग्रिड को मिलता है उसी लाइन में फॉल्ट है लगे हुए हैं थोड़ा और समय लगेगा जल्द बिजली बहाल कर दी जाएगी

भतीजा के मौत पर चाचा ने दर्ज कराई प्राथमिकी

जमुई [झाझा] बुधवार की देर शाम को बाराजोर गांव के समीप सड़क दुर्घटना में युवक की हुई मौत पर उसके चाचा में झाझा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। इस संदर्भ में तेतरिया गांव के रहने वाले रवि मंडल ने बताया कि मेरा भतीजा मनीष कुमार शैलेन्द्र कुमार के साथ पिपरा गांव से अपने घर बाइक से लौट रहा था जिसके बाद बाराजोर गांव के पास अज्ञात ट्रैक्टर ने टक्कर मार दिया जिससे दोनो घायल हो गया। जिसके बाद अस्पताल लाया गया जहां से सदर अस्पताल जमुई रेफर कर दिया गया। वही सदर अस्पताल में मेरे भतीजा की मौत हो गई।

नाबालिग पुत्री के गायब पर पिता ने दर्ज कराई प्राथमिकी

जमुई [झाझा] घर से नाबालिग पुत्री के अचानक गायब होने पर पिता ने थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। अमरपुरा गांव के रहने वाले श्याम यादव ने दर्ज आवेदन में बताया कि मैं घर पर नही था और मेरी पुत्री घर पर अकेली थी। जब शाम को घर पहुंचा तो मेरी पुत्री घर पर नही थी जिसके बाद काफी खोजबीन किया लेकिन मेरी पुत्री का कुछ पता नही चल पाया। पीड़ित पिता ने पुलिस से पुत्री की सकुशल खोजबीन की गुहार लगाया है।

भूमि विवाद को लेकर एक शख्स की पीट पीट कर हत्या, मामले की तफ्तीश में जुटी पुलिस

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा में भूमि विवाद को लेकर एक सख्स की पिट पीटकर हत्या कर दिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। मामला जिले के बिहारीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत कठौतिया गांव का बताया जा रहा है। जहां मृतक विजय सिंह और सुरेंद्र पाल शिकेंद्र पाल के बीच भूमि विवाद चल रही थी, भूमि विवाद को लेकर दो दिन पूर्व सुरेंद्र पाल और सिकेंद्र पाल समेत अन्य कई लोगों मिलकर मृतक विजय सिंह को लाठी डंडे व रड से जमकर मारपीट की जिससे विजय सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया आनन फानन में परिजन समेत स्थानीय लोग पहले थाना ले गए लेकिन थाना में कोई कार्रवाई नहीं हुई गंभीर स्थिति में विजय सिंह को स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने नाजुक स्थिति देख जननायक कपूर्री ठाकुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया हालांकि इलाज के दौरान विजय सिंह की मौत हो गई। मृतक की पहचान पूर्णिया जिले के महीखंड निवासी विजय कुमार सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि गुरुवार को जेएनकेटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दरअसल विजय कुमार सिंह शादी के बाद से ही अपने ससुराल मुरलीगंज थाना क्षेत्र के कार्तिक चौक पर अपना घर बनाकर रह रहे थे। परिजनों ने बताया कि बिहारीगंज थाना क्षेत्र के कठौतिया गांव के रहने वाले उनके ड्राइवर मंदीप कुमार का पड़ोसी से जमीन विवाद चल रहा था। 31 जुलाई को विजय कुमार सिंह भूमि विवाद सुलझाने कठौतिया गये हुए थे। जहां दूसरे पक्ष के लोगों ने इनके साथ जमकर लाठी डंडे से पिट पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। लोगों ने उन्हें बिहारीगंज पीएचसी में भर्ती कराया। जहां गंभीर स्थिति को देखते हुए जेएनकेटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मामले को लेकर उदाकिशुनगंज एसडीपीओ अविनाश कुमार ने बताया कि बिहारीगंज थाना क्षेत्र के कठौतिया गांव में मारपीट में घायल विजय सिंह की इलाज के दौरान मौत हुई है। मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया है। इस मामले में अभी तक थाना को आवेदन नहीं मिला है। आवेदन मिलने पर केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कुमारी विनीता भारती ने मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल के समस्याओं को ले प्रिंसिपल को सौंपी माँग पत्र

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा राजद प्रदेश उपाध्यक्ष कुमारी विनीता भारती ने जन नायक कपूर्री ठाकुर चिकित्सा महाविद्यालय सह अस्पताल के प्रिंसिपल डॉ. दिनेश कुमार से मिलकर मेडिकल कॉलेज के मुलभुत समस्या से अवगत कराई और एक माँग पत्र सौंपी। कुमारी विनीता भारती ने कही कि की जन नायक कपूर्री ठाकुर चिकित्सा महाविद्यालय सह अस्पताल का निर्माण 800 करोड़ की राशि से इसलिए करवाया गया था की कोशी के पिछड़े इलाके व यहाँ के गरीब तपके के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल पाए मगर यह कई वर्षों बीत जाने के बाबजूद आजतक रेफरल अस्पताल बन कर रह गई है। क्योकि यहाँ के स्थानीय जन प्रतिनिधि को आज तक इस अस्पताल की न चिंता रही है न ही किसी भी अस्पताल प्रशासन को। उन्होंने प्रिंसिपल के माध्यम से यह माँग की है की केंद्र और राज्य की सरकार अविलम्ब यहाँ ईलाज की समुचित व्यवस्था करें अन्यथा मधेपुरा वासियों यहाँ आमरण - अनशन और धरना प्रदर्शन को बाध्य हो जाएगी। उन्होंने मांग की है की न्यूरो सर्जन डॉक्टर की अविलम्ब वेवस्था, कई वर्षो से बंद अल्ट्रासाउंड को चालू करवाने व जितनी भी जाँच सुविधा बंद परी है उसे चालू करवाने, विभाग में डॉक्टरों की कमी को दूर करवाने के साथ साथ करोड़ों की लागत से बैंक भवन में कई जगहों पर जर्जर की स्थिति हो चुकी है उसे दुरुस्त करवाने, मरीजों की स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए साफ - सफाई की समुचित व्यवस्था की की जाए।

वन विभाग में रेस्क्यू कर निकाला विशाल कोबरा सांप

रेस्क्यू कर कोबरा सांप पकड़ते वन विभाग की टीम

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] प्रखंड क्षेत्र के छापा गांव में एक कुंआ में जहरीला विशाल कोबरा सांप मिलने के बाद लोगों के बीच हड़कम्प मच गया। मिली जानकारी अनुसार कुंआ के पास कुछ लोग पानी लेने के लिए पहुंचा की तभी लोगों की नजर विशाल कोबरा सांप पर पड़ी जिसके बाद कुंआ पर मौजूद महिलाओं ने हो हल्ला मचाया जिसके बाद लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। लोगों ने तुरंत इस बात की सूचना वन विभाग जमुई को दिया। सूचना मिलने के बाद फोरेस्टर अनीश कुमार, वनकर्मी मनोरंजन कुमार, शिवशंकर कुमार, पंकज कुमार, बर्ड गाइड संदीप कुमार पहुंचा और लगभग 1 घण्टे से भी अधिक समय तक रेस्क्यू कर सांप को किसी तरह लोगों ने पकड़ा। सांप पकड़ने के बाद उसे नागी डैम के समीप जंगल मे सुरक्षित छोड़ा गया। विशाल कोबरा सांप देखने को लेकर स्थानीय लोगों की भीड़ कुंआ के पास जुट गई। फोरेस्टर ने बताया कि सांप को देखने के बाद ऐसा प्रतीत होता है कि यह इंडियन कोबरा सांप है जो लगभग 15 साल पुराना है।

श्रीकृष्ण गौशाला का एसडीओ ने निरीक्षण कर कमेटी, संगठन के पदाधिकारी के साथ किया बैठक

सरकारी स्तर से भी गौशाला को प्रदान किया जाएगा मदद : जमुई एसडीओ

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] जमुई एसडीओ सह श्रीकृष्ण गौशाला के अध्यक्ष अभय कुमार तिवारी गौशाला का निरीक्षण करने शनिवार को झाझा पहुंचे। इस दौरान उन्होनें गौशाला के चारदीवारी पर पेड़ गिर जाने के कारण गौशाला के चारदीवारी टूट जाने वाले स्थल का निरीक्षण किया साथ ही साथ गौशाला की वर्तमान स्थिति की भी जानकारी गौशाला कमेटी उपाध्यक्ष सुरेश यादव, कोषाध्यक्ष सौरभ गोयल से लिया। गौशाला का निरीक्षण करने के बाद एसडीओ ने चुनाव के बाद गठित कमेटी के सदस्य एवं अन्य व्यवसायी संगठन के पदाधिकारी के साथ उन्होनें बैठक किया। वही कमेटी सदस्य संजीव बंका ने एसडीओ से झाझा के जितने भी जनप्रतिनिधि, डॉक्टर, व्यवसायी आदि से संपर्क कर गौशाला में सहयोग दिलवाने की कृपा करवाने की बातो को भी रखा। एसडीओ ने बताया कि गौशाला के चुनाव के बाद गठित कमेटी के बीच यह पहली बैठक कमेटी के सदस्य सहित अन्य व्यवसायी संगठन के सदस्यों के बीच कि गई ताकि गौशाला को और बेहतर रूप से निर्माण करवाया जाए। बैठक में गौशाला को और बेहतर बनाने से जुड़ी कई बिंदुओ पर चर्चा किया गया। जिसमें एसडीओ ने शेड का निर्माण, बैंक एकाउंट में क्यूआर कोड की व्यवस्था, एक ओजी से गौशाला को जोड़ा जाएगा, गौशाला के फ्रंट पर दुकान का निर्माण करवाने, प्रेमबथान में गौशाला की 8 एकड़ भूमि के चारदीवारी की व्यवस्था सरकारी स्तर पर कराई जाने का प्रयास पर भी चर्चा किया। मौके पर अनिल बरनवाल, रंधीर माथुरी, बबलू केशरी, अनुप केशरी, अजय छापड़िया सहित अन्य कई लोग मौजूद थे। वही दूसरी ओर एसडीओ ने झाझा थाना में पहुंचकर जमीन विवाद को लेकर आयोजित किए गए जनता दरबार का भी जानकारी अंचलकर्मी से लिया।

पटना ले जाने के दौरान शिक्षक चंद्रशेखर झा ने रास्ते में तोड़ा दम

प्रात : किरण संवाददाता

पुरैनी (मधेपुरा) पुरैनी थाना क्षेत्र अंतर्गत 31 जुलाई को शीश बन्नी डायवर्सन के पास शिक्षक चंद्रशेखर झा को गोली मारकर घायल कर दिया था। शुक्रवार की रात इलाज के लिए पटना ले जाने के दौरान रास्ते में उनकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार 47 वर्षिय मृतक चंद्रशेखर झा सपरदह पंचायत के करामा वार्ड नंबर 1 का रहने वाला था। बताया गया कि शिक्षक चंद्रशेखर झा रोज की तरह 31 जुलाई को अपने घर से आलमनगर थाना क्षेत्र स्थित मध्य विद्यालय सिंहार जा रहा था। घर से लगभग डेढ़ किलोमीटर दूर एनएच 106 पर पेट्रोल पंप के पास शीश बन्नी डायवर्सन के पास बाइक सवार अपराधियों ने उन पर गोली चला दी। गोली उनके पीठ के दाहिने भाग में लगी। गोली लगने के बाद चंद्रशेखर बाइक सहित सड़क पर गिर गए। वहीं घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी घटनास्थल से फरार हो गए। गोली की आवाज सुनकर घटनास्थल पर आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों ने घायल चंद्रशेखर के परिजनों को घटना की सूचना दी और उसे इलाज के लिए पुरैनी पीएचसी में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। उनका इलाज भागलपुर के मायागंज अस्पताल में चल रहा था। शुक्रवार की शाम को हालात बिगड़ता देख उसे पटना रेफर कर दिया गया था। पटना ले जाने के दौरान रास्ते में उनकी मौत हो गई। वही इस मामले में उसके ही विधालय सिंगार के शिक्षक निरंजन कुमार भगत उर्फ बबलू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। उसके उपर 3-3 थाना में अपराधिक मामला दर्ज है।

गिद्धौर के सेवा गांव से चार शराबी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/गिद्धौर निज संवाददाता। गिद्धौर थाना क्षेत्र के सेवा गांव से गिद्धौर पुलिस ने अवैध शराब के बिक्री मामले में चार शराबी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। जानकारी के अनुसार गिद्धौर थाना पुलिस के अवर निरीक्षक राजेश्वर साह को सुनील मांझी के घर से देशी शराब बिक्री करने की सूचना मिली थी। मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए गिद्धौर पुलिस के अवर निरीक्षक द्वारा सशस्त्र बल के सहयोग से छापेमारी अभियान के दौरान देखा गया कि चार लोग पुलिस को अपने ओर आता देख भागने लगा। जिसे खदेड़कर सशस्त्र बल द्वारा पकड़ लिया गया। वहीं एक महिला अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रही। वहीं पुलिस बल द्वारा सुनील मांझी के घर की तलाशी लेने पर दो लीटर के प्लास्टिक बोतल में देशी शराब मिला। वहीं अभियान के दौरान चारों शराबी व्यक्ति को गिरफ्तार कर थाना लाया। जहां उनका चिकित्सकीय जांच करवाकर न्यायिक हिरासत में शराब के सेवन की पुष्टि होने पर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

इधर शराब मामले में गिरफ्तार व्यक्ति सेवा गांव निवासी सत्येंद्र कुमार रावत, मिथिलेश कुमार, बंटी कुमार, एवं राजो मांझी सभी गिद्धौर थाना क्षेत्र के सेवा निवासी बताए जाते हैं। सभी गिरफ्तार आरोपी को ब्रेथ एनालाइजर मशीन से जांच कर शराब की पुष्टि होने पर थानाध्यक्ष रीता कुमारी द्वारा जांचोपरांत नशे की पुष्टि होने पर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पुलिस ने खदेड़ कर दो बालू लदा ट्रैक्टर किया जब्त, प्राथमिकी दर्ज

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] बालू माफियाओं के खिलाफ पुलिस के द्वारा कि जा रही कार्रवाई के आधार पर झाझा पुलिस ने दो बालू लदे ट्रैक्टर को जब्त किया है। इस संदर्भ में बालू माफियाओं एवं जब्त ट्रैक्टर के चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कि गई है। पुलिस के द्वारा दर्ज आवेदन में बताया गया कि महापुर गांव के समीप से बालू की तस्करी कि जा रही है जिसके बाद पुलिस टीम बताए गए स्थल पर पहुंचा तो पुलिस को देखकर चालक बालू लदे ट्रैक्टर को लेकर भागने की कोशिश जिसके बाद पुलिस के द्वारा बालू लदे ट्रैक्टर को खदेड़ा गया तो चालक वाहन छोड़कर उ.म. विद्यालय समीप वाहन छोड़कर फरार हो गया। बालू तस्करी के मामले में पुलिस ने मनोज यादव, राजेश यादव, रिंकू यादव, खीरु यादव, रोहित यादव, राजेश यादव सहित जब्त ट्रैक्टर के चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कि है।

दो रंगदारी मांगने वाले अपराधी को किया गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई :- जिले के सिकंदरा बाजार से पुलिस ने रंगदारी मांगने के आरोप में दो आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सिकंदरा थाना क्षेत्र के रामरतन चौधरी पिता सुनील चौधरी एवं सोनू कुमार उर्फ बैला पिता बीरू चौधरी के रूप हुई है। गिरफ्तार आरोपी रामरतन चौधरी पर सिकंदरा थाने में सात मामला सहित नवादा के अकबरपुर, वारसलीगंज, रजौली, टाउन थाना एवं कादिरगंज थाना में अलग-अलग आपराधिक मामले दर्ज हैं। राम रतन चौधरी अपने सहयोगी सोनू कुमार उर्फ बैला के साथ मिलकर सिकंदरा बाजार के कई दुकानदारों से रंगदारी की मांग कर रहा था। राम रतन चौधरी ने सिकंदरा के एक दुकानदार से 1लाख 59 हजार का सामान लेकर कहा कि सामान दे दो नहीं तो 50 गोली मारेंगे। इस मामले में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी देते हुए एसडीपीओ जमुई सतीश सुमन ने बताया कि पुलिस को शिकायत प्राप्त हुई थी कि, रामरतन चौधरी और उसका सहयोगी सोनू कुमार उर्फ बैला के द्वारा सिकंदरा थाना क्षेत्र के विभिन्न दुकानदारों से रंगदारी की मांग की जा रही थी, साथ ही साथ जान मारने एवं हत्या करने की धमकी दी जा रही थी। जिस पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एसपी डॉक्टर शौर्य सुमन के दिशा निर्देश पर एक टीम का गठन किया। पुलिस को 2 अगस्त शुक्रवार को जानकारी मिली कि इन दोनों आरोपियों के द्वारा सिकंदरा मुख्य चौक से एक दुकानदार से रंगदारी के रूप में 50 गोली मारने की धमकी देकर 1 लाख 59 हजार का सामान मंगा जा रहा है। पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए दोनों आरोपी को सिकंदरा बाजार से गिरफ्तार कर लिया। एसडीपीओ ने बताया कि राम रतन चौधरी पर हत्या, हत्या का प्रयास आर्म्स एक्ट क्रिमिनल फेस पासिंग, रंगदारी सहित कई मामले दर्ज है। वहीं सोनू कुमार उर्फ बैला पर सिकंदरा थाने में दो मामला दर्ज है। एडीपीओ ने आगे बताया कि इन दोनों के द्वारा सिकंदरा के कई व्यवसाईयों से धमकी देकर रंगदारी की मांग की जा रही थी। पुलिस आसपास के अन्य जिलों से संपर्क कर दोनो आरोपी का आपराधिक इतिहास को खंगाल रही हैं, गिरफ्तार आरोपियों का मोबाइल जप्त कर पुलिस उसके मोबाइल को खंगाल रही है, तथा पुलिस ने आरोपियों के पास से एक पल्सर बाइक भी जप्त किया है। फिलहाल पुलिस गिरफ्तार रामरतन चौधरी के अपराधिक इतिहास को खंगालने में लगी हुई है।

मैथिली शरण गुप्त आधुनिक हिंदी साहित्य के प्रतिनिधि और राष्ट्र कवि: प्रो.गौरी शंकर

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई:-मैथिलीशरण गुप्त के 124वीं जयंती पर केकेएम कॉलेज के हिंदी विभाग के तत्वाधान में एक विचार गोष्ठी आयोजित की गई,जिसकी अध्यक्षता हिंदी के सहायक प्राध्यापक सह विभागाध्यक्ष डॉ. कैलाश पंडित ने की। मुख्य अतिथि के बतौर बोलते हुए प्राचार्य डॉ चंद्रमा सिंह ने कहा कि मैथिली शरण गुप्त एक राष्ट्र कवि थे। उनका विचार आज भी प्रासंगिक और उपादेय हैं। उनकी कविताएं स्वतंत्रता आंदोलन के समय लिखी गई थीं। उनमें राष्ट्र और देश प्रेम की भावना कूट-कूट कर भरी थीं । गुप्त जी की कविताएं लोगों को राष्ट्रीय चेतना और देश भक्ति की भावना से ओत-प्रोत करते हैं। उनकी लेखनी देश भक्ति के साथ-साथ समाज सुधार और महिला शिक्षा तथा अधिकार पर भी चली है। मुख्य वक्ता के रूप में स्नात्कोतर अर्थशास्त्र पीजी हेड डॉ. गौरी शंकर पासवान ने कहा कि मैथिली शरण गुप्त आधुनिक हिंदी साहित्य के प्रतिनिधि और राष्ट्रकवि थे। वे प्रकृति के चतुर चितेरे थे। उनका जन्म 3 अगस्त 1886 को यूपी के झांसी में हुआ था। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व ही उन्हें अमर बनाता है। साकेत और यशोधरा इनकी अमर रचना है। गुप्त जी ने अपनी कविताओं में प्रकृति के सौंदर्य और उसकी महता को उजागर किया है। पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के प्रति प्रेम को काफी महत्व दिया है। वर्तमान में जब पर्यावरण संरक्षण एक बड़ी चुनौती बन गई है। उनके विचार अत्यंत प्रासंगिक हैं। गुप्त जी की कविताएं हमारी संस्कृति और परंपराओं को समर्पित थीं। उनके विचार सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित और संवर्धित करने में सहायक हैं। उन्होंने राम और कृष्णा की समान भाव से उपासना की है। गांधी के सिद्धांतों को भी अपने कविताओं में पिरोया है। सत्याग्रह, अहिंसा, अछूतोद्धार की भावना से सिद्धांतों का निरूपण किया है। उन्होंने कहा कि मैथिलीशरण गुप्त के विचार न केवल उनके समय में बल्कि आज भी उतने ही प्रासंगिक और उपादेय हैं। उनके साहित्य और विचारों से लोगों को अनेक प्रेरणा मिलती हैं। नहुष का पतन जैसी श्रेष्ठ रचना के माध्यम से संदेश दिया है कि व्यभिचार और बुरी नजर वालों का मुंह काला होता है। उसे स्वर्ग नहीं बल्कि नर्क मिलता है। अपने अध्यक्षीय संबोधन में हिंदी के विभागाध्यक्ष डॉ कैलाश पंडित ने कहा कि हिंदी साहित्याकाश के चंद्र थे। उनके विचारों की प्रासंगिकता आज के समय में भी है। उनकी कविताएं सामाजिक सुधार के पक्षधर थी। उन्होंने जातिवाद, अंधविश्वास, और समाज में फैली कुरीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद की है। उनके विचार आज भी सामाजिक समरसता और सुधार के लिए प्रासंगिक हैं। ऐसे राष्ट्र कवियों पर हमें गर्व है जिन्होंने अपनी लेखनी से भारत का मान बढ़ाया और सिर ऊंचा उठाया। एसोसिएट प्रोफेसर डॉ देवेंद्र कुमार गोयल ने कहा कि मैथिली शरण गुप्त का व्यक्तित्व सादगी और विनम्रता का प्रतीक है। वे भारतीय संस्कृति और मान्यताओं के प्रति गहरी आस्था रखते थे। उनकी रचनाओं में भारतीय जीवन और समाज की सजीव झलक मिलती है। इसलिए स्वतंत्रता संग्राम में उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई थीं। अंग्रेजी के विभागाध्यक्ष डॉ.अनिंदो सुंदर पोले ने कहा कि गुप्त जी महान काव्यकार थे। उन्होंने यशोधरा काव्य के माध्यम से गौतम बुद्ध की पत्नी यशोधरा के त्याग और पीड़ा का मार्मिक वर्णन किया है। उनके कई विचार आज भी मान्य और ग्राहय हैं। डॉ. दीपक कुमार ने कहा कि सुमित्रानंदन पंत हिंदी के उद्भट कवि थे। अपनी रचनाओं के माध्यम से उन्होंने विदेशी पराधीनता से मुक्त कराने के लिए सोई हुई जनमानस को झकझोरने और जागने का काम किया है। कहते हैं कि साहित्यकार, लेखक काव्यकार और महान पुरुषों के विचार हमेशा प्रासंगिक और उपादेय होते हैं। हिंदी के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. श्वेता सिंह ने कहा कि राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त द्विवेदी युग के सबसे बड़े कवि थे। वे महिला शिक्षा एवं अधिकार के हिमायती थे। अपनी रचनाओं के माध्यम से नारी को सशक्त और स्वतंत्र बनाने का भी समर्थन किया है। भारत-भारती काव्य स्वतंत्रता संग्राम के प्रति गुप्त जी के विचारों का प्रतिबिंब है। उनका विचार आज भी प्रासंगिक हैं। मौके पर मौके पर प्रो. सरदार राम, डॉ उदय नारायण घोष, डॉ सत्यार्थ प्रकाश, डॉ रूपम कुमारी, डॉ लिसा तथा कार्यालय सहायक रवीश कुमार सिंह आदि कई शिक्षक व शिक्षकेतर ने भी मैथिली शरण गुप्त के व्यक्तित्व और कृतित्व पर अपने विचार व्यक्त किए।

सोनो पुलिस की कार्रवाई मे गांजा के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

सोनो जमुई : पुलिस कप्तान जमुई के निर्देश पर सोनो पुलिस के द्वारा किये गए छापामारी अभियान में मादक पदार्थ गांजा के साथ एक वयक्ति को गिरफ्तार किया गया है । गिरफ्तार वयक्ति गोविन्द सिंह चोक सोनो निवासी स्वः यर्जुन मंडल का पुत्र उमेश मंडल बताया गया है । सोनो थाना मे आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में डीएसपी राजेस कुमार झाझा ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक जमुई को मिली गुप्त सुचना के आधार पर एक टीम का गठन किया गया । गठीत टीम के द्वारा सोनो बाजार स्थित गोविन्द सिंह चोक पर एक पान की दुकान पर छापेमारी की गई , छापेमारी के दौरान तकरीबन 80 ग्राम मादक पदार्थ गांजा बरामद किया गया है । उन्होंने बताया कि बरामद गांजा को जप्त करते हुए गांजा तस्कर स्वः उमेश मंडल को गिरफ्तार कर उससे पुछताछ की जा रही है । आगे बताया गया है कि मादक पदार्थ का तस्करी करने मे कई अन्य लोगों के शामिल होने की सुचना मिली है जिसके लिए आगे की कारवाई की जा रही है । छापेमारी के लिए गठीत टीम मे सोनो थाना अध्यक्ष दिनानाथ सिंह , पुलिस अवर निरिक्षक चंद्रदेव महतो के अलावा सोनो थाना के अन्य पदाधिकारी ओर पुलिस कर्मि शामिल थे ।

जिला औकाफ कमेटी जमुई की आधिकारिक प्रथम बैठक संपन्न

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई सुन्नी वक्फ बोर्ड बिहार पटना के निर्देश के आलोक में जिला औकाफ कमेटी का गठन कर उसकी प्रथम बैठक 3 अगस्त को संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी जेएस पांडेय ने की। बैठक में समिति के सदस्य गण एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिला अंतर्गत वक्फ की जमीनों एवं कब्रिस्तान की घेराबंदी के विषय पर चर्चा की गई।

जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी जेएस पांडे ने बताया कि जमुई में वक्फ की प्रॉपर्टी काफी मात्रा में है एवं कुछ ऐसी जमीनें भी हैं जिन्हें अभी तक रिकॉर्ड में नहीं लाया जा सका है उन्हें चिन्हित कर अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी।, समिति के अध्यक्ष मो. मोतिउल्लाह ने बताया कि हमारी प्राथमिकता होगी कि मुस्लिम समाज की उन्नति के लिए औकाफ की जमीनों का सदुपयोग किया जाए।

बैठक में कुल सात बिंदुओं पर चर्चा के बाद बैठक की कार्रवाई को समाप्त किया गया। बैठक में समिति के अध्यक्ष मोहम्मद मोतिउल्लाह, उपाध्यक्ष मो. हिफजूर्रहमान, सचिव जमील अहमद, संयुक्त सचिव मो. अयूब, कोषाध्यक्ष जावेद आलम के अलावा औकाफ कमेटी के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बेसिर-पैर की तो नहीं है राहुल की आशंका

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी यदि आधी रात को अपने सोशल मीडिया अकाउंट ७ पर अपने यहां ईडी के छापे की आशंका को सार्वजनिक करें तो सवाल उठता है कि क्या वे इस कार्रवाई के लिए तैयार हैं या इस आशंका से भयभीत हैं? सदन में लगातार निडर रहो का मन्त्र जपने वाले राहुल गांधी अठारहवीं लोकसभा के सबसे मुखर सदस्य हैं। उन्होंने प्रतिपक्ष के नेता की हैसियत से सरकार की नींद हराम कर रखी है। इसलिए लगता है कि राहुल को घेरे जाने की तैयारी है, और इसकी भनक लगते ही राहुल ने देश को आगाह कर दिया। अदावत की सियासत के इस युग में किसके खिलाफ, कब, कौन सी कार्रवाई शुरू हो जाये, ये कोई नहीं जानता। राहुल तो प्रतिपक्ष के नेता हैं सत्तापक्ष के नेताओं को इस तरह की आशंकाएं लगातार सताती रहतीं है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयानों से ये आशंका लगातार झलकती है। वे निरंतर ये कहते आ रहे हैं कि वे किसी की नौकरी करने नहीं आये हैं। आखिर राहुल गांधी को और योगी आदित्यनाथ को इस तरह की बातें क्यों करना पड़ रहीं है? जग-जाहिर है कि मौजूदा निजाम ने पिछले दस साल में देश की राजनीति में भय और संदेह के ऐसे बीज बोये हैं जो अब जड़ें जमा चुके है। हर कोई एक-दूसरे को आशंका की नजर से देखता है। परस्पर विश्वास और सौहार्द को तो जैसे इस कालखंड में तिलांजलि दे दी गयी है। सत्तापक्ष के ही केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के समय-समय पर आने वाले बयान भी इसी आशंका की पुष्टि करते हैं कि सब कुछ ठीकठाक नहीं है। सत्तापक्ष ही क्यों सत्तापक्ष की जननी माने जाने वाले राष्ट्रिय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख तक सरकार पर अहंकारी होने का आरोप लगा चुके हैं। भारत की समावेशी राजनीति के लिए ये सही नहीं है। प्रतिपक्ष के नेता को सम्मान देने के बजाय उन्हें अपना मुख्य शत्रु मान बैठी सरकार सियासत को रसातल में और कितना गहरा उतारेगी, पता नहीं है। देश के प्रधानमंत्री अपने ही दल के एक सदस्य की अत्यंत अभद्र टिप्पणी को जब सराहने लगते हैं तो समझ में आ जाता है कि देश की राजनीति की दशा और दिशा क्या है? निरंतर धूमिल होते आभा मंडल से विचलित पंत प्रधान सियासत को अदावत में बदलकर न सिर्फ अपनी पार्टी के प्रति अपितु देश के प्रति एक गंभीर अपराध कर रहे हैं। उन्हें मान लेना चाहिए कि अब उनके युग का अंत सन्निकट है। प्रकृति ने उनके उत्तराधिकारी की व्यवस्था कर दी है। अब ये देशकाल और परिस्थितियों पर निर्भर करता है कि उनका उत्तराधिकारी उनकी अपनी पार्टी से जन्म लेगा या विपक्ष से। लोकसभा में ही नहीं राजयसभा में सत्तापक्ष घिरता जा रहा है। लोकसभा में कांग्रेस के चरणजीत सिंह चन्नी ने प्रधानमंत्री के खिलाफ विशेषधकार हनन का नोटिस दिया है और राज्य सभा में कांग्रेस के जयराम रमेश ने केंद्रीय गृहमंत्री माननीय अमितशाह साहब के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। जाहिर है कि दोनों ही सदनों में इस समय जो लोग पीठासीन अधिकारी हैं वे इन नोटिसों को स्वीकार करने वाले नहीं है। वे खुद डरे हुए लोग हैं। सत्ता से उपकृत लोग हैं। वे अपने आकाओं के विरुद्ध किसी कार्रवाई की इजाजत आखिर कैसे दे सकते हैं ?यदि ये नोटिस स्वीकर कर लिए जाएँ तो राज्य सभा में सरकार कि गिल्लियां उखड़ सकती हैं। आने वाले दिनों में राहुल गांधी के खिलाफ ईडी का इस्तेमाल हो या सीबीआई का इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला। पहले भी सरकारी पार्टी की और से राहुल और उनकी मां को घेरने की कोशिश की गयी थी। राहुल की तो लोकसभा सदस्यता तक छीन ली गयी थी। उनसे सरकारी बँगला खाली करा लिया गया था। एसपीजी सुरक्षा तो बहुत पहले वापस ले ली गयी थी। लेकिन राहुल को अदालत ने ही नहीं जनता की अदालत ने भी उनका अधिकार और सम्मान दिलाया । सत्रहवीं लोकसभा में उनकी छीनी गयी सदस्यता अदालत ने वापस कराई थी और अठारहवीं लोकसभा में उन्हें रायबरेली के साथ ही वायनाड की जनता ने भी चुनकर लोकसभा भेजा, जबकि प्रधानमंत्री जी अपने ही लोकसभा चुनाव में हारते-हारते बचे।

सैन्य शहादतों पर सियासत की खामोशी

नौ जून 2024 को भारत की नवनिर्वाचित हुकूमत का शपथ समारोह चल रहा था। प्रधानमंत्री के साथ नई सरकार के मरकजी वजीर हलफ उठा रहे थे। उसी दिन पाक प्रशिक्षित आतंकियों ने जम्मू के रियासी क्षेत्र में श्रद्धालुओं से भरी एक बस पर गोलीबारी करके दस अकीदतमंदों को मौत के घाट उतार दिया था। जाहिर है उस आतंकी हमले के जरिए पाक खूफिया एजेंसी आईएसआई ने हिंदोस्तान की नई हुकूमत के साथ मुल्क के पूरे सियासी निजाम को पैगाम नसर कर दिया कि जम्मू कश्मीर राज्य में आतंकवाद अभी शांत नहीं हुआ है, बल्कि दहशतगर्द व आतंक के पैरोकार भारत को दहलाने के लिए सरहद के उस पार तैयार बैठे हैं। छह जुलाई 2024 को कश्मीर के कुलगाम में सेना की स्पेशल फोर्स के दो जवान आतंकी हमले में बलिदान हो गए। आठ जुलाई 2024 को कठुआ में आतंकियों ने सेना के वाहन पर हमला कर दिया जिसमें पांच जवान वीरगति को प्राप्त हो गए। 16 जुलाई 2024 को डोडा जिला में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में राष्ट्रीय राइफल्स के एक अधिकारी सहित तीन जवानों की शहादत हो गई। गत जुलाई में जब जम्मू कश्मीर राज्य में सेना के जवान आतंकियों को जहन्नुम की परवाज पर भेजकर बलिदान हो रहे थे, उस वक्त मुल्क की सियासत देश के कई राज्यों में हो रहे उपचुनावों में मशगूल थी। सियासी रहनुमां जीत का जश्न मना रहे थे। चुनावों में जीत व शिकस्त पर आकलन चल रहा था। देश में बड़े उद्योगपतियों के शादी समारोह मीडिया चैनलों की सुर्खियां बने थे। नतीजतन देश की सुरक्षा में मुस्तैद सैनिकों की शहादतें इंतखाबी शोर में दब कर रह गईं। 24 जुलाई 2024 को कुपवाड़ा सेक्टर में आतंकियों से मुठभेड़ के दौरान राष्ट्रीय राइफल्स के शहीद जवान दिलावर खान का संबंध हिमाचल से था। मजहब के नाम पर वजूद में आए पाकिस्तान ने जम्मू कश्मीर को हथियाने के लिए चार बड़े युद्धों को अंजाम दिया। मगर भारतीय सैन्य पराक्रम के आगे पाक सेना को चारों युद्धों में जिल्लत भरी शिकस्त झेलनी पड़ी। जम्मू कश्मीर को दहलाने के लिए पाकिस्तान आतंकी मंसूबों को लगातार अंजाम दे रहा है। राष्ट्र के स्वाभिमान के लिए देश के सैनिक एक मुद्दत से अपना सर्वस्व न्योछावर कर रहे हैं। सैनिकों की शहादतों का सिलसिला बदस्तूर जारी है। मगर पाकिस्तान के प्रति भारत की क्रिकेट खेलने की दीवानगी कम नहीं हो रही। गुजिस्ता जुलाई महीने में जम्मू कश्मीर में पाक परस्त आतंकियों से लोहा लेकर देश के जवान शहीद हो रहे थे। उसी दौरान भारत के सीनियर क्रिकेटर ह्यवर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेड्सह्न में पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलने में मशगूल थे। यह कारकर्दगी पाक परस्त आतंक से लडकर शहीद हो रहे सैनिकों के बलिदान का अपमान है। सवाल यह है कि क्रिकेट बड़ा है या राष्ट्र? आतंकवाद का निर्यात करने वाले मुल्क के साथ खेल व मुजाकरात कितना मुनासिब है? देश के हुक्मरानों को विचार करना होगा। दूसरी विडंबना यह है कि लोकतंत्र के नाम पर देश पर शासन करने वाले सियासी रहनुमाओं का मुल्क के सामरिक क्षेत्र में धरातल पर कोई योगदान नहीं है और न ही जमीनी स्तर पर कोई अनुभव। इसीलिए जम्मू कश्मीर, पूर्वोत्तर सहित देश के कई राज्यों में हो रही आतंकी घटनाओं तथा पाक पोषित आतंक पर संसद में कभी चर्चा नहीं होती। बल्कि जम्हूरियत की पंचायतों के तमाम इजलास हंगामे की भेंट चढ़ जाते हैं। हजारों फीट के फराज पर मौजूद दुनिया का सबसे ऊंचा रणक्षेत्र सियाचिन ग्लेशियर व अरुणाचल तथा सिक्किम जैसे राज्यों की संवेदनशील सरहदें सियासी नजर-ए-करम को मोहताज हैं। भारत द्वारा चार युद्धों में शिकस्त झेलकर आलमी सतह पर बेआबरू हो चुके पाक सिपाहसालारों ने भारत के खिलाफ आतंक को अपने मुल्क की कौमी पॉलिसी का हिस्सा बना लिया है। पाकिस्तान की सियासी कयादत, सेना व ह्यआईएसआईह्न आतंकी रहनुमाओं की खादिम बन चुकी है। दुनिया के मोस्ट वांटेड आतंकियों के लिए सबसे महफूज पनाहगाह पाकिस्तान है। लेकिन सन् 1971 में पाकिस्तान को तकसीम करके पाक का भूगोल बदलने वाली विश्व की सर्वोत्तम भारतीय थलसेना उस तारीख को दोहराने की पूरी सलाहियत रखती है। बशर्ते चुनावी तशहीर के दौरान पाकिस्तान के टुकड़े करने वाले सियासी रहनुमां तथा जम्हूरियत की पंचायतों में जाति, मजहब व आरक्षण जैसे मुद्दों पर गर्जने वाली सियासी जमातें पाक परस्त आतंकवाद से निपटने में भी एकजुट होकर इच्छाशक्ति दिखाएं। आतंकी हमलों के एहतजाज में धरने-प्रदर्शन करना व मरकजी हुकूमत को तनकीद का निशाना बनाना या पाकिस्तान का पुतला जलाने से आतंकवाद नहीं थमेगा। जुबानी तौर पर आतंक की मजम्मत करना या पाकिस्तान को धमकी देने से दहशतगर्दी पर लगाम नहीं लगेगी। पाकिस्तान को उसी की भाषा में शिद्दत भरा जख्म-ए-जिगर देकर दर्द का एहसास कराना होगा।

भ्रष्टाचार पर कानून बनाने में लापरवाही

उन्होंने पहले आम आदमी पार्टी (आप) के खिलाफ सबूतों के साथ गंभीर आरोप लगाने और बाद में लोकसभा चुनाव लडे के लिए उसके साथ गठबंधन करने के लिए कांग्रेस पर निशाना साधा। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं बिना किसी झिझक के यह कहना चाहता हूं और देशवासियों को भी बताना चाहता हूं कि मैंने एजेंसियों को भ्रष्ट लोगों और भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की पूरी आजादी दी है। सरकार कहीं भी हस्तक्षेप नहीं करेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें (जांच एजेंसियों को) ईमानदारी के लिए ईमानदारी से काम करना चाहिए। भ्रष्टाचार में लिप्त कोई भी व्यक्ति कानून से बच नहीं पाएगा। यह मोदी की गारंटी है। विपक्षी सदस्यों के इस आरोप का जिक्र करते हुए कि सरकार जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है, प्रधानमंत्री मोदी ने दिवंगत मुलायम सिंह यादव जैसे विपक्षी नेताओं के बयानों का हवाला दिया, जिन्होंने यूपीए सरकार पर उनके खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था।

योगेन्द्र योगी
स्वतंत्र लेखक

विपक्षी दलों के नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाने वाली केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद जनप्रतिनिधियों के भ्रष्टाचार रोकने के लिए कानून बनाने में नाकाम रही है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई को लेकर याचिका को स्वीकार कर लिया है। देश की शीर्ष अदालत ने वर्ष 2018 में एक जनहित रिट याचिका पर आदेश दिया था कि चुनाव लडे वाले प्रत्याशियों के अलावा उनके परिवार के लोगों की सम्पत्ति और आय के स्त्रोतों की जानकारी देने के लिए केंद्र सरकार कायदे-कानून बनाए। करीब 6 साल बीतने के बावजूद केंद्र सरकार इस आदेश की पालना करने में विफल रही। इस पर केंद्र सरकार के खिलाफ अवमानना कार्रवाई को लेकर दायर याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है। आश्चर्य की बात यह है कि लोकसभा और चार राज्यों के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने विपक्षी दलों के नेताओं को भ्रष्टाचार को प्रमुख मुद्दा बनाया था। प्रधानमंत्री मोदी सहित अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने विपक्षी दलों पर भ्रष्टाचार को लेकर जमकर कटाक्ष किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्षी गुट को भ्रष्ट लोगों का जमावड़ा बताया था। प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा था कि विपक्षी नेता नोटों के बंडलों के साथ रंगे हाथों पकड़े जा रहे हैं। झारखंड और बंगाल में ऐसे मामले उजागर हो रहे हैं। वे दिल्ली की जनता को लूटने का कोई मौका नहीं छोड़ते। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए पीएम ने कहा कि राजनीति में बदलाव के लिए आए लोगों ने दिल्ली की जनता को धोखा दिया है। पीएम ने कहा था कि शराब घोटाला हो या नेशनल हेराल्ड घोटाला, भ्रष्टाचारियों से एक-एक पैसा वसूला जाएगा। यह मोदी की गारंटी है। जिसने भी लूट की है, उसे जनता का पैसा वापस करना होगा। हम इस पर कानूनी राय लेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी भ्रष्ट लोगों के धन का एक्सरे करेंगे। जिन्होंने लूट की है, उन्हें जेल जाना होगा। इतना ही नहीं राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करना एनडीए सरकार का एक मिशन है, न कि चुनावी लाभ का मामला। प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार और काले धन पर और अधिक कार्रवाई करने का संकल्प लेते हुए कहा कि सरकार ने जांच एजेंसियों को भ्रष्ट लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए पूरी आजादी दे दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस कार्रवाई में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने पहले आम आदमी पार्टी (आप) के खिलाफ सबूतों के साथ गंभीर आरोप लगाने और बाद में लोकसभा चुनाव लडे के लिए उसके साथ गठबंधन करने के लिए कांग्रेस पर निशाना साधा। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं बिना किसी झिझक के यह कहना चाहता हूं और देशवासियों को भी बताना चाहता हूं कि मैंने एजेंसियों को भ्रष्ट लोगों और भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की पूरी आजादी दी है। सरकार कहीं भी हस्तक्षेप नहीं करेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें (जांच एजेंसियों को) ईमानदारी के लिए ईमानदारी से काम करना चाहिए। भ्रष्टाचार में लिप्त कोई भी व्यक्ति कानून से बच नहीं पाएगा। यह मोदी की गारंटी है। विपक्षी सदस्यों के इस आरोप का जिक्र करते हुए कि सरकार जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है, प्रधानमंत्री मोदी ने दिवंगत मुलायम सिंह यादव जैसे विपक्षी नेताओं के बयानों का हवाला दिया, जिन्होंने यूपीए सरकार पर उनके खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था। उन्होंने यह भी कहा कि यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट ने भी सीबीआई को पिंजरे में बंद तोता करार दिया था। उन्होंने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसियों पर आरोप लगाए गए हैं। कहा गया है कि केंद्र सरकार जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आप शराब घोटाला करती है, आप भ्रष्टाचार करती है, आप बच्चों के लिए कक्षाएं बनाने में घोटाला करती है, आप पानी घोटाला भी करती है, कांग्रेस आप के खिलाफ शिकायत करती है। कांग्रेस आप को अदालत में घसीटती है और अगर कार्रवाई होती है तो वे मोदी को गाली देते हैं। इन आरोपों के जवाब में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के दलों का कहना था कि भाजपा जिन नेताओं पर करोड़ों के घोटाले का आरोप लगाती है, बाद में उन्हें ही अपनी पार्टी में शामिल करवा कर केस वापस ले लेती है। भाजपा के पास ऐसी वॉशिंग मशीन है, जिसमें 10 साल पुराना केस भी डालो तो आरोपी बेदाग होकर निकलता है। कांग्रेस ने विपक्ष के ऐसे 51 मामलों को गिनवाया जिन पर कार्रवाई चल रही है। इसके अलावा उन्होंने 20 केस ऐसे गिनाए, जिनमें भाजपा और उसकी सहयोगी दल के नेताओं पर केस दर्ज हैं। लेकिन वह अभी तक बचे हुए हैं और उन पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। कांग्रेस ने एनसीपी नेता प्रफुल्ल पटेल का नाम लेकर कहा था कि भाजपा ने प्रफुल्ल पटेल पर अरबों रुपए के घोटाले का आरोप लगाया था, लेकिन जब वे एनसीपी छोड़ भाजपा में शामिल हुए तब उनके सारे दाग धुल गए और वे बहुत अच्छे इनसान हो गए। उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा का भी नाम लिया और कहा कि इनकी कहानी भी सेम है। गौरतलब है कि असम के मुख्यमंत्री पर गुवाहाटी में जलापूर्ति घोटाले का आरोप लगा था। नारायण राणे के खिलाफ ईडी-सीबीआई ने कई मामले दर्ज किए। अजीत पवार पर घोटाले के आरोप में ईडी द्वारा जांच चल रही थी। कांग्रेस की तरफ से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण पर भाजपा ने आदर्श हाउसिंग सोसाइटी घोटाले का आरोप लगाया था, लेकिन भाजपा में शामिल होने के बाद इनके खिलाफ मामला आगे नहीं बढ़ा। इसके अलावा हसन मुश्रीफ और छगन भुजबल, इन दोनों पर भाजपा ने मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया था, जिसके बाद इन पर कार्रवाई भी की गई, लेकिन इनके एनसीपी से अलग हो जाने के बाद इनके खिलाफ सारी कार्रवाइयां बंद हो गईं।

गौरतलब है कि भारत भ्रष्टाचार के मामले में विश्व में बदनाम है। भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक 2023 में 180 देशों में से भारत 93वें स्थान पर रहा, जबकि वर्ष 2022 में भारत की रैंक 85 थी। यह सूचकांक विशेषज्ञों और व्यवसायियों के अनुसार, सार्वजनिक क्षेत्र में भ्रष्टाचार के कथित स्तर के आधार पर 180 देशों और क्षेत्रों को रैंक करता है।

भारत में हर तरफ भ्रष्टाचार का खुलासा एक अंतरराष्ट्रीय सर्वे में भी हो चुका है। सर्वे में शामिल कुल कंपनियों में से 80 फीसदी ने कहा है कि 2015-16 में वे भ्रष्टाचार से जुड़ी धोखाधड़ी का शिकार हुई हैं। 2013-14 में ऐसी कंपनियों की संख्या 69 फीसदी थी। सवाल यही है कि देश में जब हर तरफ भ्रष्टाचार व्याप्त हो, तब केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के जनप्रतिनिधियों सम्पत्ति और आय स्त्रोतों आदेश पर कानून बनाने में कोताही क्यों बरती है? केंद्र सरकार का यह रवैया भ्रष्टाचार के खिलाफ वादे-दावों के अंतर को बताता है। यदि ऐसा नहीं होता तो करीब 6 साल पहले दिए गए फैसले की पालना केंद्र सरकार कर चुकी होती। अब नौबत अदालत की अवमानना की आ गई है। ऐसे में केंद्र सरकार को भ्रष्टाचार को देश से जड़-मूल से उखाडे के वादों पर आत्मविश्लेष्ण करने की आवश्यकता है। यह कानून जल्द बनना चाहिए।

रोजगार को गांव तक पहुंचाने की जरूरत है...

हालांकि केंद्र और राज्य दोनों ही सरकारों की ओर से युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं . राजस्थान सरकार की ओर से मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना की शुरूआत की गई है . इसके तहत राज्य के बेरोजगार युवाओं को रोजगार शुरू करने के लिए बैंक से लोन दिया जाता है इसमें सब्सिडी भी उपलब्ध कराया जाता है . इस योजना में सरकार द्वारा व्यवसाय के आधार पर 25 लाख रुपए से लेकर 10 करोड़ रुपए तक लोन दिया जाता है . योजना के तहत उपलब्ध कराए जाने वाला लोन बैंकों के माध्यम से दिया जाता है . इसमें सरकार द्वारा सब्सिडी भी दी जाती है ताकि युवाओं को ऋण चुकता करने में कोई मानसिक दबाव न पड़े . इसके अतिरिक्त इस वर्ष के केंद्रीय बजट में भी ग्रामीण क्षेत्रों के विकास पर भी खास फोकस करते हुए रोजगार सृजन की बात की गई है . इसके लिए स्किल डेवलपमेंट से लेकर एजुकेशन लोन, अप्रेंटिसशिप के लिए इंसेंटिव, ईपीएफ में अंशदान के साथ पहली नौकरी पाने वालों के लिए सैलरी में योगदान और न्यू पेंशन सिस्टम के लिए योगदान में बढ़ोतरी जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाये गये हैं।

कृष्णा कुमारी मीणा
लेखक

मैं ने 12वीं तक विज्ञान विषय से पढ़ाई की है. फिर घर की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने के कारण रोजगार की तलाश करने लगा. लेकिन मुझे कहीं भी नौकरी नहीं मिली. जिसके बाद मुझे मार्बल फैक्ट्री में मजदूर के रूप में काम करना पड़ रहा है. रोजगार की तलाश में कहीं भी जाता था तो मायूसी ही हाथ लगती थी. इसलिए अब मैंने अपनी डिग्री के आधार पर रोजगार की तलाश छोड़ कर मजदूरी से ही जुड़ गया हूं. कम से कम इससे आमदनी तो हो रही है और मैं अपने परिवार को पालने में सक्षम तो हूं.ह्व यह कहना है 26 वर्षीय राजकंवर दौसा का, स्नातक पास राजकंवर राजस्थान के धुवालिया नाडा गांव का रहने वाला है. यह गांव अजमेर से लगभग 15 किमी दूर स्थित है. करीब 650 लोगों की आबादी वाले इस गांव में लगभग 100 घर हैं. जिनमें भील, रेगर और मुस्लिम परिवारों की संख्या अधिक है. इस गांव में रोजगार सबसे बड़ा मुद्दा है. कुछ ही परिवार ऐसे हैं जो स्थाई रूप से रोजगार से जुड़े हुए हैं. गांव के 45 वर्षीय तोलाराम बताते हैं कि उनके परिवार में 6 सदस्य हैं. जिनके भरण पोषण की जिम्मेदारी उनके कंधो पर है. जिसके लिए वह स्थानीय मार्बल फैक्ट्री में सुपरवाइजर के रूप में काम करते हैं. वह बताते हैं कि उन्होंने स्नातक तक शिक्षा प्राप्त की है और इस आधार पर कई बार सरकारी नौकरी के लिए आवेदन भी भरा. लेकिन जब नौकरी नहीं लगी तो उन्होंने मार्बल फैक्ट्री में काम करना शुरू कर दिया. तोलाराम बताते हैं कि वह आर्थिक रूप से काफी कमजोर हैं. उनके पास इतने पैसे नहीं थे कि वह कोई स्वरोजगार कर सकते थे. इसलिए उन्होंने प्राइवेट नौकरी करना ही बेहतर समझा. वह बताते हैं कि गांव के बहुत सारे युवा ऐसे हैं जो अच्छी शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं और उन्हें कोई रोजगार नहीं मिल रहा है. वह बताते हैं कि रोजगार के साथ साथ गांव में कई प्रकार की बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है. जिसका नकारात्मक प्रभाव भी गांव के विकास पर पड़ता है. गांव में आज तक पक्की सड़क नहीं बन सकी है. जिसके कारण यहां परिवहन की बहुत बड़ी समस्या आती है. गांव से शहर आने जाने के लिए किसी प्रकार का ऑटो या अन्य साधन उपलब्ध नहीं है. ऐसे में रोजगार करने वालों को भी कठिनाइयों का सामना रहता है. प्रतिदिन अजमेर शहर जाकर नौकरी अथवा मजदूरी करने वालों को प्रतिदिन गांव से डेढ़ किमी पैदल चल कर मुख्य सड़क तक पहुंचना होता है, जहां से शहर जाने के लिए गाड़ियां उपलब्ध होती हैं. वह कहते हैं कि यदि गांव में पक्की सड़क का निर्माण हो जाता तो आवागमन की सुविधा हो जाती जिससे रोजगार करने वालों को आसानी होती. स्नातक अंतिम वर्ष की छात्रा 21 वर्षीय कुसुम कहती है कि धुवालिया नाडा के अधिकतर युवा या तो प्राइवेट जॉब करते हैं या फिर बाहर जाकर मजदूरी करते हैं क्योंकि गांव में कृषि के लायक सभी के पास पर्याप्त जमीन भी नहीं है और स्वरोजगार का भी विकल्प नजर नहीं आता है. वह कहती है कि जल्द ही उसका ग्रेजुएशन पूरा होने वाला है. इस आधार पर वह पिछले कुछ महीनों से लगातार नौकरी के लिए प्रयास कर रही है. लेकिन अभी तक उसे सफलता नहीं मिली है. कुसुम कहती है कि गांव में लड़कों के साथ साथ लड़कियों की शिक्षा पर भी जोर दिया जाता है. इसलिए यहां सभी बच्चे स्कूल जाते हैं. लेकिन पढ़ लिख कर रोजगार के लिए भटकते नजर आते हैं. फिर वह या तो फैक्ट्रियों में काम करने लग जाते हैं या फिर किसी निजी संस्था में बहुत कम तनख्वाह पर काम करते हैं. वह कहती है कि गांव में स्वरोजगार के विकल्प नहीं है. इसीलिए युवा अपना रोजगार शुरू करने के स्थान पर कहीं नौकरी करते हैं. यदि सरकार और संबंधित विभाग की ओर से गांव में ही स्वरोजगार के विकल्प उपलब्ध कराये जाएं तो बहुत सारे युवा विशेषकर किशोरियों के सशक्तिकरण की दिशा में बहुत सार्थक पहल होगी. अभी गांव की लड़कियां स्वरोजगार के नाम पर कपड़े सिलाई करती हैं. लेकिन इससे उन्हें बहुत अधिक लाभ नहीं मिलता है. यदि उन्हें रोजगार से जुड़े कौशल प्रशिक्षण दिए जाएं तो वह गांव में ही रहकर आर्थिक रूप से मजबूत बन सकती हैं. एक अन्य युवा 32 वर्षीय जयराम रेगर कहते हैं कि उन्होंने कहीं नौकरी करने से बेहतर कृषि कार्य को प्राथमिकता दिया था और जमीन के छोटे टुकड़े पर खेती शुरू की थी, जो उनकी पारिवारिक जमीन है. लेकिन कभी सिंचाई तो कभी बीज या मार्केटिंग की समस्या आती थी. जिससे उन्हें काफी नुकसान उठाना पड़ रहा था. यही कारण है कि अब उन्होंने इसे छोड़ कर नौकरी करने की सोची है. हालांकि अब उन्हें रोजगार ढूंढने में काफी कठिनाई आ रही है. वह कहते हैं कि ह्यगांव में रहकर यदि स्वरोजगार का कोई माध्यम उपलब्ध हो जाए तो उनके लिए बहुत अच्छा होगा. लेकिन उन्हें नहीं पता कि इसके लिए वह क्या करें? उन्होंने बताया कि केंद्र और राजस्थान सरकार की ओर से स्वरोजगार से जुड़ी कई योजनाएं चलाई जा रही हैं. इसके लिए सरकार आर्थिक सहायता भी प्रदान करती है. लेकिन इसे कैसे प्राप्त किया जा सकता है? इसकी उन्हें कोई जानकारी नहीं है।

टीबी-मुक्त भारत बनाने हेतु भारत की प्रतिबद्धता

डॉ. मनीषा वर्मा

सबसे बड़ी जानलेवा बीमारियों में से ए, क्षयरोग (टीबी) एक संक्रामक बीमारी है जो दुनिया के हर हिस्से में पाई जाती है। यह वैश्विक चिंता का एक प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दा बना हुआ है। भारत इस बीमारी का सर्वाधिक भार वहन करने वाले देशों में से एक है। केंद्र और राज्य सरकारें सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) 2030 के तहत वैश्विक लक्ष्य से पांच साल पहले ही 2025 तक इसे समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आइए, हम इस रोग के विभिन्न पहलुओं पर गहराई से विचार करें और इस दिशा में भारत की पहल को समझें। टीबी का वैश्विक-भार टीबी माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस (ट.३) के कारण होने वाला एक संक्रामक वायुजनित रोग है। डब्ल्यूएचओ (हल्ड) का अनुमान है कि लगभग 1.8 बिलियन लोग, जो कि वैश्विक आबादी का लगभग 1/4 हिस्सा है, टीबी से संक्रमित हैं। हर साल लगभग 13 लाख बच्चे टीबी से बीमार पड़ते हैं। यह दुनिया भर में मौतों के लिए उत्तरदायी प्रमुख संक्रामक कारणों में से एक है। पिछले साल, टीबी को कोविड-19 के बाद दुनिया में किसी एक संक्रामक एजेंट से होने वाली मौतों के दूसरे प्रमुख कारण के रूप में दर्ज किया गया। यह एचआईवी/एड्स से लगभग दोगुनी मौतों का कारण रहा। 2022 में, 1.06 करोड़ लोग टीबी से संक्रमित हुए और 14 लाख लोगों की मौत हुई। टीबी के कारण प्रतिदिन 3500 मौतें होती हैं। क्षयरोग विभिन्न सामाजिक, आर्थिक तथा स्वास्थ्य-संबंधी जोखिम कारकों द्वारा गहनता से प्रभावित होता है। ये कारक हैं - कुपोषण, मधुमेह, एचआईवी संक्रमण, मद्य-सेवन से होने वाले विकार और धूम्रपान। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, 2020 में वैश्विक स्तर पर, टीबी के अनुमानित 19 लाख मामले कुपोषण के कारण, 7.4 लाख एचआईवी संक्रमण के कारण, 7.4 लाख मद्य-सेवन से उत्पन्न विकारों के कारण, 7.3 लाख धूम्रपान के कारण और 3.7 लाख मधुमेह के कारण थे। हालांकि, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर इसमें भिन्नताएं हैं। उदाहरण के लिए, झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाली शहरी आबादी में इसका विस्तार अधिक देखा गया है। विश्व के, 87% टीबी मामलों का भार उच्च संक्रमण वाले 30 देशों पर है। इनमें से, वैश्विक कुल बोझ का दो-तिहाई हिस्सा आठ देशों में पाया गया। कुल वैश्विक मामलों में भारत की 27% की बड़ी हिस्सेदारी है, जिसके बाद इंडोनेशिया (10%), चीन (7.1%), फिलीपींस (7.0%), पाकिस्तान (5.7%), नाइजीरिया (4.5%), बांग्लादेश (3.6%) और कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (3.0%) का स्थान आता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा भारत की प्रगति की सराहना विश्व स्वास्थ्य संगठन (हल्ड) की वैश्विक टीबी रिपोर्ट 2023 ने भारत को क्षयरोग-मुक्त देश बनाने की दिशा में इसकी उल्लेखनीय गतिविधियों और हस्तक्षेपों के लिए श्रेय दिया है। हल्ड ने 2015 से (2022 तक) क्षयरोग की घटनाओं में 16 प्रतिशत और इसके कारण होने वाली मृत्यु दर में 18 प्रतिशत की कमी लाने में भारत की अत्यधिक महत्त्वपूर्ण प्रगति की सराहना की है। भारत को अपनी तीव्र केस-डिटेक्शन रणनीतियों के लिए सराहना मिली है, जिनके कारण 2022 में अब तक के सबसे अधिक मामले अधिसूचित हुए ;और 24.22 लाख से अधिक टीबी मामलों की ये अधिसूचनाएं पूर्व-कोविड स्तरों को पार कर गईं। 2023 में 25.5 लाख टीबी मामलों की अधिसूचना के साथ एक रिकॉर्ड अधिसूचना दर्ज की गई। इनमें से 17.1 लाख टीबी मामले सार्वजनिक क्षेत्र में अधिसूचित किए गए, जबकि 8.4 लाख निजी क्षेत्र द्वारा अधिसूचित किए गए। कुल अधिसूचनाओं के 33% पर, यह अब तक का उच्चतम योगदान था। विभिन्न हस्तक्षेपों के माध्यम से निजी क्षेत्र के साथ केंद्रित और लक्षित जुड़ाव के परिणामस्वरूप निजी क्षेत्र की अधिसूचना में पिछले नौ वर्षों में आठ गुना से अधिक की वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, उपचार कवरेज अनुमानित टीबी मामलों के 80 प्रतिशत तक बढ़ गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 19 प्रतिशत की वृद्धि है।

संक्षिप्त खबरें

देशी बीयर को सिरसिया पुलिस ने की बरामद

चनपटिया(ए के सिंह)। शुक्रवार को सिरसिया पुलिस ने क्षेत्र के शराब धन्धेबाजों के विरुद्ध छापामारी की है।इस दौरान 10 लीटर जुलाई शराब एवं लगभग सौ बोतल किंगफिशर बियर जप्त किया है। दोनों शराब धंधेबाजों मौके से फरार हो गया है। पुलिस ने दोनों शराब धंधेबाजों को चिन्हित कर एफआईआर दर्ज किया हैं। सिरसिया थानाध्यक्ष मदन कुमार मांझी ने बताया कि लगातार दो दिन से शराब धंधेबाजों के खिलाफ छापामारी की जा रही थी। इसी क्रम में गरभुआ गांव से किंगफिशर बियर एवं दस लीटर देशी चुलाई शराब बरामद किया गया है। दोनों फरार शराब धंधेबाजों को चिन्हित कर नामजद प्राथमिकी दर्ज कि गई है। शीघ्र ही दोनों शराब धंधेबाजों को कोई गिरफ्तारी के लिए छापेमारी किया जा रहा है।

अपहरण कांड में फरार चल रहे अभियुक्त के घर पुलिस ने इश्तहार चस्पां किया

बगहा। नसीम खान क्या बगहा पुलिस जिला के नौरंगिया थाना कांड संख्या 15/24 के फरार अभियुक्त नौरंगिया निवासी महेश महतो के घर पर नौरंगिया थाना के एसआई नीतू कुमारी के नेतृत्व में फरारी का इश्तहार चस्पां किया गया है। बतादें की नौरंगिया बेलहवा निवासी देवंती देवी पति भीखू मुसहर के द्वारा उपर्युक्त फरार चल रहे थाना नौरंगिया में लिखित आवेदन देकर आरोप लगया है कि पुत्री निभा कुमारी को शादी की नीयत से अपहरण कर लिया है। आवेदन के आधार पर कांड संख्या 15/24 धारा 366 (ए) 34 दर्ज कर अग्रतर कार्यवाई की जा रही है।

बगहा का टार्जन बॉय जुगाड तकनीक से बना युवाओं का आइकन

बगहा। नसीम खान क्या बगहा के महिपुर भतैडा पंचायत के पकड़ गांव निवासी लाल बाबू यादव के पुत्र राजा यादव ने बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान से प्रेरित होकर गांव में ही फिटनेस और कुश्ती का प्रशिक्षण केंद्र स्थापित कर दिया है। राजा आर्मी की बहाली में पिछड़ने के बाद अपने पिता की विरासत को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। जहां राजा ने अपने घर में ही एक ट्रेनिंग सेंटर खोल लिया और अपने साथ-साथ क्षेत्र के युवाओं को फिटनेस एवं कुश्ती का प्रशिक्षण देने लगे। इस बदौलत आज पूरे इलाके में राजा यादव की पहचान फिटनेस बाय के रूप में की गई जा रही है। राजा यादव रस्सी के सहारे पलक झपकते ही छत पर चढ़ जाते हैं तो दो बाइकों को दोनों हाथों से एक ही जगह पर रोक देते हैं। कभी राजा यादव ट्रक के समांतर दौड़ते हुए नजर आते हैं, तो कभी कई तरह के कसरत दिखाते नजर आते हैं। यही कारण है कि कुछ लोग राजा को ह्यबगहा का टार्जन ब्वॉयह्ल के नाम से बुलाते है।बातातें चलें कि

उन्होंने अपने देसी जुगाड़ से फिटनेस के लिए उपकरण बनाए और युवाओं को प्रशिक्षित करना शुरू किया। उनके समर्पण और कड़ी मेहनत ने उन्हें युवाओं के बीच फिटनेस आइकन बना दिया है।

एक व्यक्ति के अंगदान से आठ लोगों को मिलता है नया जीवन : डॉ हरेन्द्र सिंह

प्रातः किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। सीपीएस के प्रांगण में दधीचि देहदान समिति द्वारा आयोजित एक अभूतपूर्व अंगदान जागरूकता अभियान में स्कूली बच्चों और शिक्षकों को अंगदान के महत्व से अवगत कराया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता और समिति के संरक्षक, डॉ. हरेन्द्र सिंह ने कहा, एक व्यक्ति का अंगदान आठ लोगों को नया जीवन दे सकता है। डॉ. हरेन्द्र सिंह, जो समिति के संरक्षक भी हैं, ने मानवता की इस महान मुहिम में योगदान देते हुए संपूर्ण देहदान का संकल्प लिया है। उन्होंने बताया कि उत्तक दान से 75 लोगों की जिंदगी बदली जा सकती है। मौजूदा समय में अगर ब्रेन डेड व्यक्तियों का केवल 10 प्रतिशत भी अंगदान हो सके, तो बिहार में 40 हजार लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती है, उन्होंने जोर देकर कहा। इस विशेष अवसर पर जिलाध्यक्ष संजीव चौधरी ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और कहा, जीते जी रक्तदान, मृत्यु बाद नेत्रदान, महादान है। उन्होंने सभी से इस दिशा में जागरूक होने और अन्य लोगों को भी जागरूक करने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि संस्था समय-समय पर जन जागरूकता अभियान चलाएगी।

सचिव प्रणव सिंह ने बच्चों, उनके माता-पिता और शिक्षा जगत से जुड़े लोगों के बीच अंगदान की प्रक्रिया और पात्रता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किडनी और लिवर 70 वर्ष तक, हृदय और फेफड़े 50 वर्ष तक, अग्नाशय और आंत 65 वर्ष तक, क्रोनिया और त्वचा 100 वर्ष तक, हड्डी 70 वर्ष तक, और हृदय वाल्व 50 वर्ष तक दान किए जा सकते हैं।

कार्यक्रम के अंत में स्कूल के प्रबंधक, डॉ. विकास सिंह ने दधीचि देहदान समिति के सदस्यों को विद्यालय परिवार की ओर से प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। उन्होंने विद्यालय परिवार की ओर से इस महान कार्य में निरंतर सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस आयोजन में विद्यालय के अश्विनी कुमार, फतेह बहादुर सिंह और दधीचि देहदान समिति छपरा के सदस्य किशन, प्रणव, राजेश जी, शशिशेखर, और विपिन जी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह आयोजन न केवल अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास है, बल्कि मानवता की सेवा के इस पवित्र कार्य में और भी लोगों को शामिल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नागपंचमी पर्व के मद्देनजर नौरंगिया थाना परिसर में शांति समिति की बैठक संपन्न

प्रातः किरण, संवाददाता

बगहा। नसीम खान क्या बगहा के नौरंगिया थाना में थानाध्यक्ष अजय कुमार के नेतृत्व में नागपंचमी पर्व के मद्देनजर शांति समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में शांतिपूर्ण और पूरे सद्भावना के साथ नागपंचमी पर्व मनाने की बात पर लोगों ने सहमति दिखाई। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने लोगो से आग्रह किया कि कहीं से भी किसी तरह की कोई संदिग्ध परिस्थिति या देश विरोधी गतिविधियों की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस प्रशासन को सूचित करें। इस बैठक में बेलहवा मदनपुर पंचायत के मुखिया अरविंद राम,सरपंच नंदलाल राम,बीडीसी उपेंद्र यादव,नौरंगिया दरदरी पंचायत के मुखिया सुनील चौधरी,बीडीसी छोटेलाल कुमार समेत वार्ड सदस्य हीरालाल साह,गुमास्ता संगीत महतो,सिकन्दर कुमार,दीपक कुमार,सतीश चौधरी,लालमोहन गौंड,चन्द्रशेखर बिन समेत कई गण्यमान्य लोग शामिल हुए।

विहिप की जिला इकाई की बैठक सम्पन्न

छपरा कार्यालय। विश्व हिन्दू परिषद का जिला बैठक का आयोजन स्थानीय रामबाग बैंक्वेट में किया गया । इस बैठक में मुख्य रूप से प्रांत उपाध्यक्ष श्री राजकिशोर सिंह जी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी 10,11 और 12 अगस्त को जिले में होने वाला तिन दिवसीय प्रांत कार्यकारिणी की बैठक है। बैठक को संबोधित करते हुए श्री सिंह ने कार्यकत्ताओं से संगठन के तहत आने वाले कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से चर्चा की । उन्होंने इस वर्ष संगठन के 60 वर्ष पूरे होने पर शष्ठी पूर्ति वर्ष घूम घाम से मनाने को कहा और बताया कि चूंकि संगठन की स्थापना कृष्णा अष्टमी को हुआ था । इसलिए इस वर्ष पूरे भारत में 24 अगस्त से 01 सितंबर तक संगठन द्वारा प्रखंड और पंचायत स्तर तक स्थापना दिवस भव्य रूप से मनाया जाएगा। आगे उन्होंने छपरा के कार्यकत्ताओं से जिले में होने वाले प्रांत कार्यकारिणी की बैठक के बारे विस्तार से चर्चा किए और आवश्यक निर्देश दिए । इस अवसर पर उत्तर बिहार प्रांत के कोषाध्यक्ष सह जिला अध्यक्ष सुमित कुमार ने कहा कि इस बार छपरा में प्रांत कार्यकारिणी की बैठक होना गर्व की बात है और हमलोग अपनी पूरी कोशिश करेंगे कि ये बैठक ऐतिहासिक हो। सुमित कुमार ने छपरा जिले के प्रखंड और पंचायत स्तर के कार्यकत्ताओं से अपील किया कि इस कार्यक्रम में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लें और इसे सफल बनाएं । इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष श्वेता महेश्वरी, जिला मंत्री वसंत कुमार सिंह सोनू , जिला कोषाध्यक्ष बिनोद कुमार सिंह, जिला विशेष संपर्क प्रमुख सोहन राय, जिला मठ मंदिर प्रमुख विकास भारती, सेवा प्रमुख गौतम बंसल, जिला सह संयोजक धनंजय कुमार सहित हजारों कार्यकर्ता मौजूद थे ।

आजाद होने की जंग जीत गई पश्चिम बंगाल की अमीना

- रियल लाइफ में बजरंगी भाईजान बने फेस ऑफ फ्यूचर इंडिया के मंटू

प्रातः किरण, संवाददाता

ये बेड़ियाँ, ये ताले, ये जंजीरें बाँधते है हमारे अपने लोग। आप जरा सा आजाद क्या होना चाहे की जंजीरों में जकड़ दिए जाएँगे। आपके अपनों ने कब चाहा कि आप आजाद रहें। पश्चिम बंगाल की एक लड़की लगभग एक सालों से छपरा की जेल में बंद है हाई कोर्ट ने निर्दोष करार दिया है लेकिन रिहा कराने वाला कोई नहीं है ये पश्चिम बंगाल की है बहुत ही ईमानदार लड़की है अपने घर और गांव की बहुत कुछ भूल चुकी है पिताजी अब इस दुनिया में नहीं रहे, घण्टों की बात, काउंसलिंग और प्रयास के बाद फेस ऑफ फ्यूचर इंडिया और वन स्टॉप सेंटर छपरा ने इस लड़की को जेल से रिहा करा कर इसके अपने घर वालों से आखिरकार मिला ही दिया, अपने भाइयों व परिजनों से मिलते ही अमीना की आंखों से आंसू के सैलाब उमर पड़े उधर चल के सभी कर्मी आंखों में आंसू लिए अमीना को बधाई दे रहे थे जेल अधीक्षक, उपाधीक्षक व अन्यकर्मी के साथ अमीना के परिजनों ने वन स्टॉप सेंटर के मधुबाला व फेस ऑफ फ्यूचर इंडिया के अध्यक्ष मंटू कुमार यादव को सराहनीय कार्य के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए गौरवांवित महसूस किया । विदित हो कि महिला के परिजन अपने निर्धनता के कारण अमीना खातून को ले जाने में असमर्थ थे लेकिन फेस ऑफ फ्यूचर इंडिया के अध्यक्ष मंटू कुमार यादव परिजनो का रेल टिकट आने जाने का रकम उसके परिजन को दिया फिर आज उक्त महिला अपने घर, मंडल कारा छपरा से रिहा होने के बाद अपने परिवार के साथ वापस चली गई,शुक्रवार को अपने परिजन से मिल महिला बहुत खुश थी ।

जिला पदाधिकारी ने की लोक शिकायत के 05 मामलों की सुनवाई

- बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम- 2015 का सफल क्रियान्वयन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता
- सभी पदाधिकारी इसके लिए सजग, संवेदनशील तथा सक्रिय रहें: जिला पदाधिकारी

प्रातः किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। जिलाधिकारी अमन समीर के द्वारा आज कार्यालय कक्ष से बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 के तहत द्वितीय अपील में शिकायतों की सुनवाई की गई और शिकायत का निवारण किया गया। जिला पदाधिकारी के द्वारा आज लोक शिकायत के कुल 05 मामलों की सुनवाई की गई जिसमें सभी 05 मामलों पर अंतिम रूप से आदेश पारित किया गया। जिला पदाधिकारी अमन समीर ने कहा कि लोक शिकायतों का ससमय तथा गुणवत्तापूर्ण निवारण अत्यावश्यक है। लोक प्राधिकारों को तत्परता प्रदर्शित करनी होगी। उन्होंने कहा कि बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 का सफल क्रियान्वयन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी पदाधिकारी इसके लिए सजग, संवेदनशील तथा सक्रिय रहें।

डीएम और एसपी ने किया इवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण

- पर्यावरण संरक्षण के अंतर्गत कैम्पस में लगाए गए पौधे

प्रातः किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी अमन समीर और पुलिस अधीक्षक डॉ कुमार आशीष ने शनिवार को सदर प्रखंड के निकट अवस्थित इवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया. उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार हर माह वेयरहाउस का निरीक्षण करना अनिवार्य है. संबंधित प्रतिवेदन और तस्वीरें ऑन दी स्पॉट आयोग के वेबसाइट पर पोर्टल के माध्यम से अपलोड किया जाता है. अभी वेयरहाउस में लोक सभा चुनाव की पोल्ड इवीएम संरक्षित हैं. इसलिए उसकी सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है. डीएम ने मौके पर मौजूद उप निर्वाचन पदाधिकारी जावेद एकबाल को बिजली, पानी, भवन के रख-रखाव और साफ-सफाई को नियमित करने का निदेश दिया. उन्होंने मशीनों के रख-रखाव और सुरक्षा व्यवस्था में चुनाव आयोग के एसओपी का सख्ती से अनुपालन करने, सीसीटीवी के परिचालन का निरीक्षण करते हुए उसके रिकार्डिंग का नियत समय तक बैकअप रखने का निदेश दिया. एसपी डॉ आशीष ने वेयरहाउस पर तैनात स्टैटिक फोर्स को सख्त निदेश देते हुए 24 घंटा सन्तरी ड्युटी करने और किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति को कैम्पस में प्रवेश नहीं करने देने, आगंतुक अधिकारियों और पुलिस ड्यूटी लॉगबुक का नियमित संधारण करने, प्रतिस्थापित अग्निशमन यंत्रों को अपडेट रखने का आदेश दिया. मौके पर पर्यावरण संरक्षण के तहत वेयरहाउस कैम्पस में वृक्षारोपण का आयोजन किया गया. डीएम श्री समीर ने अपने नाम का पेड़ लगाते हुए आम लोगों से हर विशेष मौके पर अधिक से अधिक पेड़ लगाने की अपील की. वहीं एसपी डॉ कुमार, डीवाई ईओ श्री एकबाल, अवर निर्वाचन पदाधिकारी एखलाक अंसारी ने भी अपने अपने नाम का वृक्ष लगाया. इस दौरान जिला अग्निशमन पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, निर्वाचन के सेक्शन पदाधिकारी विनय चौधरी कांगेस के प्रतिनिधि डॉ शंकर चौधरी समेत अन्य राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे.

नगर निगम ने नाला पर वेंडर्स द्वारा किए गए अतिक्रमण को कराया मुक्त

प्रातः किरण, संवाददाता

छपरा ' नगर निगम के शहरी क्षेत्रों में रोड एवं नाला के ऊपर वेंडर्स एवं स्थानीय लोगों द्वारा अतिक्रमण किये जाने के कारण आम जनों को असुविधा होती रही है ' नगर निगम द्वारा शहर के थाना चौक से दरोगा राय चौक तक दोनों तरफ अतिक्रमण कर रहे वेंडर्स को हटाया गया ' बता दें कि वेंडर्स को जो जगह दिया गया है, उस जगह पर नहीं लगाकर अन्य जगह को अतिक्रमण कर लिया गया है, जिसके लिए नगर आयुक्त के आदेशानुसार सभी अतिक्रमण किये वेंडर्स को हटाकर बगल मे चिन्हित जगह पर लगाने को पूर्व से कहा जा रहा है ' लेकिन अभी तक वेंडर द्वारा अन्य जगहों पर ठेला लगाकर सड़क को जाम कर दिया जा रहा है, जिससे आवागमन बाधित हो रहा है' फलस्वरूप आमजनों की असुविधा होती है,उसके लिए अतिक्रमण को हटाया जा रहा है, ताकि शहर सुंदर दिख सके' निगम के नगर आयुक्त सुमित कुमार द्वारा शहर के मुख्य मार्ग के दोनों तरफ दीवालो पर भी सुंदर पेंटिंग कराई जा रही है'

नगर आयुक्त ने शहरवासियों से अपील किया है कि जितने जगह सड़क के दोनों तरफ पेंटिंग कराई जा रही है, उसको खराब ना करें ' अगर आपके द्वारा पेंटिंग को गन्दा करते पकडे जाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी ' सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने के लिए पूर्व मे भी छापमारी की गई है,और आज फिर छापेमारी की गई है ' वहीं स्वछता पदाधिकारी संजीव मिश्रा के नेतृत्व मे अतिक्रमणकारिओं को हटाने को लेकर समय -समय पर अभियान चलाया जाता रहा है ' जबकि म्युनिसिपल चौक से दरोगा राय चौक तक शहर को सुंदर एवं हैप्पीनेस प्लेस बनाने के लिए पूर्व से जगह निर्धारित है ' दीवालो पर पेंटिंग के उपरांत हैप्पीनेस प्लेस का कार्य किया जायेगा ' आज प्लास्टिक छापमारी मे 25000 हजार राशि की वसूली की गई,और 45 किलोग्राम पलास्टिक जब्त की गई ' अतिक्रमण हटाने मे धावा दल में स्वछता पदाधिकारी संजीव कुमार मिश्रा, सुमित कुमार, नसीम, सुनील कुमार, पृथ्वी राय, अभिनव कुमार, नितेश चौहान, एवं नगर निगम के अन्य कर्मी शामिल थे '

भारत से तस्करी की 33 लाख रुपए का मोबाइल नेपाल पुलिस ने जब्त किया

बगहा। नसीम खान क्या इंडो नेपाल सीमा पर स्थित उत्तरप्रदेश के सीमाई नेपाली जिला नवलपरासी की पुलिस ने भारत से तस्करी कर लाई जा रही 33 लाख रुपये मूल्य का मोबाइल फोन को बरामद किया है।बतादें की नवलपरासी जिला मे नेपाल सशस्त्र पुलिस बल के द्वारा भारतीय सीमा से बिना भंसार के चोरी छुपे लाया जा रहा 33 लाख रूपया मूल्य का मोबाईल बरामद किया गया है। सशस्त्र पुलिस बल 26 नंबर गण नवलपरासी के सूचना अधिकारी डी एस पी यज्ञमान साउद ने बताया की नवलपरासी जिला के सरावल गांव पालिका अंतर्गत वार्ड नंबर चार बड़सार मे तैनात सशस्त्र पुलिस हरपुर गुल्म के गस्ती टोली के द्वारा शनीवार को भारतीय सीमा के तरफ से आ रही एक बिना नंबर के मोटरसाइकिल को चेक जांच के लिए रोकने का प्रयास किया गया। लेकीन सशस्त्र पुलिस को देख मोटरसाइकिल चालक अपने साथ रखा झोला तथा मोटरसाइकिल को छोड़ कर वापस भारतीय सीमा की तरफ भाग गया। हालांकि सशस्त्र पुलिस के द्वारा उस व्यक्ति को पकड़ने का काफी प्रयास किया गया। लेकीन वह भारतीय सीमा में प्रवेश कर गया। झोला की तलाशी लेने पर उसमे से आई फोन 40 पीस तथा पोको ब्रांड का मोबाइल 48 पीस बरामद किया गया। बरामद मोबाईल को सशस्त्र पुलिस बल के हेडक्वार्टर परासी लाया गया। जहां बरामद मोबाईल का कीमत 32 लाख 70 हजार रूपया आंका गया है। बरामद मोबाईल तथा मोटरसाइकिल को आवश्यक करवाई के लिए महेशपुर भंसार कार्यालय को सुपुर्द कर दिया गया है। पिछले 15 दिनो मे सशस्त्र पुलिस के द्वारा विभिन्न भारतीय सीमा क्षेत्र से लाई जा रही बिना भंसार का कपड़ा,चीनी,हार्डवेयर के समान सहित 85 लाख 51 हजार का सामान बरामद किया जा चुका है।

बाल गायक रौनक रतन ने कांवरियों का मन मोहा,मिली वाहवाही

छपरा कार्यालय। छपरा के वायरल बाल गायक रौनक रतन ने सुल्तान गंज के तारापुर खैरा में पर्यटन विभाग द्वारा श्रावणी मेला में आयोजित कावरियों के लिए विशेष कार्यक्रम में शिव भजन और अपनी सुमधुर गायकी से कावरियों का मन मोहा। बता दे कि इस बार पर्यटन विभाग के द्वारा सुल्तानगंज के समीप जिला मुंगेर रामपुर खैरा में श्रावणी मेला के अंतर्गत शिविर तथा कावरियों के मनोरंजन हेतु संस्कृतिक भक्ति मंच का आयोजन किया गया है जिसमे चर्चित और मशहूर गायक कलाकारो को प्रत्येक दिन आमंत्रित किया गया है। बीती शाम 2 अगस्त को इसी मंच से रौनक रतन के एक से एक भक्तिमय प्रस्तुति ने शिव भक्त श्रोताओं का मन मोह लिया। रौनक रतन ने भजनों के क्रम में सत्यम शिवम् सुंदरम, ऐसी सुबह न आए आए न ऐसी शाम, मशहूर भजन ऐसी लागी लगन मीरा हो गई मगन। डिमक डीमक डमरू बाजे। अपने ही पिता रत्नेश रतन के लिखे गीत आओ गजानन और भोजपूरी गीत बालम छोड़ दीं कामवां सगरी, चलीं भोला के नगरी ना जैसे पारंपरिक कजरी धुन गाकर खूब तालियां बटोरी। पर्यटन विभाग का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए रौनक रतन ने ये भी बताया कि ऐसे मंचो से हम जैसे कलाकारों को आगे बढ़ने का मौका मिलेगा।

बगहा वाल्मीकिनगर मुख्य सड़क मार्ग नौरंगिया के समीप पेड़ गिरने से घंटो सड़क जाम रहा

बगहा। नसीम खान क्या बगहा वाल्मीकिनगर मुख्य सड़क मार्ग पर नौरंगिया के हरदियाचाती के समीप शनिवार के दोपहर में पेड़ गिर गया। जिससे मुख्य मार्ग घंटो जाम रहा। इस जाम के कारण दोनों तरफ गाड़ियों की लंबी कतारें लग गई।इस कतार में पर्यटकों की गाड़ियां समेत शिव भक्तों की गाड़ियां भी फंस गई। किसी ने इसकी सूचना वन विभाग दी। वन कर्मियों ने सड़क पर गिरे पेड़ को काटकर हटाया तब कहीं जाकर आवागवन चालू हुई और लोगों ने राहत की सांस ली। बतादें की बगहा से वाल्मीकिनगर पहुंचने के किए एक मात्र सड़क मार्ग ही है जो वीटीआर जंगल के बीच से होकर गुजरता है। जहां गाहेबगाहे सड़कों पर पेड़ गिर आते हैं,जिस कारण सड़कों पर आवागमन कुछ घंटों के लिए ठहर सी जाती है।

महिलाओं का नदी तैरकर पार करना पड़ा महंगा, तीन महिला में एक कि डूबकर मौत

बगहा। नसीम खान क्या बगहा में नदी तैरकर पार करना महंगा पड़ गया। दरअसल तीन महिलाएं तैरकर गंडक नदी को पार कर रहीं थी इसी दौरान उसमें से एक महिला की डूबकर मौत हो गई। बताया जा रहा है की तीनों महिलाएं धान की सोहनी करने गंडक दियारा पार गई थी। वहां से दोपहर में खेत का काम खत्म कर लौटने लगी। इस क्रम में उन्हें कोई नाव नहीं मिला जिस कारण महिलाएं तैरकर नदी पार करने लगी। लिहाजा नदी की तेज धारा को दो महिलाएं तो तैरकर पार कर गई लेकिन उसमे से एक महिला नदी की तेज धारा को मात नहीं दे सकी और किनारे पहुंचने से पूर्व हीं वह नदी में डूब गई। तैरकर बाहर निकली महिलाओं ने स्थानीय लोगों से पूरी आपबीती सुनाई। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने डूबे हुए महिला के शव को बाहर निकाला। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल में भेज दिया है। मृत महिला की पहचान रामपुर निवासी तहसील पासवान की पत्नी ज्ञानती देवी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है की वह तैरना जानती थी यहीं वजह है की वह तैरकर नदी पार कर रही थी।

स्कूलों में शिक्षा सप्ताह का समापन इको क्लब की गतिविधि से हुआ

- छात्र छात्राओं ने उत्साहपूर्वक स्कूल परिसर में किया पौधारोपण

मशरक। नई शिक्षा नीति के तहत स्कूलों में अयोजित शिक्षा सप्ताह का समापन शनिवार को इको क्लब की पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के तहत हुआ। स्कूली छात्र छात्राओं ने कार्यक्रम के सातवे दिन पर्यावरण संरक्षण के लिए एक पेड़ सौ पुत्र समान , वृक्ष है तो जीवन है के नारे के साथ वृक्षारोपण कार्यक्रम में हिस्सा लिया। राजकीयकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मशरक , उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय छपिया , अवध उच्च विद्यालय चैनपुर चरिहारा, उच्च विद्यालय गोढना, मध्य विद्यालय पकड़ी, उच्च विद्यालय बहादुरपुर, उच्च माध्यमिक विद्यालय सिकटी , उच्च विद्यालय कुदरिया सहित सभी सरकारी एवम निजी विद्यालय में कार्यक्रम चलाया गया।इस दौरान नए सत्र के लिए स्कूलों में यूथ एवम इको क्लब का गठन हुआ जिसमे कक्षा 9 एवम 11 वी के अधिकांश छात्र छात्रा शामिल किए गए। बच्चो ने अपने घर लाए फूल एवम फलदार पौधे स्कूल परिसर में क्यारी बना लगाया और पानी दिया। पौधो की डाल पर बच्चो ने अपने साथ अपनी मां का नाम लिख एक पौधा मां के नाम का स्लोगन लिखा। विद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन उत्सव के माहौल में हुआ। जिसमे स्थानीय अभिभावक सहित गणमान्य लोगो ने उपस्थित होकर छात्र छात्राओं का हौसला बढ़ाया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय प्रधानाध्यापक , इको क्लब नोडल शिक्षक सहित सभी शिक्षक शिक्षिका सहभागी बने। कई विद्यालय में वन विभाग से प्रति पौधा दस रुपया शुल्क देकर पौधा मंगाकर लगाया गया। इको क्लब में नामित छात्र छात्राओं ने विद्यालय परिसर , घर , गांव एवम सामुदायिक स्थलो में साफ सफाई रखने , कूड़ा को कुरेदान में डालने एवम अभिभावक एवम ग्रामीणों को वृक्षारोपण करने के लिए प्रोत्साहित करने की शपथ ली।

लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत लाभुकों का 07 अगस्त तक आयुष्मान कार्ड बनाना करें सुनिश्चित : जिलाधिकारी

आयुष्मान कार्ड बनाने में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर होगी कार्रवाई

प्रातः किरण, संवाददाता

बेतिया(कुमार अभिजितम)। जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय ने कहा कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत जिन लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड किसी कारणवश नहीं बन पाया है, वैसे व्यक्तियों का आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस योजना के तहत सरकार का मुख्य उद्देश्य समाज के गरीब और कमजोर समूह को निःशुल्क, सुलभ एवं गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाती है। इस योजना के तहत आयुष्मान कार्ड प्राप्त करने के बाद गरीबी की वजह से कोई भी बेहतर चिकित्सा से वंचित नहीं रहेगा।

उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड धारकों को 5 लाख रुपये तक की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा प्राप्त होती है। इसलिए यह बेहद आवश्यक है कि जिले के वंचित सभी पात्र व्यक्तियों का आयुष्मान कार्ड ससमय बनाना जाय। अभियान के दौरान पात्र लाभार्थी अपना राशन कार्ड एवं आधार कार्ड लेकर नजदीकी जन वितरण प्रणाली केंद्र (डीलर) के पास जा कर अपना आयुष्मान कार्ड निःशुल्क बनवा सकते हैं।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को लॉगिन आईडी क्रिएट कराना है। आज शाम तक सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी अपना-अपना लॉगिन आईडी क्रिएट करा लेंगे। उन्होंने निर्देश दिया कि आयुष्मान कार्ड के लाभ सहित आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु जिन पंचायत सरकार भवन अथवा पंचायत भवन का चयन किया गया है, उसका व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाय ताकि एक भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित नहीं हो सके।

सीएससी श्ढए के को-ऑर्डिनेटर को निर्देशित दिया गया कि कर्मी संबंधित केन्द्रों पर निश्चित रूप से उपस्थित रहकर आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्धारित लक्ष्य को हर हालत में पूरा कराना सुनिश्चित करें। यदि इसमे किसी भी प्रकार की लापरवाही एवं कोताही की शिकायत प्राप्त होती है तो विधि सम्मत कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

इस अवसर पर उप विकास आयुक्त प्रतिभा रानी, अपर समाहर्ता राजीव कुमार सिंह, श्री। साथ ही सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी, पंचायत स्तर के सभी कार्यपालक सहायक सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मी वीडियो कांफ्रेंसिंग से जुड़े रहे।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा एससी आरक्षण के कोटे के भीतर कोटा देने के फैसले पर माले विधायक का विरोध

बेतिया मोहन सिंह। भाकपा माले विधायक वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता आरक्षण के कोटे के भीतर के सुप्रीम कोर्ट के हालिया किया है.उन्होंने कहा कि है कि अनुसूचित जातियों भीतर अलग-अलग श्रेणियां आंकड़ों पर आधारित हों और पर हैं, इसका मतलब है कि हमें की जरूरत है ताकि यह सटीक रूप से पता लगाया जा सके कि वे कितने वंचित हैं. जातीय जनगणना करना और फिर उसके आधार पर आरक्षण कोटा निर्धारित करना सभी हाशिए पर पड़े समूहों के लिए उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करेगा, यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण बात है जिसे अभी करने की तत्काल जरूरत है. हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले से उत्पीड़ित और वंचितों के बीच और अधिक विभाजन और प्रतिद्वंद्विता न बढ़े, जिससे ताकतवर और विशेषाधिकार प्राप्त लोगों की अपने सामाजिक और आर्थिक प्रभुत्व को बनाए रखने की फूट डालो और राज करो की रणनीति को बढ़ावा मिले.।

केन्द्रीय कमिटी सदस्य सह सिकटा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर एससी उप-वर्गीकरण पर कोटा देने फैसले पर कड़ा विरोध जाहिर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया (एससी) के लिए आरक्षण के होना ठीक है, जो वास्तविक यह दशयि कि वे कितने हाशिए विभिन्न जातियों की जनगणना करने

राष्ट्रीय दैनिक प्रात:किरण

पटना, रविवार, 04 अगस्त, 2024

संक्षिप्त खबरें

दहेज के लिए पति व ससुराल वालों पर मारपीट कर घर से बाहर निकालने का आरोप

बिक्रमगंज(रोहतास) : बहला फुसलाकर पहले पति से छुड़ाया फिर शादी किया और अब दहेज के लिए मारपीट कर घर से बाहर निकाल दिया। यह आरोप बिक्रमगंज के श्यामनगर निवासी डिम्पल देवी ने अपने दूसरे पति सिकंदर गुप्ता और ससुराल वालों पर लगाते हुए स्थानीय थाना में लिखित शिकायत की है। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है। प्राथमिकी में उक्त महिला ने अपने पति नोखा थाना क्षेत्र के निवासी सिकंदर गुप्ता पर आरोप लगाया है कि वह बहला फुसलाकर पहले पति से छुड़वा दिया। चार वर्ष से सिंदूर डालकर श्याम नगर में एक किराए के मकान में पति पत्नी की तरह साथ रहने लगा। करीब चार माह पूर्व बिक्रमगंज अनुमंडल न्यायालय में शादी का शपथपत्र बनाया और अस्कामिनी मंदिर में हिन्दू रीति रिवाज से शादी किया। शादी के एक माह बाद उसका पति दहेज में दो लाख रुपये और बुलेट बाइक की मांग को लेकर प्रताड़ित व मारपीट करने लगा।

दिनदहाड़े अपराधियों ने एयरटेल कर्मी को मारा गोली लुटा 14 लाख रुपये, कर्रवाई करते हुए तीन में दो अपराधी पकड़े

प्रात : किरण संवाददाता

शेरघाटी।दिन दहाड़े पैसा लूटने आये अपराधियो ने युवक को मारी गोली घटना शेरघाटी शहर के नई बाजार स्थित एक निजी होटल के टिकट की है जहाँ भीड़ भाड़ वाली जगह है वही से बाइक पर सवार होकर आए तीन अपराधियो ने दिनदहाड़े एयरटेल कार्यालय में घुसे और पहले कर्मी से पैसा मांगा जब देने से इनकार किया तो उसे पिटाई किया,और उसे घायल कर दिया। घायल कर्मी के पहचान शहर के बसंत बाग निवासी हरिद्वार प्रसाद के 30 वर्षीय पुत्र विभु कुमार को शनिवार को अपराधियों ने रुपए छीनने के क्रम में गोली मार दिया। एवं 14 लाख 5000 रुपए छीन लिए। और भागने के क्रम में कर्मी को पेट में बाए तरफ गोली मार दी है। जिसे प्राथमिक इलाज के लिए अनुमंडलिय अस्पताल में भर्ती किया गया स्थित को गंभीर देखते हुए जख्मी को मगध मेडिकल अस्पताल गया रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दो संदिग्ध को गिरफ्तार की है। इधर पुलिस ने सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई करते हुए रुपए से भरा बैग बरामद कर लिया है। थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि लूट के पूरा पैसा बरामद हो गया है। दो लुटेरे पकड़े गए हैं। उनकी निशानदेही पर एक अन्य लुटेरे की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। कर्मी को पेट में बाए तरफ गोली लगी है। प्राथमिक इलाज अनुमंडल अस्पताल में किए जाने के बाद जख्मी को मगध मेडिकल अस्पताल गया रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दो संदिग्ध को गिरफ्तार की है। जिसमें जलाउद्दीन मखदुमपुर सोनु गुप्ता बुनियादगंज को गिरफ्तार किया गया जबकि मुफसिल के रहने वाला बन्टी फरार है।गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। जिसके पास से लूट गए 14 लाख 5000 के अलावे एक पिस्टल भी बरामद कर लिया गया है। बकि घटना स्थल से एक पल्सर बाइक,हेलमेट,रेनकोर्ट,चप्पल आदि बरामद किया गया है, इधर आसपास के लोगों का कहना है की लगातार शेरघाटी में या तीसरी ऐसी घटना है जिससे लोगों का दहशत का माहौल बना हुआ है और पुलिस के इस गस्ती एवं कार्य शैली को लेकर लोग सवाल भी खड़े कर रहे हैं मालूम हो कि बीते सप्ताह शेरघाटी शहर के डाक बंगला स्थित एसडीओ आवास के निकट दिनदहाड़े अपराधियों ने सीएसपी संचालक से रुपए लूट लिए थे और गोलीबारी की घटना कान जाम दिया था तदोपरांत आमस के अकाउंट सीएसपी संचालक से भी लूटपाट की घटना का अंजाम दिया गया था जबकि बाइक सवार से भी लूटपाट की गई थी ऐसे कई घटना का अंजाम हो चुका है जिससे पुलिस की कुछ हाथ खाली है और कुछ अपराधी पकड़े गए हैं हालांकि पुलिस के इस कार्य शैली से वह हो रहे लगातार इस तरह की घटना से लोगों में काफी आक्रोश भी देखने को मिल रहा है पुलिस किया सबसे बड़ी उपलब्धि है कि उक्त घटना में संयुक्त तीन और अपराधियों में से दो अपराधी को गिरफ्तार कर लिया है जबकि एक अपराधी के गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। वही इस घटना का जानकारी मिलते ही शेरघाटी नगर परिषद चेयरपर्सन प्रतिनिधि पवन किशोर ने घटनास्थल पर पहुंचा और लोगों से घटना के बारे में बातचीत की उन्होंने कहा कि लगातार शहर में हो रहे इस तरह की घटना से लोगों में खौफ भरा हुआ है और पुलिस इस कार्यशैली से काफी नाराजगी है उन्होंने यह भी कहा कि शहर में लगातार कई ऐसी घटना हो चुके हैं। फिरभी अपराधी पुलिस के पकड़ से दूर है।

अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर पांच लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराई

प्रात : किरण संवाददाता

दावथ(रोहतास) : सूर्यपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम लडुई में गुप्त सुचना के आधार पर एसटीएफ के नेतृत्व में एक जांच दल का गठन कर अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर पांच लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है । सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार के द्वारा बताया गया कि मीटर बाईपास कर अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी को लेकर ददन साह पर 25 हजार 448, सतेंद्र साह पर 27 हजार 743, छठु साह पर 27 हजार 439 एवं सीमा देवी पर 26 हजार 162 रुपए दंडित राशि लगायी गयी है । उक्त सभी उपभोक्ताओं के द्वारा मीटर से पहले तार में कटिंग करके तथा बाईपास करते हुए अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा की चोरी की जा रही थी ।जिसके कारण वास्तविक मान पठन अवरुद्ध हो रहा था तथा विभाग के राजस्व की क्षति हो रही थी । आगे बताते चले कि बिना कोई विद्युत कनेक्शन लिए अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर चंद्रशेखर चौधरी पर 16 हजार 301रुपये राजस्व की क्षति लगायी गयी है । श्री चौधरी के परिसर में मीटर भी अधिष्ठापित नहीं था तथा विद्युत सम्बंधित कागजात की मांग करने पर कोई कागजात नहीं दिखाई गयी । सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज द्वारा सभी से आग्रह किया गया कि जो भी विद्युत कनेक्शन नहीं लिए हैं। वह सुविधा एप के माध्यम से विद्युत कनेक्शन ले लें तथा जो मीटर बाईपास कर विद्युत का उपभोग कर रहे हैं वह दुरुस्त कर ले । अन्यथा जांच के दौरान विद्युत चोरी पाए जाने पर विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 तहत प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी । जांच दल में एसटीएफ के सहायक विद्युत अभियंता मो. परवेज आलम, जेई बिक्रमगंज नवदीप गोयल एवं अन्य क्षेत्रीय मिस्त्री मौजूद थे ।

पत्रकार के शब्द समाज के लिए मार्गदर्शन: मंत्री

प्रात : किरण संवाददाता

सासाराम (रोहतास) : जमुहार नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स, इंडिया के राष्ट्रीय कार्य समिति का शनिवार को उद्घाटन करते हुए बिहार सरकार के श्रम संसाधन मंत्री संतोष कुमार सिंह ने कहा कि पत्रकारिता समाज का दर्पण और मार्गदर्शन है। उन्होंने पत्रकारिता के आरंभ का संदर्भ सनातन संस्कृति से देते हुए बताया कि जब हमें पत्रकारीय आदर्श की बात करनी होती है तो हम देव ऋषि नारद की ओर देखते हैं। इसलिए पत्रकार का काम नारद जी की भांति समाज को सजग और सतर्क रखना भी है। रोहतास जिले के जमुहार स्थित गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय में 03 और 04 अगस्त, 2024 को आयोजित इस राष्ट्रीय कार्य समिति में उन्होंने देशभर से आए पत्रकारों को आश्वासन देते हुए कहा कि पत्रकारों के वेतनभत्ते को लागू करने के लिए श्रम संस्थान मंत्री के रूप में उनसे जो भी संभव होगा, वह करेंगे। इस अवसर पर नेशनलिस्ट यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स बिहार की ओर से प्रकाशित स्मारिका ह्यउद्घोषह्न का विमोचन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय के कुलाधिपति गोपाल नारायण सिंह ने कहा कि पत्रकार समाज का पथप्रदर्शक होता है, यह पैसे कमाने का माध्यम नहीं होता। उन्होंने पत्रकारिता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि आज देश चौराहे पर खड़ा है, जहां विभिन्न तरीके से देश पर प्रहार हो रहा है। इसको सहने और इसका सामना करने में पत्रकारिता की बड़ी भूमिका हो सकती है। उन्होंने कहा कि भारत ही एक ऐसा देश है जहां के लोग अपनी ही संस्कृति और संस्कार को लेकर हीन भावना से ग्रस्त रहते हैं। नैतिक का भेदन करने की क्षमता सिर्फ पत्रकारिता में है, ऐसे में इसका दायित्व और भी अधिक बढ़ जाता है। उन्होंने रामराज को अवधारणा को परिभाषित करते हुए कहा कि जहां हर कोई एक दूसरे की चिंता है, ऐसी भावना हमें पत्रकारिता जगत में भी लानी चाहिए। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स, इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक मलिक ने आपातकाल के दौरान पत्रकारों पर लगाए गए प्रतिबंध और उसे दौरान एनयूजे की जीवटता की चर्चा की। उन्होंने बताया कि एनयूजे के प्रयासों से ही प्रेस काउंसिल ने स्वरूप में आया। उन्होंने श्रम न्यायालय में पीठासीन अधिकारी की नियुक्ति और वेज बोर्ड की सिफारिशें लागू करने के लिए त्रिपक्षीय समिति निर्माण की मांग की। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स, इंडिया के राष्ट्रीय महासचिव सुरेश शर्मा ने एन यू जे का सांगठनिक परिचय दिया और जनसरोकार वाली पत्रकारिता की वकालत की। नेशनलिस्ट यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स, बिहार के अध्यक्ष राकेश प्रवीर ने देश के कोने-कोने से आए पत्रकार बंधुओं का अपने संबोधन से स्वागत किया और इस राष्ट्रीय कार्य समिति की बैठक की तैयारी से अवगत कराया। गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय के प्रबंध निदेशक त्रिविक्रम नारायण सिंह ने इस आयोजन को ज्ञान का अमृत मंथन बताया। धन्यवाद ज्ञापन नेशनलिस्ट यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स, बिहार के महासचिव कृष्णकांत ओझा ने किया, वहीं मंच संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष मदन पांडेय ने किया। आगंतुक अतिथियों का स्वागत रोहतास जिला इकाई के अध्यक्ष अजीत कुमार, महासचिव विनोद कुमार तिवारी तथा कोषाध्यक्ष अमरजीत कुमार ने किया। उपाध्यक्ष मनोज सिंह, बलवीर सिंह सिंटू, राजू दुबे, सचिव रजनीकांत पांडे, धर्मेंद्र कुमार, रवि कुमार, मिथिलेश कुमार, अविनाश श्रीवास्तव, रंजन कुमार, टीपू सुल्तान, अमित कुमार, शकील, मनजीत कुमार सिंह, प्रीतम कुमार, अश्वनी पांडे, रविकांत सोनी, शशि कुमार, रंजित पाठक के अलावे कई पत्रकार उपस्थित हुए।

वर्षा पानी से सड़क मार्ग सहित हटिया बुरी तरह प्रभावित

प्रात : किरण संवाददाता

बरियारपुर (मुंगेर)। लगातार हो रही वर्षा से बरियारपुर सड़क मार्ग सहित बरियारपुर बाजार में लगने वाली हटिया बुरी तरह प्रभावित हो रही है कहीं पर भी वर्षा पानी का विकास मार्ग नहीं होने से हर जगह जल जमाव हो रहा है जिसमें पैदल चलने के साथ-साथ वाहन चालकों के लिए भी परेशानी बढ़ चुकी है एनएच मार्ग की चौड़ीकरण किए जाने के कारण सड़क के दोनों किनारे पर वर्षा पानी का जमाव हो चुका है बरियारपुर बाजार से कुमार पुर रोड में वर्षा जल का जमाव पूरी तरह हो चुका है जिसमें सड़क पर बने गड्ढे को पता कर पाना सभी को मुश्किल साबित हो रहा है सबसे बुरी स्थिति बरियारपुर बाजार हाट कि है जहां पर किसान खेतों से अपने सब्जी को लाकर बेचने के लिए बैठते हैं वहां पर वर्षा पानी का ऐसा बहाव आया कि सभी किसान के सब्जी वर्षा पानी में बहने लगे और उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा जिस तरह से सड़क के दोनों किनारे सहित हटिया में जल जमाव हो रहा है उससे बड़ा जल प्रदूषण फैलने की आशंका बढ़ चुकी है जो भयंकर बीमारी को जन्म दे सकती है इसलिए जरूरी है कि पानी विकास का रास्ता बनाया जाए।

रेलवे स्टेशन परामर्शदात्री समिति की बैठक में आरा - रांची एक्सप्रेस के ठहराव की मांग

बिक्रमगंज(रोहतास) : बिक्रमगंज रेलवे स्टेशन के स्टेशन प्रबंधक के कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को रेलवे स्टेशन परामर्शदात्री समिति की बैठक हुई। इस बैठक में यात्री सुविधा को लेकर चर्चा हुई। बैठक में रेलयात्रियों को हो रही परेशानी को लेकर यात्री शेड का अविलम्ब निर्माण करने, गाड़ी संख्या 18639 व 18640 का ठहराव बिक्रमगंज में करने की आवश्यकता पर चर्चा हुई। गाड़ी संख्या 03617 एवं 03618 आरा भभुआ पैसेंजर ट्रेन का परिचालन वाराणसी जंक्शन से शुरू करने और वाराणसी जंक्शन तक करने की चर्चा हुई। बैठक में स्टेशन प्रबंधक परमेश्वर लाल, स्टेशन परामर्शदात्री समिति के सदस्य राजेश्वर सिंह, अखिलेश पाण्डेय आदि थे।

चौसा कांड के मुजरिम जिला प्रशासन पर कठोर कार्रवाई के लिए किसान फिर संघर्ष छेड़ेगे : संयुक्त किसान मोर्चा

प्रात : किरण संवाददाता

बक्सर। विपरीत मौसम में भयानक वर्षा और तुफान के बीच बनारपुर पंचायत भवन पर हजारों-हजार किसानों का जुटान उत्साह बर्धक था। 9 अगस्त 2024 को बक्सर के किसान फिर जिला समाहर्ता को घेरेंगे। चौसा कांड के मुजरिम जिला प्रशासन पर कठोर कार्रवाई के लिए, किसान फिर संघर्ष छेड़ेंगे। बक्सर के चौसा प्रखंड अंतर्गत बनारपुर पंचायत भवन पर आयोजित किसान चौपाल को संबोधित करते हुए बिहार राज्य किसान सभा के महासचिव अशोक प्रसाद सिंह ने किसानों को ललकारते हुए कहा कि महात्मा गांधी ने 9 अगस्त 1942 को अंग्रेजो भारत छोड़ो का नारा दिया था। संयुक्त किसान मोर्चा ने फिर 9 अगस्त को कॉर्पोरेट भारत छोड़ो का नारा बुलंद करते हुए संपूर्ण भारत में संघर्ष छेड़ने का आह्वान किया है। हम चौसा के लोग इस पुनीत अवसर पर 10000 किसानों को लेकर किसानों की जमीन का वाजिब मुआवजा बनारपुर,कोचाढी और मोहनपुरवा गाँव में घुसकर हुए कातिलाना हमला,लूटपाट,तोड़फोड़ और लाठीचार्ज के गुनहगारों पर कठोर कार्रवाई की मांग के साथ किसानों को 10000 मासिक पेंशन, कर्ज मुक्ति,आवारा पशुओं पर रोक,सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली तथा समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी की मांग करेंगे। भारतीय किसान यूनियन के बिहार और झारखंड प्रभारी दिनेश कुमार ने जिला प्रशासन द्वारा किए गए झूठे मुकदमों की धज्जियाँ उड़ाते हुए दोषी जिला प्रशासन को जेल भेजने के लिए बक्सर से पटना और दिल्ली तक न्यायालय में हो रही कार्रवाई की चर्चा करते हुए 9 अगस्त को विराट प्रदर्शन की तैयारी का किसानों से आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जब तक दोषी जिला प्रशासन के लोग जेल नहीं जाएंगे और किसानों को अपना हक नहीं मिलेगा हमारी लड़ाई जारी रहेगा। किसान चौपाल की अध्यक्षता किसान नेता विजय नारायण राय ने की किसान चौपाल को अजय मिश्रा, सत्येंद्र सिंह, शिवजी सिंह, मो हदीस,शैलेश राय,जयमंगल पांडे,सिया राम यादव,अनिल तिवारी,कृष्ण कांत तिवारी,नरेंद्र तिवारी,सुरेंद्र सिंह,राजेश यादव,सरोज राय,मुखिया ममता देवी,तेतरी देवी,और बसंती देवी आदि ने संबोधित किया। इस अवसर पर किसान चौपाल के बाद एक अन्य कार्यक्रम के तहत स्थानीय सांसद माननीय सुधाकर सिंह के आगमन पर जिला प्रशासन द्वारा झूठ मुकदमा में महीनों जेल में बंद महिलाओं और पुरुषों को अंगवस्त्र देकर एवं माला पहनाकर सम्मानित किया। साथ ही नागरिक संवाद में अपनी बातों को रखते हुए उन्होंने कहा कि संसद के अंदर, संसद के बाहर सड़क पर और न्यायालय में हर जगह आपकी लड़ाई में मैं आगे बढ़कर हिस्सा लूंगा। उन्होंने किसानों के विभिन्न समस्याओं पर परिवहन मंत्री, उर्जा मंत्री, रेल मंत्री सहीत अन्य पदाधिकारियों से मिला और आवेदन देकर मांग की है। उन्होंने किसानों को उत्साहित करते हुए कहा आपको संघर्ष करना होगा। हम लड़ेंगे और जीतेंगे।

आठ करोड़ 70 लाख का चेक डैम किसानों के किसी काम का नहीं होगा

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। मुंगेर सांसद एवं केंद्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कारी घाटी लगनिया चेक डैम का शिलान्यास किसानों के खेतों की सिंचाई के लिए किया था। लेकिन जिस उद्देश्य से चेक डैम का निर्माण कराए जा रहे हैं संवेदक और इंजीनियरों की लापरवाही के कारण करोड़ों रुपए खर्च करने के बाद भी किसानों के खेत की सिंचाई नहीं हो पाएगी। काली घाटी लगनिया के किसान प्रसिद्ध यादव संजय कुमार गोविंद कुमार प्रवीण कुमार एवं सैकड़ो किसानों ने सिंचाई प्रमंडल तारापुर के द्वारा काली घाटी लगनिया चेक डैम का निर्माण कार्य किया जा रहा है। इस चेक डैम का ओवरफ्लो काफी नीचे है जिसके कारण डैम में पानी का जमाव नहीं हो पाएगा बरसात एवं झरने का पानी बिना उपयोग का बर्बाद हो जाएगा। किसानों का आरोप है कि कोई ऐसी इससे अधिक फायदा नहीं होगा इस चेक डैम को लगभग 4 फीट और ऊंचा करना चाहिए तभी इसमें पानी का जमा हो सकता है बेरिंग कोर्ट की हो रही ढलाई को लेकर किसानों ने कहा कि इसमें पूरी तरह ठेकेदार द्वारा अनियमितता बरती गई है क्योंकि बियर रिंग में अच्छे तरीके का छड़ का इस्तेमाल ढलाई में नहीं किया जा रहा है आने वाले समय में या पानी के दबाव से टूट सकता है ग्रामीणों का आरोप है कि इस चेक डैम में ठेकेदारों इंजीनियरों की मिली भगत से बहुत कमजोर चेक डैम बनाया जा रहा है और लूट खसोट की अधिकता है तारापुर सिंचाई विभाग के कार्यपालक अभियंता अनीश रंजन ने बताया कि काली घाटी लगनिया चेक डैम का जो डीपीआर बनाकर आया है उसी के आधार पर निर्माण कार्य किया जा रहा है चेक बैंक को 4 फीट ज्यादा ऊंचा करने के लिए बड़ी अधिकारियों को अवगत कराया गया है ।

लगातार पांच वर्ष तक साल में एक बार फाइलेरिया रोधी दवाएं खाने से कभी नहीं होता फाइलेरिया

प्रात : किरण संवाददाता

आरा, फाइलेरिया एक गंभीर बीमारी है। समाज के उत्थान और उन्नति के लिए फाइलेरिया मुक्त होना बहुत जरूरी है। फाइलेरिया मुक्त समाज से ही हमारा भविष्य सुरक्षित होगा। भविष्य के समृद्ध युवा पौध को तैयार करने के लिए मौजूदा बच्चों की पीढ़ी को फाइलेरिया के संक्रमण से बचाना होगा। यह समाज के शारीरिक और आर्थिक उत्थान के लिए भी बेहद जरूरी है। मालूम हो कि देश में अपंगता का दूसरा सबसे बड़ा कारण फाइलेरिया है। यह जितनी जटिल बीमारी है, उतना ही सरल इसका निदान भी। एमडीए (सर्वजन दवा सेवन) अभियान के तहत फाइलेरिया रोधी दवाओं का लगातार पांच साल इस्तेमाल और बीमारी से मुक्ति। इसके लिए हमें तत्पर रहना होगा। अपनी सहभागिता निभानी होगी। 10 अगस्त से चलने वाले सर्वजन दवा सेवन अभियान के तहत खुद भी फाइलेरिया रोधी दवा खानी है और अपने आस-पड़ोस के लोगों को भी इसके उपयोग के लिए समझाना है। स्वस्थ व्यक्ति को भी खानी है दवा : विश्व स्वास्थ्य संगठन के जोनल कोऑर्डिनेटर डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि एमडीए अभियान के दौरान दी जाने वाली फाइलेरिया रोधी दवाएं फाइलेरिया बीमारी की नहीं बल्कि इससे बचाव की दवा है। इसे हर स्वस्थ व्यक्ति को खाना चाहिए। अभियान के दौरान स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर फाइलेरिया से बचाव के लिए दवाएं लोगों तक उपलब्ध कराएंगे। दो साल से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती और गंभीर बीमारी से पीड़ित लोगों को यह दवाएं नहीं दी जाएगी। फाइलेरिया से बचाव के साथ एमडीए दवाइयों से कई दूसरे लाभ भी हैं। उन्होंने बताया कि इस रोग के संक्रमण से बचाव के लिए यह दवा सभी लोगों को खिलाई जाती है। प्रभावित क्षेत्र में रह रहे समुदाय के सभी लोगों को फाइलेरिया के संक्रमण होने का खतरा बना रहता है, इसलिए यह जरूरी है कि सभी लोग फाइलेरिया रोधी दवाइयों का सेवन करें। दीर्घकालिक दिव्यांगता के प्रमुख कारणों में से एक है फाइलेरिया :अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी सह जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. केएन सिन्हा ने बताया कि फाइलेरिया दुनिया भर में दीर्घकालिक दिव्यांगता के प्रमुख कारणों में से एक है। आमतौर पर बचपन में होने वाला यह संक्रमण लिम्फैटिक सिस्टम को नुकसान पहुंचाता है। यदि इसका इलाज न किया जाए तो इससे शारीरिक अंगों में असामान्य सूजन होती है। उन्होंने बताया कि हाथी पांव, हाइड्रोसील, स्तन व हाथों में सूजन फाइलेरिया के संक्रमण से होने वाले दुष्प्रभाव हैं। इस तरह के व्यक्तियों को भी साल में एक बार ही भारत सरकार के गाइडलाइन के आधार पर फाइलेरिया रोधी दवाएं यथा अल्बेंडाजोल व डीईसी का सेवन करना पर्याप्त है। ज्यादा दिनों तक बुखार रहे, पुरुष के जननांग में या महिलाओं के स्तन में दर्द या सूजन रहे और खुजली हो, हाथ-पैर में भी सूजन या दर्द रहे तो यह फाइलेरिया होने के लक्षण हैं। तुरंत चिकित्सक से संपर्क कर चिकित्सा शुरू कराएं।

किराना दुकानदार से लूटपाट और रंगदारी मांगे जाने का खुलासा पुलिस द्वारा अब तक नहीं किया

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। जिले के तारापुर अनुमंडल में इन दोनों लूटपाट और छिंततई की घटना में लगातार इजाफा हुआ है। अपराधियों के मानोबल काफी बढ़ गया है। थाना से महज 500 गजकी दूरी पर शुक्रवार को दिन-दहाड़े एक किराना दुकान से लूटपाट करते हुए अपराधियों ने रंगदारी मांगी और धमकी देते हुए छात्रहाड की ओर निकल गए। घटना की सूचना पर थाना अध्यक्ष अरविंद कुमार पलवल के साथ वहां पहुंचे और दुकानदार से घटना की सारी जानकारी ली। पीड़ित दुकानदार सरवन श्रवण उर्फ बबलू भगत ने पुलिस को बताया कि नशे में धूत अपराधी वहां पहुंचे और साबुन मांगा एक दो या दो पूछे जाने पर अपराधी ने कहा कि गला मैं जितना पैसा है सब दो और पिस्टल की नोक पर गले में रखें बिक्री किया सभी रूपया लूट लिय। इसके बाद अपराधी ने मोबाइल पर फोन लगाकर किसी उन अपराधी से बात कराया जो 5 लाख की रंगदारी को मांगा और कहा कि यदि नहीं देने पर अंजाम बुरा होगा की धमकी दी। इस घटना के बाद आसपास के दुकानदार दशक में है। इस संबंध में तारापुर थाना अध्यक्ष ने बताया की सीसीटीवी कैमरे से अपराधी की पहचानका प्रयास पुलिस कर रही है।

प्रखंड स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की बैठक

बिक्रमगंज(रोहतास) : स्थानीय प्रखंड कृषि कार्यालय के पास शुक्रवार को प्रखंड प्रमुख राकेश कुमार लाली की अध्यक्षता में उर्वरक निगरानी समिति की बैठक हुई। बैठक में पंचायत प्रतिनिधियों के अलावा प्रखंड क्षेत्र के थोक एवं खुदरा उर्वरक विक्रेताओं ने भाग लिया। बैठक में प्रमुख और प्रखंड कृषि पदाधिकारी वेद प्रकाश ने सभी उर्वरक विक्रेताओं को किसानों को खाद निर्धारित दर पर सुगमता से उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। साथ ही किसी तरह की लापरवाही पर कार्रवाई की बात कही। प्रखंड कृषि पदाधिकारी ने कहा कि कृषि योग्य भूमि के अनुसार उर्वरक का आवंटन प्राप्त है

सरकार के खिलाफ गजट प्रकाशित को लेकर वार्ड पार्षदों ने किया पुतला दहन

प्रात : किरण संवाददाता

आरा:आरा नगर निगम में बिहार नगर पालिका 2024 विधेयक संशोधन रखा गया था। इस बैठक में सरकार के खिलाफ जो आदेश यानी गजट प्रकाशित किया गया, उसके विरोध में प्रदर्शन किया गया, और गजट को पुनः संशोधन करने हेतू पुनः आग्रह किया गया और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और नगर विकास मंत्री नितिन नवीन का पुतला दहन किया गया एवं बिहार सरकार के तानाशाही रवैया के खिलाफ नारेबाजी भी की गई एवं गजट की कॉपी भी जलाई गई इस पर महापौर ने कहा कि :-बिहार नगर पालिका संशोधन विधेयक 2024 के प्रति प्रतिरोध दर्ज कराते हुए आपका ध्यान अधिनियम की त्रुटियों की ओर आकृष्ट कराते हुए कहना चाहूंगी कि यह संशोधन अधिनियम राज्य के सभी नगर निकायों की स्वायत्तता पर हमला है और नगर निकाय में ह्यइंस्पेक्टर राजह्न लाने की गुपचुप तैयारी है जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए शुभ नहीं है। यह अधिनियम न केवल जनता द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधियों के अधिकारों पर कुठाराघात है बल्कि लाखों करोड़ों लोगों के मताधिकार का अपमान भी है। इस अधिनियम के लागू होने से सरकार के सभी निदेशों को मनाना नगर निकाय की मजबूरी होगी। जाहिर है कि इस अधिनियम के जरिए निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को अधिकारियों की हाथों की कठपुतली और उनका रबर स्टैंप बनाने की कोशिश की जा रही है। इस अधिनियम से बेहतर तो यह होता कि नगर निकायों में प्रशासक ही नियुक्त कर दिया जाए और चुनाव प्रक्रिया को समाप्त कर दिया जाए। 2 माननीय सदस्या श्रीमती गायत्री देवी वार्ड पार्षद- 41:- मुख्य पार्षद और पार्षद आम जन के प्रतिनिधि होते हैं और नगर वासियों के प्रति सीधे तौर पर जवाबदेह भी होते हैं। किसी बैठक का कार्यवृत्त जनहित से जुड़ा मामला होता है ऐसे में यह जिम्मेवारी पदाधिकारी को सौपना चुने हुए जनप्रतिनिधि को पंगु बनाने की कवायद है। 3)माननीय सदस्य श्री जीतेन्द्र कुमार वार्ड पार्षद 21:- इस संशोधन को हम जनप्रतिनिधि काला विधेयक मानते हैं और खासकर धारा 27 (आ) (2),धारा 52(5), धारा 55,धारा 60, धारा 221 आदि को जन विरोधी और लोकतंत्र विरोधी मानते हुए इसकी वापसी की मांग करते हैं। इस संशोधन अधिनियम से जुड़ी हमारी आपत्ति है। 4) माननीय सदस्य अंकित कुमार वर्मा वार्ड पार्षद 39%&ठोस अपशिष्ट प्रबंधन किसी भी नगर निकाय का सबसे महत्वपूर्ण कार्यों में से एक होता है।इससे जुड़ी एजेंसी द्वारा प्रभावी और सफल तरीके से अपशिष्ट का निपटान हो इसके लिए एजेंसी पर नगर निगम का सीधे तौर पर नियंत्रण आवश्यक है।राज्य सरकार के हस्तक्षेप से स्थिति बेहतर नही चरमराने की आशंका है। प्रशासन चलाने में मुख्य पार्षद के पर्यवेक्षीय अधिकार को छीनकर नगरपालिका पदाधिकारी को दे दिया गया है ।मतलब निगर निकाय के प्रशासन को पदाधिकारी ही चलाएंगे । असहमति लोकतंत्र की खूबसूरती होती है ।लेकिन इस संशोधन अधिनियम से असहमति के अधिकार को छीना जा रहा है।इसका मतलब यह हुआ कि राज्य सरकार जो निर्णय लेगी उसे मानना नगर निकाय के लिए बाध्यकारी होगा ।पूर्व में ऐसी बैठकें जनसाधारण के लिए भी खुली रहती थी। इस संशोधन के बाद आम जन का यह लोकतांत्रिक अधिकार छीन जाएगा ।

र्यावरण मंत्री के अमर्यादित भाषा पर मेयर एवं डिप्टी मेयर का पुतला दहन

प्रात : किरण संवाददाता

गया।मेयर, डिप्टी मेयर एवं पूर्व डिप्टी मेयर का पुतला दहन गया शहर के टावर चौक पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने गया नगर निगम के मेयर गणेश पासवान, डिप्टी मेयर चिंता देवी एवं पूर्व डिप्टी मेयर अखौरी ओंकारनाथ उर्फ मोहन श्रीवास्तव का पुतला दहन किया है। डिप्टी मेयर चिंता देवी द्वारा गया के विधायक सह सहकारिता एवं पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉक्टर प्रेम कुमार के लिए अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करते हुए कही थी कि विधायक मिल जाएंगे तो लहरा एवं जला देंगे। इस बयान के कारण समस्त भाजपा कार्यकर्ताओं में ही नहीं बल्कि गयावासियों में भी आक्रोश व्याप्त है। भाजपाइयों ने पुतला दहन कर विरोध जताते हुए प्रशासन से कड़ी कार्रवाई करने का मांग किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि नगर निगम के मेयर, डिप्टी मेयर एवं पूर्व डिप्टी मेयर अपनी जिम्मेवारियों का ईमानदारी पूर्वक निर्वहन नहीं कर पा रहे हैं।राशि का अपव्यय किया जा रहा है,जिसका विरोध करने पर जनप्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ताओं और माननीय मंत्री तक को धमकाया जाता है। इन त्रिमूर्तियों ने जीबी रोड एवं केपी रोड में नियम के विरुद्ध जाकर निर्माण की राशि का दुरुपयोग किया है। आम जनता परेशान है। महापौर,उपमहापौर और पूर्व उपमहापौर तीनों के कानों पर जूं तक नहीं रेंगती। जीबी रोड एवं केपी रोड का जीबी रोड एवं केपी डिवाइडर एवं कालीकरण आम जनता परेशान हैं और गया मार्केट में पुरुष टायलट बंद नही हुआ। विष्णुपद में 5 करोड़ की लागत से शव जलाने की मशीन लगाई गई जिसका कोई इस्तेमाल नहीं हो रहा है। ब्रह्मसरोवर मे लाइट एवं साउंड लगने के बावजूद आज तक इस्तेमाल में नहीं आया लाखों रुपए का अपव्य हुआ शहर में प्लास्टिक के नाम पर 70 लाख रुपए का फर्जी निकासी किया गया है। पार्किंग स्थल का प्रस्ताव निगम द्वारा लिए जाने के बाद भी आज तक पार्किंग स्थल विकसित नहीं हो पाया जिससे आम जनता परेशान है। गया शहर मे प्रतिदिन जाम की समस्या पर कोई ध्यान नहीं है ब्रह्मसरोवर में डेढ़ करोड़ खर्च के बाद चालू नहीं किया गया ।गया शहर में विभिन्न स्थलों पर बनाए गए शौचालय के रखरखाव एवं सफाई में भी नगर निगम फेल है। बेसहारा पशुओं पर कोई लगाम नही और ना रखरखाव की व्यवस्था है।

हरा रंग जीवन, विकास और उर्वरता का भी प्रतीक है : पूनम सिन्हा

प्रात : किरण संवाददाता

गया। शहर के नैली रोड खटकाचक स्थित श्री शिक्षा निकेतन स्कूल में ग्रीन डे एवं फ्रूट डे समारोह का आयोजन किया गया है। इस मौके पर पूरे विद्यालय परिसर को हरे रंग के गुब्बारे एवं हरे रंग के पत्तियों से सजाया गया है। सभी बच्चे एवं शिक्षिकाओं ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए हरे रंग के परिधान डालकर विद्यालय पहुंचे हैं। इस मौके पर प्राचार्या पूनम सिन्हा ने बच्चों के साथ मिलकर विद्यालय परिसर में पौधा रोपण कर प्रकृति को बचाने का संदेश दिया। साथ ही सभी शिक्षिकाएं बच्चों ने पौधा लगाने एवं उसकी रक्षा करने का शपथ लिया। वहीं नन्हे-मुन्नों ने हरे रंग की पोशाक पहनकर और आकर्षक पौधों, पत्तियों, हरे गुब्बारों के संग्रह, खिलौनों आदि से मनमोहक दृश्य बनाकर प्रकृति का को बचाने का संदेश दिया है। इस मौके पर बच्चों ने पेंटिग के माध्यम से हरे रंग के फल, सब्जियों का दृश्य बनाया है। वहीं बच्चों को फल एवं सब्जियों को दिखाकर उसके महत्व एवं उससे प्राप्त होने वाली एनर्जी के बारे में भी बताया गया है।

डीएम वर्षा सिंह ने अरवल DRCC में शिक्षकों के काउंसलिंग कार्य की जायजा लिया

अरवल। जिला निबंधन एवं परामर्श केन्द्र अरवल में चल रहे शिक्षक सक्षमता परीक्षा-2024 में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के वेरिफिकेशन कार्य का जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह औचक निरीक्षण किया। जिले के स्थानीय निकाय शिक्षकों के लिए आयोजित सक्षमता परीक्षा उतीर्ण अभ्यर्थियों के वेरिफिकेशन का कार्य जिला निबंधन एवं परामर्श केन्द्र अरवल मे (09:00 बजे पूर्वाह्न से 04:30 बजे अपराह्न तक) से प्रारंभ है एवं प्रतिदिन कार्य समाप्ति तक आयोजित की जायेगी। जिला पदाधिकारी द्वारा त्रुटिरहित एवं शांतिपूर्ण तरीके से वेरिफिकेशन कार्य किये जाने हेतु आवश्यक निदेश मौके पर उपस्थित पदाधिकारियों को दिया गया। उतीर्ण अभ्यर्थी शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित स्लॉट के अनुसार निर्धारित स्थान एवं समय पर आकर वेरिफिकेशन करा सकते हैं। जिला पदाधिकारी द्वारा सभी पाँच काउंटरों का जायजा लिया गया। वेरिफिकेशन हेतु सभी अभ्यर्थियों की ऑनलाईन उपस्थिति / बॉयोमेट्रिक और आधार सत्यापन त्रुटिरहित तरीके से करने हेतु निदेशित किया गया। साथ ही शिक्षकों को प्रमाण पत्र के साथ आधार कार्ड और रजिस्टर्ड मोबाईल नम्बर का सत्यापन करने हेतु निदेशित किया गया।

सुनिधि अपनी गायकी में ऑटो ट्यून से करती हैं परहेज

सुनिधि चौहान बॉलीवुड में अपनी अलग स्टाइल की गायकी के लिए मशहूर हैं। उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री को एक से बढ़कर एक हिट दिए हैं। हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान सुनिधि गायकी में ऑटो-ट्यून के उपयोग के बारे खुलकर बातें करती नजर आईं। सुनिधि चौहान से जब पूछा गया कि क्या वे अपने गानों में ऑटो-ट्यून का प्रयोग करती यहीं। इस सवाल के जवाब में गायिका कहती हैं, मैं ऑटो-ट्यून का उपयोग नहीं करती हूं। चाहे मुझे 100 बार गाना पड़े, लेकिन ऑटो-ट्यून से परहेज करती हूं। सुनिधि चौहान अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, कई गायक और गायिका हैं जो ऑटो-ट्यून का प्रयोग करते हैं। ऑटो ट्यून एक ऐसा प्रभाव है जो आवाज को थोड़ा और चमका देता है। आजकल वे इसका प्रयोग हर जगह करते हैं, लेकिन मुझे इससे दिक्कत है। किसी भी तकनीक को कम और सही जगह पर इस्तेमाल किया जाए तो फायदा जरूर होता है। सुनिधि चौहान भी कहती हैं, आजकल हर गायक और गायिका इसका प्रयोग करने लगे हैं जो सही नहीं है। इसके साथ मेरी समस्या यह है कि जब इसे हर किसी की आवाज पर इस्तेमाल किया जाता है तो सभी आवाज़ें एक जैसी लगती हैं। सुनिधि कहती हैं, मैंने इसका अनुभव किया है। ऑटो ट्यून कोई खराब टेक्निक नहीं है। यदि आप तकनीक का सही तरीके से उपयोग करते हैं तो यह आपके गाने को निखारने का काम करेगी। मैं यह नहीं कह रही हूं कि सबकी आवाज एक जैसी हो जाएगी, लेकिन समानता जरूर देखने को मिलेगी।

मजबूरी में सोशल मीडिया पर हूं, लेकिन इन्फ्लुएंसर्स की तरह शरीर की नुमाइश नहीं करती हूं

रश्मि गुप्ता ने टीवी इंडस्ट्री में अपने दम पर अलग पहचान बनाई है। उनके सफर के तीन पड़ाव अहम हैं, जिसमें गोरखपुर (जन्मभूमि) और मुंबई (कर्मभूमि) के बीच लखनऊ एक ठहराव है। इस शहर ने उन्हें शिक्षित करने के साथ जिम्मेदारियों के प्रति ईमानदार बनाना सिखाया है। टीवी सीरियल गुड्डन तुमसे ना हो पाएगा, साथ निभाना साथिया-2 के बाद अब वह शो ध्रुव तारा में एक अहम किरदार निभा रही हैं।

पैसों की जरूरत, होता है ये अफसोस

ऑडिशन देने जब शुरू किए, तब लगा कि यह सही जगह है। अगर जिम्मेदारी ना होती तो शायद मैं एक बड़ा या फिर लीड रोल कर रही होती। हालांकि, जिम्मेदारियों और पैसे की जरूरत की वजह से जो रोल मिला, वो कर लिया। इंडस्ट्री का नियम है, आप जो पहले कैरेक्टर कर लेते हैं, वही आपको बार-बार मिलते हैं। मुझे भी कई नेगेटिव लीड रोल ऑफर हुए। लगता है कि लीड के लिए मुझे थोड़ा इंतजार करना था। मगर उस इंतजार के लिए वक्त नहीं था। खैर, अब सब अच्छा हो रहा है, उम्मीद है जल्द ही और अच्छा होगा।

इंफ्लुएंसर को नहीं करती हैं सपोर्ट

एक कलाकार के तौर पर आज के हिसाब से इंफ्लुएंसर कहलाना गलत नहीं, मगर मैं इंफ्लुएंसर को बिल्कुल सपोर्ट नहीं करती। हम कलाकार दिन-रात मेहनत करते हैं, एक्टिंग करते हैं, ना कि सिर्फ लिप्सिंग करके लाइक्स बटोरते हैं। आज जो रील्स बना रहे, गानों पर लिप्सिंग कर रहे अगर उनको कैमरे के सामने खड़ा कर दें तो वे एक्टिंग नहीं कर पाएंगे। कई शोज जिसमें इंफ्लुएंसर को मौका दिया गया, वो फ्लॉप भी हो गए। यह प्रोड्यूसर और चैनल के लोग नहीं समझते। उनको लगता है कि पापुलैरिटी है तो उनको ही ले लो। वे नॉन एक्टर हैं। उनको एक्टिंग नहीं आती। उनको यह नहीं पता कि डायलॉग कैसे बोले जाते हैं।

सोशल मीडिया पर रहना पड़ता है एक्टिव

आजकल रील्स गर्ल्स, न्यू इंफ्लुएंसर की वजह से कलाकारों को भी सोशल मीडिया पर सक्रिय होना पड़ रहा है। अगर ऐसा नहीं करेंगे तो नुकसान उठाएंगे। मैं खुद सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हूं, लेकिन अपने शरीर की नुमाइश नहीं करती बल्कि कर ही नहीं सकती। मैं शायरी या फिर खुद का लिखा पढ़ती हूं और ओरिजनल वॉयस पर कई मिलियन व्यूज आते हैं। फिर भी मुझे इंफ्लुएंसर कहलाना पसंद नहीं है।

मेरे रियल लाइफ की तरह हैं कैरेक्टर

मैंने इससे पहले मेन नेगेटिव किरदार निभाए हैं, लेकिन ध्रुव तारा का मेरा किरदार जिसका नाम चंद्रा है, बाकियों से बिलकुल अलग है। मुझे लगता है कि चंद्रा बिल्कुल मेरी तरह है। मैं जैसे रियल लाइफ में हूं, वह बिल्कुल वैसी ही है इसलिए मैं एक्साइटेड हूं कि पहली बार मैं खुद को स्क्रीन पर एक किरदार के रूप में पेश कर रही हूं। इस कहानी का प्लॉट 18वीं शताब्दी में है, इसलिए शुद्ध हिंदी बोलनी पड़ती है। आजकल हम मिक्स लैंग्वेज बोलते हैं। ऐसे में इस किरदार को करते वक्त मैंने स्क्रिप्ट दो से तीन बार पढ़ी, ताकि उन शब्दों का उच्चारण सही से कर सकूं। वरना, बाकी शोज में मैं एक बार ही स्क्रिप्ट पढ़कर तैयार हो जाती थी।

अमिताभ बच्चन और महेंद्र सिंह धोनी के साथ काम करके रोमांचित हैं प्रोड्यूसर सूरज सिंह मास

सूरज सिंह मास ने अपने बैनर卐सूरज सिंह मास फिल्म्स卐 की घोषणा की है। साथ ही सूरज ने रोमांचित होकर बताया कि उन्होंने बिग बी अमिताभ बच्चन, क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी और डायरेक्टर मनीष रुक्मणी शर्मा, सह निर्माता सचिन देशमुख और राजूगोपाल पोदाला के साथ निर्माता के रूप में टीवीएस ज्यूपिटर स्कूटी ब्रांड टीवीसी विज्ञापन किया है। उनके एड फिल्म में मॉडल एक्ट्रेस सीमा मीना ने भी काम किया है।

सूरज सिंह मास मुंबई में एक स्वतंत्र निर्माता हैं। वे एक प्रोड्यूसर के रूप में फिल्म जगत के महानायक अमिताभ बच्चन और महेंद्र सिंह धोनी के साथ ज्यूपिटर टीवीएस विज्ञापन शूट करके बेहद उत्साहित हैं।

सूरज सिंह मास को फिल्म, संगीत और टीवी विज्ञापनों में गहरी रुचि है।उन्होंने अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस और कास्टिंग एजेंसी 卐सूरज सिंह मास फिल्म्स卐 की स्थापना की है। यह कंपनी कई फिल्मों, विज्ञापन फिल्मों, संगीत वीडियो और लोकप्रिय स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर प्रसिद्ध श्रृंखलाओं में शामिल रही है। वित्तीय वर्ष 2018 में, सूरज सिंह मास फिल्म्स को एक माइक्रो-एंटरप्राइज के रूप में वर्गीकृत किया गया था, जो मुख्य रूप से फोटोग्राफिक फिल्म प्रसंस्करण में लगी हुई थी।

वर्तमान में, यह कंपनी संयुक्त राज्य अमेरिका में एक उच्च-बजट वाली हिंदी फिल्म का निर्माण कर रही है। सूरज सिंह मास फिल्म्स रचनात्मकता को तकनीकी विशेषज्ञता के साथ मिलाने का प्रयास करती है, जिसका लक्ष्य भारतीय फिल्म उद्योग में एक महत्वपूर्ण पहचान बनाना है। गुणवत्ता और नवाचार के प्रति समर्पण के साथ, सूरज सिंह मास सम्मोहक कहानी और प्रभावशाली कंटेंट के माध्यम से अपने दृष्टिकोण को आकार देने में विश्वास रखता है। सूरज सिंह मास ने बिजनेसमैन डॉ निकेश ताराचंद जैन माधानी का विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापित किया है।

आने वाले दिनों में इन पांच बड़े अभिनेताओं के साथ परदे पर दिखेंगी रश्मिका

रश्मिका मंदाना आने वाले दिनों में इंडस्ट्री के कई बड़े अभिनेताओं के साथ दिखने वाली हैं और उनके प्रशंसक उन सभी फिल्मों को देखने का इंतजार कर रहे हैं। रश्मिका मंदाना और विक्की कौशल की जोड़ी को परदे पर देखने के लिए दर्शक काफी उस्सुक हैं, दोनों छावां फिल्म में एक साथ काम करते नजर आएंगे। पुष्पा में रश्मिका मंदाना और अल्लू अर्जुन की जोड़ी देखने को मिली थी, अब इसके दूसरे भाग यानी पुष्पा 2 में भी दोनों साथ-साथ दिखाई देंगे। फिल्म 06 दिसंबर, 2024 को रिलीज होगी, हालांकि, इस पर अभी भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। रश्मिका मंदाना बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के साथ सिकंदर फिल्म में अभिनय करती नजर आएंगी। फिल्म अगले साल ईद के मौके पर रिलीज होगी। एनिमल के बाद एक बार फिर से इसके सीक्वल एनिमल पार्क में रश्मिका मंदाना और रणबीर कपूर दिखने वाले हैं। कुबेरा फिल्म में रश्मिका और धनुष की जोड़ी देखने को मिलेगी, इसका निर्देशन शेखर कमुला कर रहे हैं।

बिग बॉस में बतौर होस्ट अनिल कपूर ने साझा किए दिलचस्प अनुभव

रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी 3 का सफर आज पूरा हो रहा है। आज शो का ग्रैंड फिनाले है, जिसमें विजेता का एलान होगा। इस बार का शो अनिल कपूर ने होस्ट किया है। यह बतौर होस्ट भी उनका डेब्यू है। अनिल कपूर ने इस शो से जुड़ने का अपना अनुभव साझा किया है। उन्होंने इसे शानदार और कभी न भूल पाने वाली यात्रा बताया है। अनिल कपूर का कहना है कि इस शो से जुड़ना उनके लिए निजी तरक्की जैसी है। बिग बॉस ओटीटी 3 के ग्रैंड फिनाले के प्रीमियर के लिए सिर्फ चंद घड़ियां और बाकी हैं। सब तैयारियां हो चुकी हैं। यह शो आज रात 9 बजे जियोसिनेमा प्रीमियम पर लाइव स्ट्रीम होगा। बिग बॉस ओटीटी का तीसरा सीजन काफी रोमांचक रहा है। सभी प्रतिभागियों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है तो दूसरी तरफ शो में ड्रामा भी खूब देखने को मिला है। अब जब शो का सीजन समाप्त होने की कगार पर है तो होस्ट अनिल कपूर ने बिग बॉस के अपने सफर के बारे में बात की है। अनिल कपूर ने कहा, बिग बॉस ओटीटी 3 ने मेरे अंदर मौजूद एक बच्चे और एक पिता को बाहर निकाला है! मैं यहां हंसा हूं, मैं सख्त भी रहा हूं, मैंने खुशी और गुस्सा दोनों महसूस किया है। इन सभी चीजों के जरिए मैंने महूसस किया है कि प्रतिभागियों के साथ-साथ यह मेरी भी निजी तरक्की है। अनिल कपूर ने आगे कहा, प्रतिभागियों को तमाम चुनौतियों से गुजरते हुए आगे बढ़ते देखना बेहद शानदार अनुभव रहा है। जैसे-जैसे हम ग्रैंड फिनाले के करीब पहुंच रहे हैं, मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि ट्रॉफी कौन घर ले जाता है। यह सीजन वास्तव में हम सभी के लिए एक कभी न भूलने वाली यात्रा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि रणवीर शौरी, कृतिका मलिक और साई केतन को भी शो से बाहर कर दिया गया है। हालांकि, इसकी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है। लेकिन, खबर सच है तो मुकाबला अब सना मकबूल और नेजी के बीच होगा।

वेतन समानता पर तब्बू ने साझा किए अपने विचार

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री तब्बू इन दिनों अपनी फिल्म 'औरों में कहां दम था' के प्रचार प्रसार में व्यस्त हैं। इस फिल्म में उनके साथ अजय देवगन भी नजर आएंगे। उनकी यह फिल्म रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार है। निर्देशक नीरज पांडे के साथ फिल्म प्रचार के दौरान अभिनेत्री ने बॉलीवुड में वेतन समानता के महत्वपूर्ण मुद्दे पर अपने विचारों को खुलकर साझा किया।

वेतन समानता पर अपना रुख किया साफ

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक साक्षात्कार में अभिनेत्री तब्बू ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारतीय फिल्म उद्योग में पुरुष और महिलाओं के वेतन अंतर को लेकर महिलाओं से अक्सर सवाल पूछे जाते हैं। बातचीत में उन्होंने कहा, 'हर मीडियाकर्मी महिलाओं से वेतन समानता के बारे में पूछेगा। वह कहेंगे कि एक पुरुष को अधिक भुगतान किया जाता है और आपको कम भुगतान किया जाता है।' अभिनेत्री ने आगे कहा, आप मुझसे क्यों पूछ रहे हैं? आप उस व्यक्ति से क्यों नहीं पूछते जो उन्हें अधिक भुगतान कर रहा है।'

वेतन समानता पर पुरुषों से भी होना चाहिए सवाल

अभिनेत्री को लगता है कि लोग इस मुद्दे को सनसनीखेज बनाने की कोशिश करते हैं और वह बस इतना ही कह सकती हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे नफरत है कि मुझे कम भुगतान किया जा रहा है' या 'मुझे जो भुगतान किया जा रहा है, उससे मैं खुश हूं।' उन्होंने आगे कहा, आप पुरुष अभिनेता से क्यों नहीं पूछते कि आपको अधिक भुगतान क्यों मिल रहा है? इससे नजरिया बदल सकता है और अगर कोई बाहरी नजरिया होगा तो पूरी बात बदल जाएगी। शारीरिकता हमेशा उस नजरिए के बारे में होती है, जिसे दिखाया जा रहा है।' तब्बू का मानना है कि वेतन असमानता के बारे में बातचीत एक अधिक न्यायसंगत उद्योग को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है और इसे सही लोगों तक पहुंचाया जाना चाहिए।

ओटीटी पर डेब्यू करने जा रहे हैं समर्थ जुरेल

टीवी अभिनेता समर्थ जुरेल के प्रशंसकों के लिए एक बड़ी खबर सामने आ रही है। समर्थ जल्द ही ओटीटी पर अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। यह एक एक्शन थ्रिलर वेब सीरीज होने वाली है, जिसे इसी साल रिलीज करने की योजना बनाई जा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, समर्थ जुरेल जिस वेब सीरीज में अभिनय करते दिखेंगे, उसका नाम चंगेज है। इसका निर्देशन जजविंदर सोढ़ी द्वारा किया जा रहा है। इसकी कहानी एक गैंगस्टर पर आधारित है। कहा जा रहा है कि समर्थ राजस्थानी रोल में दिखाई देंगे। वेब सीरीज चंगेज में समर्थ जुरेल के साथ-साथ दिग्गज अभिनेता यशपाल शर्मा भी अहम रोल में दिखाई देंगे। इन दोनों के अलावा चित्तरंजन त्रिपाठी और उज्ज्वल चोपड़ा भी इसमें काम करते हुए दिखेंगे। फिलहाल सीरीज के मुख्य कलाकारों के बारे में खुलासा होना बाकी है। उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही आधिकारिक तौर पर पूरी स्टारकास्ट के बारे में जानकारी दे दी जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार, चंगेज की टीम ने हाल ही में, अपने चंडीगढ़ शेड्यूल का काम खत्म किया है। इसकी शूटिंग काफी पहले से चल रही थी और अब बचे हुए हिस्सों को फिल्माने का काम किया जाएगा। कहा जा रहा है कि बची हुई शूटिंग को मुंबई में पूरा किया जाएगा। मालूम हो कि समर्थ जुरेल टीवी शो उडारियां और मैत्री में काम कर चुके हैं।

संक्षिप्त समाचार

दीपकमल को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा सम्मानित किया गया

अहमदाबाद, एजेंसी। ऑटोमोटिव उद्योग में अग्रणी दीपकमलने एक ही शहर में एक लाख से अधिक ऑटो-रिक्शा बेचकर, एक लाख से अधिक परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराया है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने के लिए इसे प्रतिष्ठित वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा सम्मानित किया गया है। यह सम्मान हाल ही मे लंदन, यूनाइटेड किंगडम स्थित ब्रिटिश संसद के हाउस ऑफ कॉमन्स में आयोजित एक भव्य सम्मान समारोह में प्रदान किया गया। इस सम्मान समारोह में यूके के शैडो मिनिस्टर ऑफ एनर्जी जॉय मॉरिस, लेबर पार्टी के वरिष्ठ लीडर और ब्रिटिश सांसद वीरेंद्र शर्मा, वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के अध्यक्ष और सीईओ संतोष शुक्ला, अंतर्राष्ट्रीय सिद्धाश्रम शक्ति केंद्र के संस्थापक राजराजेश्वर गुरुजी, लंदन के पूर्व मेयर सुनील चोपड़ा और अन्य जानी-मानी हस्तियां शामिल हुईं थीं। कंपनी की ओर से दीपकमल कॉर्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनुज गुप्ता ने रिकार्ड प्रमाणपत्र प्राप्त किया। मीडिया से बात करते हुए, श्री गुप्ता ने आभार व्यक्त किया और समाज के व्यक्तियों को सशक्त बनाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद करने के लिए प्रभावी तरीके से समर्थन देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

सैमसंग ने 'इंडिया चीयर्स फॉर नीरज' कैम्पेन की घोषणा की

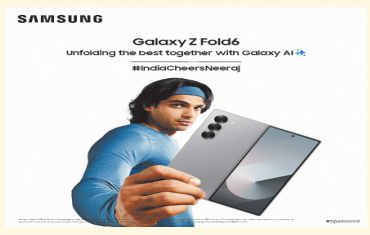

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग ने अपने 'इंडिया चीयर्स फॉर नीरज' कैम्पेन के जरिए प्रशंसकों से आगे आने और नीरज चोपड़ा को अपनी शुभकामनाएं भेजने का अनुरोध किया है। इस कैम्पेन के साथ, सैमसंग इंडिया नीरज की उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने और अपनी सीमाओं से आगे जाने के लिए सपोर्ट करना चाहता है। उपभोक्ताओं के उत्साह को दिशा देने और राष्ट्र के सामूहिक उत्साह को बढ़ाने के लिए, सैमसंग इंडिया ने नीरज चोपड़ा के लिए सपोर्ट जुटाने के लिए एक फिल्म का अनावरण किया है। इस फिल्म में दिग्गज एथलीट की मजबूती और दृढ़ संकल्प शक्ति को दर्शाया गया है। इसमें दिखाया गया है कि नीरज कई चुनौतियों से कैसे पार पाते हैं। यह फिल्म इस बात पर प्रकाश डालती है कि सैमसंग का हाल ही में लॉन्च किया गया गैलेक्सी जेड फोल्ड6 स्मार्टफोन उनकी इस यात्रा में कैसे मदद करता है। गैलेक्सी जेड फोल्ड6 अपनी शक्तिशाली गैलेक्सी एआई टेक्नोलॉजी के साथ सीमाओं से आगे जाकर उपभोक्ताओं को बेजोड़ अनुभव प्रदान करता है। गैलेक्सी एआई से पावर्ड गैलेक्सी जेड फोल्ड6 इंटरप्रेटर और नोट असिस्ट जैसे एआई फीचर्स के साथ आता है, जिसकी मदद से यूजर्स अधिक प्रभावी ढंग से बातचीत कर सकते हैं, यह उनकी उत्पादकता बढ़ाता है और उनके काम करने और जीने के तरीके को बदलने की सुविधा देता है। सैमसंग इंडिया के एमएक्स बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट आदित्य बब्बर ने कहा, सैमसंग लोगों को उनकी सीमाओं को तोड़कर आगे बढ़ने और महानता हासिल करने के लिए सशक्त बनाने में विश्वास करता है। हम नीरज चोपड़ा के पीछे अपनी पूरी ताकत लगा रहे हैं, जो उत्कृष्टता और असीमित संभावनाओं का प्रतीक हैं। ये ऐसे मूल्य हैं जिनका सैमसंग बेहद सम्मान करता है। इंडिया चीयर्स फॉर नीरज कैम्पेन के साथ, हमारा लक्ष्य देश की सामूहिक ऊर्जा का इस्तेमाल करना और नीरज को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करना है। इस कैम्पेन के तहत बिल्कुल नया गैलेक्सी जेड फोल्ड6 प्राप्त करने के अलावा, नीरज चोपड़ा को स्पेशल एडिशन गैलेक्सी ़ फ्लिप6 और एक व्यक्तिगत फ्लिपसूट केस भी मिलेगा।

जेफ बेजोस की नेटवर्थ में आई 1,34,075 करोड़ की गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के दूसरे सबसे अमीर कारोबारी और ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के मालिक जेफ बेजोस को करीब 28 महीने बाद बड़ा नुकसान हुआ है। अमेजन के शेयरों में भारी गिरावट आई है जिसके चलते कंपनी के मार्केट कैप में 130 अरब डॉलर से अधिक की कमी आ गई है। इस गिरावट के कारण जेफ बेजोस की नेटवर्थ में करीब 1,34,075 करोड़ रुपए (16 बिलियन डॉलर) की भारी-भरकम गिरावट आई है।

आपको बता दें कि बीते 5 साल में यह बेजोस का तीसरा सबसे बड़ा वित्तीय नुकसान है। साल 2019 में तलाक के बाद उनकी संपत्ति में बड़ी गिरावट आई थी और अप्रैल 2022 में अमेजन के शेयरों में 14 फीसदी की गिरावट देखी गई थी। उसके बाद अब करीब 9 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है।

एक महीने में आई 15 प्रतिशत की गिरावट

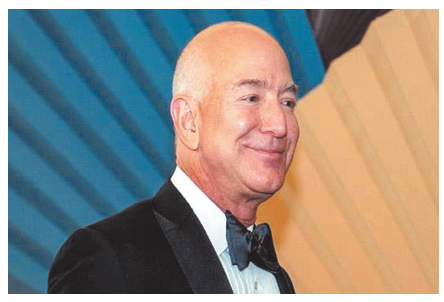

आंकड़ों के अनुसार नैसडैक पर कंपनी के शेयर 8.78 फीसदी यानी 16.17 डॉलर की गिरावट के साथ 167.90 डॉलर पर आ गए हैं। कारोबारी सत्र के दौरान कंपनी का शेयर 160.55 डॉलर पर भी पहुंचा। खास बात तो ये है कि बीते एक महीने में अमेजन के शेयरों में 15 फीसदी की गिरावट देखने को मिल चुकी है। शुक्रवार को कंपनी के शेयरों में गिरावट की वजह से कंपनी के मार्केट कैप काफी कम हुआ है।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार कंपनी का मार्केट कैप 134 अरब डॉलर कम हुआ है। मौजूदा समय में कंपनी का एमकैप 1.77 ट्रिलियन डॉलर है। खास बात तो ये है कि बीते 5 साल में जेफ बेजोस को ये तीसरा सबसे बड़ा नुकसान हुआ है। अप्रैल 2019 में तलाक की घोषणा के बाद जेफ बेजोस को 36 बिलियन का नुकसान हुआ था। उसके बाद अप्रैल 2022 में, जब एमेजॉन के शेयरों में 14 फीसदी की गिरावट आई थी।

नेटवर्थ में बड़ी गिरावट

अगर बात नेटवर्थ की करें तो जेफ बेजोस को 15.2 अरब डॉलर का नुकसान हो चुका है। अगर इसे भारतीय रुपए में देखें तो 1.27 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान है। दुनिया के दूसरे सबसे अमीर कारोबारी की अब कुल नेटवर्थ 191 अरब डॉलर रह गई है। वैसे मौजूदा साल में जेफ बेजोस को 14.6 अरब डॉलर का फायदा हुआ है। अगर बीते एक महीने की करें तो जेफ बेजोस की नेटवर्थ में 31 अरब डॉलर का नुकसान हो चुका है। वैसे जेफ बेजोस दुनिया के दूसरे सबसे अमीर कारोबारी बने हुए हैं। सबसे ऊपर नाम एलन मस्क का है।

पहली तिमाही में एसबीआई का शुद्ध मुनाफा 17035 करोड़ रुपये रहा, ब्याज से आमदनी 16 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र के ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक ने शनिवार को 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के नतीजे जारी किए। वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में बैंक को 17,035 करोड़ रुपये का स्टैंडअलोन शुद्ध लाभ हुआ। यह एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी की ओर से रिपोर्ट किए गए 16,884.29 करोड़ रुपये के शुद्ध मुनाफे से 0.9 प्रतिशत अधिक है। भारतीय स्टेट बैंक के शुद्ध मुनाफे का यह आंकड़ा बाजार के 16,786 करोड़ रुपये के अनुमान से भी अधिक है। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान बैंक का अर्जित ब्याज 1,11,526 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में ऋणदाता की ओर से रिपोर्ट किए गए 95,975 करोड़ रुपये के मुकाबले 16 प्रतिशत अधिक है।

हलवाई का बेटा, पढ़ाई का खर्च निकालने के लिए ट्यूशन पढ़ाया, खड़ा कर दिया 35 हजार करोड़ का बैंक

नई दिल्ली, एजेंसी। बंधन बैंक। नाम तो सुना होगा। हो सकता है कि आपका इस बैंक में अकाउंट भी हो। लेकिन क्या कभी सोचा है कि इस बैंक की स्थापना किसने की थी? इस बैंक की नींव रखने वाले शख्स का नाम है चंद्रशेखर घोष। इस बैंक की आज लगभग हर राज्य के प्रमुख शहरों में ब्रांच है। लेकिन इसकी शुरुआत इतनी आसान नहीं रही। चंद्रशेखर ने साल 2001 में इसकी शुरुआत एक एनजीओ के तौर पर की थी। बाद में उन्होंने इसे देश के सबसे बड़े माइक्रोफाइनेंस संस्थान के रूप में बदल दिया। अगस्त 2015 में यह बैंक में बदल गया। आज इस बैंक की मार्केट कैपिटल करीब 35 हजार करोड़ रुपये है।

अब बात इस बैंक को शुरू करने वाले चंद्रशेखर की

बात साल 1960 की है। अगरतला (त्रिपुरा) के एक गरीब परिवार में एक बच्चे का जन्म हुआ। नाम रखा गया चंद्रशेखर घोष। चंद्रशेखर का बचपन काफी गरीबी में बीता। पिता की मिठाई की छोटी सी दुकान थी। घर का खर्च किसी तरह चल पाता था। घर की आर्थिक स्थिति सही न होने के बाद भी चंद्रशेखर ने किसी तरह अपनी पढ़ाई जारी रखी। स्कूल से पढ़ाई पूरी करने के बाद वह 1978 में ढाका (बांग्लादेश) चले गए। वहां से चंद्रशेखर ने सांख्यिकी में ग्रेजुएशन की डिग्री ली। इस दौरान उन्होंने अपना खर्च चलाने के लिए आश्रम में रहते हुए बच्चों को ट्यूशन भी पढ़ाया।

ऐसे मिली बैंक खोलने की प्रेरणा

ढाका में रहने के दौरान चंद्रशेखर को 1985 में एक अंतर्राष्ट्रीय विकास गैर-लाभकारी संगठन में नौकरी मिल गई। यहीं पर उन्होंने ग्रामीण महिलाओं पर छोटी-छोटी वित्तीय सहायता के परिवर्तनकारी प्रभाव को देखा। चंद्रशेखर इससे काफी प्रेरित हुए। उन्होंने इस मॉडल को भारत में भी लागू करने के बारे में सोचा।

महिला सीईओ के महंगे शौक, एनजीओ की करोड़ों की रकम से स्विट्जरलैंड में बिताए 7 दिन

नई दिल्ली, एजेंसी। एलजीबीटीक्यू कम्युनिटी के लिए काम करने वाले अमेरिकी एनजीओ ग्लाड की सीईओ सीईओ सारा केट एलिस को लोगों की आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। सारा पर आरोप है कि उन्होंने एनजीओ की रकम का इस्तेमाल अपने महंगे शौक पूरे करने के लिए किया है। सारा इस एनजीओ की प्रेसिडेंट भी हैं और इसके वित्तीय लेन-देन को भी देखती हैं। सारा पर आरोप लगे हैं कि उन्होंने एनजीओ की रकम से न केवल महंगे हवाई सफर किए हैं बल्कि महंगे होटल में भी रुकी हैं। साथ ही उन्होंने घर में बने ऑफिस का भी रेनोवेशन एनजीओ की रकम से कराया है। इन सब चीजों में करोड़ों रुपये का खर्च आया जिसका भुगतान एनजीओ ने किया। ये सारी जानकारी न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में सामने आई है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल जनवरी में सारा और उनके दोस्तों के लिए स्विट्जरलैंड में सात दिन के लिए सात कमरों वाला लग्जरी होलिडे हाउस बुक किया गया था। इसका खर्चा एनजीओ ग्लाड ने उठाया था। रिपोर्ट के मुताबिक यहां हफ्तेभर रुकने का खर्च 5 लाख डॉलर (करीब 4.20 करोड़ रुपये) आया था। सारा और उनकी टीम यहां दावोस में हुए वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम में हिस्सा लेने आए थे। न्यूयॉर्क टाइम्स को मिले डॉक्यूमेंट के अनुसार सारा ने यहां एक दिन स्कीइंग भी की थी इसका भुगतान भी एनजीओ ने ही किया था।

सारा पर घर के ऑफिस रेनोवेशन में लाखों रुपये खर्च करने का भी आरोप है। सारा ने कथित तौर पर लॉन्ग आइलैंड में अपने घर के ऑफिस को अपग्रेड कराने में 20 हजार डॉलर (करीब 17 लाख रुपये) खर्च किए थे। इसमें उन्होंने एक झूमर भी लगवाया था, जिसका खर्च भी एनजीओ के खाते में जोड़ा गया।

साल में कर डाली 30 बार हवाई यात्रा

न्यूयॉर्क टाइम्स की जांच में पाया गया है कि सारा ने लिमिट से ज्यादा हवाई सफर किया और उसका भुगतान एनजीओ की ओर से किया गया। सारा को साल में 4 बार ही एनजीओ के खर्चे पर हवाई सफर की अनुमति थी। बावजूद इसके उन्होंने साल में 30 बार हवाई यात्रा की। यह सफर उन्होंने फर्स्ट क्लास टिकट पर किया। यही नहीं, एनजीओ के कॉन्ट्रेक्ट के अनुसार सारा को साल में छुट्टियां बिताने के लिए 25 हजार डॉलर (करीब 21 लाख रुपये) का अलाउंस दिया गया था। लेकिन उन्होंने साल 2022 में तीन हफ्ते की छुट्टियों के लिए ही एनजीओ को 15 हजार डॉलर का बिल भेज दिया।

सारा का किया बचाव

न्यूयॉर्क टाइम्स के इन आरोपों पर लक्ष्य ने सारा का बचाव किया है। लक्ष्य के प्रवक्ता रिचर्ड फेरारो ने इस बात से इनकार किया कि सारा ने स्विट्जरलैंड में आलीशान यात्रा की थी। उन्होंने कहा कि यह एलिस और उनकी टीम की दावोस यात्रा का खर्च एरियाडेन गेट्टी फाउंडेशन से मिले दान से उठाया गया था। वहीं सारा ने आरोपों को बेबुनियाद बताया है।

दुनिया का सबसे अमीर भिखारी, मुंबई में फ्लैट से लेकर दुकान तक

नई दिल्ली, एजेंसी। रेड लाइट या दूसरी जगह पर आपने कई भिखारी देखे होंगे। क्या आपने सोचा है कि सोचा है कि कोई भिखारी करोड़पति भी हो सकता है? मुंबई में रहने वाले भरत जैन दुनिया के सबसे अमीर भिखारी हैं। एक अनुमान के मुताबिक इनकी संपत्ति करीब 8 करोड़ रुपये है। यही नहीं, इनके पास मुंबई में फ्लैट और दुकानें हैं। इनकी मासिक इनकम करीब 80 हजार रुपये है, जो किसी साधारण नौकरीपेशा के मुकाबले काफी ज्यादा है। वह दिन में 10 से 12 घंटे मुंबई में भीख मांगते हैं। इससे उन्हें रोजाना करीब 3 हजार रुपये मिलते हैं।

बच्चों ने की है कॉन्वेंट स्कूल से पढ़ाई

भरत के फ्लैट की कीमत करीब 2 करोड़ रुपये है। यही नहीं, उन्हें दुकानों से भी करीब 30 से 40 हजार रुपये महीने का किराया मिलता है। उनके दो बच्चे हैं जो कॉन्वेंट स्कूल में पढ़े हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के उन्होंने रकम का बड़ा हिस्सा कई जगह निवेश भी किया है। इससे भी उन्हें कमाई होती है। इतनी संपत्ति होने के बावजूद भी भरत छत्रपति शिवाजी टर्मिनस और आजाद मैदान में भीख मांगते हैं। वह परेल एरिया में रहते हैं। भरत का परिवार स्टेशनरी की दुकान चलाता है। इससे भी उन्हें कमाई होती है। भरत के परिवार के लोग उनसे भीख मांगने को अब मना करते हैं, फिर भी उनका भीख मांगना जारी है।

ये भी हैं दुनिया के अमीर भिखारी

भरत के अलावा देश में और भी कई ऐसे भिखारी हैं जिनकी संपत्ति लाखों में है। करीब दो साल पहले एक रिपोर्ट के मुताबिक ये भी लखपति भिखारी हैं। हालांकि अब ये जिंदा हैं या नहीं, इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। जानें ऐसे ही कुछ भिखारियों के बारे में-

सरवातिया देवी

सरवतिया देवी अमीर भिखारियों की लिस्ट में शामिल हैं। यह भीख से महीने में करीब 50 हजार रुपये कमाती हैं। एक जानकारी के मुताबिक इन्होंने जीवन बीमा भी कराया है। वह इसका सालाना प्रीमियम 36 हजार रुपये देती हैं।

लक्ष्मी दास

लक्ष्मी दास ने 16 साल की उम्र से भीख मांगना शुरू किया था। यह भीख मांगकर हर महीने करीब 30 हजार रुपये कमाती हैं।

संभाजी काले

संभाजी काले भी मुंबई में भीख मांगते हैं। इन्हें खार के समीप भीख मांगते हुए देखा जा सकता है। एक जानकारी के मुताबिक इनके बैंक अकाउंट में करीब 2 लाख रुपये जमा थे। यह प्रॉपर्टी से जुड़ा बिजनेस भी करते हैं।

ओला इलेक्ट्रिक के आईपीओ को 35 फीसदी आवेदन मिले

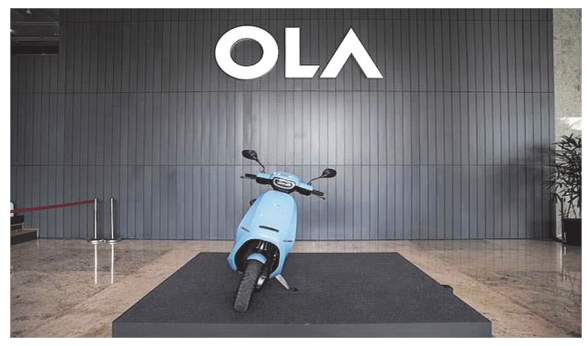

नई दिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी ओला इलेक्ट्रिक के 6,145 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम को पेशकश के पहले दिन शुक्रवार को 35 प्रतिशत आवेदन मिले। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर शाम पांच बजे तक उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, इस निर्गम के तहत की गई 46.51 करोड़ शेयरों की पेशकश के मुकाबले 16.31 करोड़ शेयरों के लिए बोलियां मिलीं। कंपनी के आईपीओ को ज्यादातर खुदरा निवेशकों का समर्थन मिला और उनके लिए आरक्षित हिस्से को 1.57 गुना अभिदान मिला। गैर-संस्थागत निवेशकों के खंड को 20 प्रतिशत अभिदान मिला। हालांकि, पात्र संस्थागत बोलीदाताओं के लिए आरक्षित हिस्से में कोई खास बोली नहीं लगी।

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने थ्रोम्बोटिक थ्रोम्बोसाइटोपेनिक परप्यूरा से पीड़ित 61 वर्षीय महिला का सफलतापूर्वक इलाज किया

अहमदाबाद, एजेंसी। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल में डॉक्टरों की टीम ने थ्रोम्बोटिक थ्रोम्बोसाइटोपेनिक परप्यूरा से पीड़ित एक महिला का सफलतापूर्वक इलाज करके एक बार फिर से चिकित्सा सेवाओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट की मिसाल कायम की है। थ्रोम्बोटिक थ्रोम्बोसाइटोपेनिक परप्यूरा खून से संबंधित एक दुर्लभ और जानलेवा बीमारी है, जो दुनिया भर में 10 लाख लोगों में से किसी एक को अपनी चपेट में लेता है। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल में हेमेटोलॉजी विभाग के सीनियर कंसल्टेंट, डॉ. कौमिल पटेल इस मरीज का इलाज करने वाली टीम की कमान संभाल रहे थे। टीटीपी यानी थ्रोम्बोटिक थ्रोम्बोसाइटोपेनिक परप्यूरा खून से संबंधित एक दुर्लभ बीमारी है, जिसमें पूरे शरीर में छोटे ब्लड वेसल्स में खून के थक्के बनने लगते हैं। इन थक्कों के कारण प्लेटलेट की संख्या में कमी (थ्रोम्बोसाइटोपेनिया) हो सकती है, रेड ब्लड सेल्स नष्ट (हेमोलिटिक एनीमिया) हो सकते हैं और सीमित मात्रा में खून के बहन की वजह से शरीर के अंगों को नुकसान हो सकता है। चिकित्सा जगत में टीटीपी को एक आपात स्थिति माना जाता है, तथा इससे जुड़ी गंभीर जटिलताओं या मौत को रोकने के लिए तुरंत इलाज करना बेहद जरूरी हो जाता है। प्लाज्मा एक्सचेंज थेरेपी (प्लाज्मफेरेसिस) इसका प्राथमिक उपचार है

10 दिन बाद लौटी सोने की चमक, फिर पहुंचा 70 हजार के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने की चमक लौट आई है। 10 दिन बाद इसकी कीमत फिर से 70 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम पार हो गई है। बता दें कि पिछले हफ्ते 23 जुलाई को पेश बजट में सोना और चांदी से कस्टम ड्यूटी कम कर दी गई थी। इसके बाद तो इन धातुओं की कीमत धड़ाम हो गई थी। 23 जुलाई को सोने में 4 हजार रुपये से ज्यादा की गिरावट आई थी। 23 जुलाई की सुबह सोने की कीमत करीब 73 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम थी। बजट के बाद यह गिरकर 68500 रुपये के करीब आ गई थी। तब से इसकी कीमत 70 हजार रुपये के अंदर थी।

शुक्रवार को एमसीएक्स पर सोने की कीमत में 646 रुपये प्रति 10 ग्राम का उछाल आया। इस तेजी के साथ सोने की कीमत 70300 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। 23 जुलाई को बजट के बाद यह पहली बार है जब सोने की कीमत 70 हजार रुपये के पार पहुंची है। सोने की कीमत में इस बढ़त के बाद निवेशकों का इसमें फिर से भरोसा जाग सकता है। हालांकि चांदी की कीमत अभी भी उस स्तर पर नहीं पहुंची है जो बजट वाले दिन थी। पिछले कुछ दिन छोड़ दें तो इसमें लगातार गिरावट देखी जा रही है। चांदी में अभी भी मंदी है। बजट वाले दिन से लेकर अब तक इसमें सुधार नहीं आया है। शुक्रवार को भी इसमें 383 रुपये की गिरावट आई। इस गिरावट के साथ इसकी कीमत 82211 रुपये प्रति किलो रह गई है। बजट वाले दिन 23 जुलाई को सुबह चांदी की कीमत करीब 89 हजार रुपये प्रति किलो थी। बजट के बाद इसकी भी कीमत में 4 हजार रुपये प्रति किलो से ज्यादा की गिरावट आई। इस गिरावट के साथ चांदी की कीमत 84275 रुपये प्रति किलो तक आ गई थी।

ओलंपिक में बाहर होने के बाद बोलीं सिंधु

मैं खेल जारी रखूंगी लेकिन थोड़े समय के ब्रेक के बाद

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने शुक्रवार को कहा कि वह ओलंपिक खेलों से प्री क्वार्टर फाइनल में बाहर होने के बाद संक्षिप्त ब्रेक लेंगी क्योंकि वह अपने करियर की 'सबसे कड़ी हार में से एक' से उबर रही हैं लेकिन उन्होंने अपने आगे के सफर का 'सावधानीपूर्वक' मूल्यांकन करने के बाद खेल जारी रखने का वादा किया।

रियो ओलंपिक 2016 में रजत और तोक्यो ओलंपिक 2020 में कांस्य पदक जीतने वाली सिंधु चीन की दुनिया की

नौवें नंबर की खिलाड़ी ही बिंग जियाओ से सीधे गेम में हारने के बाद पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गईं। सिंधु ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'अपने भविष्य के बारे में मैं स्पष्ट होना चाहती हूं, मैं खेलना जारी रखूंगी, हालांकि थोड़े समय के ब्रेक के बाद। मेरे शरीर और उससे भी महत्वपूर्ण बात, मेरे दिमाग को इसकी जरूरत है। हालांकि मैं आगे की यात्रा का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करने की योजना बना रही हूं और जिस खेल से मैं बहुत प्यार करती हूं, उसे खेलने में ज्यादा आनंद ढूंढूंगी।

उन्होंने लिखा, 'यह हार मेरे करियर की सबसे कठिन हार में से एक है। इसे स्वीकार करने में समय लगेगा लेकिन जैसे-जैसे जीवन आगे बढ़ेगा, मुझे पता है कि मैं इसे स्वीकार कर लूंगी। भारत की शीर्ष खिलाड़ियों शामिल इस 29 वर्षीय ने कहा कि खेलों के लिए उनकी तैयारी आदर्श नहीं थी लेकिन यहां आने के बाद उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। उन्होंने कहा, 'पेरिस 2024 की यात्रा एक संघर्ष थी जिसमें दो साल तक चोट से जूझना और खेल से लंबे समय तक दूर रहना शामिल था। इन चुनौतियों के बावजूद यहां खड़े होकर और तीसरे ओलंपिक में अपने अद्भुत देश का प्रतिनिधित्व करते हुए मैं वास्तव में धन्य महसूस करती हूं।

एंजेला कैरिनी को आईबीए से मिलेंगे 50 हजार डॉलर

'पुरुष' बॉक्सर के खिलाफ खेलने से कर दिया था मना

पेरिस (एजेंसी)। इंटरनेशनल बॉक्सिंग एसोसिएशन (आईबीए) ने घोषणा की है कि वह पेरिस ओलंपिक में अल्जीरियाई मुक्केबाज इमान खेलीफ के खिलाफ वेल्टरवेट राउंड ऑफ 16 मुकाबले से हटने के बाद इटली की एंजेला कैरिनी को 50,000 डॉलर की पुरस्कार राशि देगी। यह मैच केवल 46 सेकंड तक ही चल पाया था। कैरिनी खलीफ के आक्रामक मुक्कों से अभिभूत हो गई, जिसके कारण वह जल्दी बाहर हो गई।

आईबीए ने लगा रखा है बैन

पिछले साल अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति द्वारा अंतरराष्ट्रीय मान्यता छीन ली गए। आईबीए ने यह भी कहा कि कैरिनी के महासंघ और कोच प्रत्येक को 25,000 डॉलर मिलेंगे। इस घटना ने खेलों में लैंगिक पात्रता पर व्यापक विवाद को जन्म दे दिया है। आईबीए के पात्रता नियमों में असफल होने के कारण 2023 विश्व चैंपियनशिप में दोनों एथलीटों को अयोग्य घोषित किए जाने के बावजूद, खेलीफ को ताइवान के डबल विश्व चैंपियन लिन यू-टिंग के साथ पेरिस में प्रतिस्पर्धा करने के लिए मंजूरी दे दी गई थी।

लक्ष्य सेन ने रचा पेरिस ओलंपिक में इतिहास

● पदक से सिर्फ एक जीत दूर, सेमीफाइनल में मारी एंट्री ● क्वार्टर फाइनल में लक्ष्य सेन ने दर्ज की रोमांचक जीत

सेमीफाइनल में पहुंचने वाले बने पहले भारतीय शटलर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक 2024 के 7वें दिन भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन ने इतिहास रचते हुए मेंस सिंगल्स के सेमीफाइनल में अपनी जगह बना ली है। इस तरह लक्ष्य सेन अब मेडल जीतने से सिर्फ एक मैच दूर हैं। सेमीफाइनल में वह अगर जीत हासिल करते हैं तो उनका मेडल पक्का हो जाएगा। सिर्फ इतना ही नहीं, लक्ष्य सेन ओलंपिक के मेंस सिंगल्स बैडमिंटन के सेमीफाइनल में पहुंचने भारत के पहले खिलाड़ी भी बने हैं। क्वार्टर फाइनल में लक्ष्य सेन ने चीनी ताइपे के चोउ तियेन चेन को रोमांचक मुकाबले में हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

पी वी सिंधू और सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी के हारने के बाद अब पेरिस ओलंपिक में बैडमिंटन में सारी उम्मीदें लक्ष्य पर टिकी हैं। भारत के लिए ओलंपिक में महिला एकल बैडमिंटन में साइना नेहवाल (2012) कांस्य, रजत (2016) और कांस्य (2020) जीत चुकी हैं। राष्ट्रमंडल चैम्पियन लक्ष्य का सामना अब 2021 के विश्व चैम्पियन सिंगापुर के लोह कीन यू और ओलंपिक चैम्पियन डेनमार्क के विक्टर एक्सेलेसन के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। भारत के लिए ओलंपिक बैडमिंटन पुरूष एकल स्पर्धा में पारूपल्ली कश्यप 2012 लंदन ओलंपिक में और किदाम्बी श्रीकांत 2016 रियो ओलंपिक में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे।

दीपिका क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

पेरिस (एजेंसी)। दीपिका ने जर्मनी की मिशेल क्रॉपेन को 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। अब उनका सामना हमवतन भजन कौर से हो सकता है, जिनका अगला मुकाबला इंडोनेशिया की डायनांडा चोइरुनिसा से होगा।

पेरिस ओलिम्पिक में लक्ष्य सेन

ग्रुप एल - बनाम जूलियन कैरागी (बैल्जियम)
21-19, 21-14 (जीत)
ग्रुप एल - बनाम जोनाथन क्रिस्टी (इंडोनेशिया)
21-18, 21-12 (जीत)
राऊंड 16 - बनाम एचएस प्रणोय (भारत)
21-12, 21-6 (जीत)
क्वार्टरफाइनल - बनाम चाउ टीएन चेन (ताइपे)
19-21, 21-15, 21-12 (जीत)

लक्ष्य इससे पहले पिछले 5 में से 4 मैच चेन से हार चुके थे। दोनों के बीच मुकाबला बराबरी का था और पासा पल पल पलटता रहा। दोनों ने लंबी रेलियां लगाई और पिछड़कर वापसी करते रहे। पहले गेम में एक समय स्कोर 15.15 से बराबर था और लक्ष्य ने तीन अंक की बढ़त बना ली। लेकिन चेन ने वापसी करते हुए तीन अंक बनाये और बैकहैंड पर लक्ष्य की गलती का फायदा उठाते हुए पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में भी दोनों ने आक्रामक शुरूआत की। जब स्कोर 7.7 था तब लक्ष्य ने लाइन कॉल के लिए रिव्यू लिया जिसका फैसला उनके पक्ष में नहीं रहा।

ओलंपिक में मनु भाकर का सफर खत्म

मनु ने हैट्रिक चूककर भी वो कर दिखाया, जो कोई नहीं कर सका

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में मनु भाकर का सफर खत्म हो गया है। वह 25 मीटर पिस्टल इवेंट के फाइनल में चौथे स्थान पर रहीं। एक समय वह लगातार टॉप-3 में चल रही थीं। लेकिन 8वें राउंड में 5 में से 2 ही टारगेट हिट कर पाईं। इसकी वजह से चौथे पर चली गईं। फिर तीसरे और चौथे नंबर की शूटर में शूटआउट हुआ। वहां मनु को हार मिली।

तीन इवेंट के फाइनल में पहुंची

मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में तीन इवेंट में हिस्सा लिया। वह सभी इवेंट के फाइनल में भी पहुंचीं। मनु एक ओलंपिक में तीन इवेंट का फाइनल खेलने वाली भारत की पहली एथलीट बन गई हैं। यही वजह है कि मेडल की हैट्रिक नहीं लगाने के बाद भी उनके नाम इतिहास में दर्ज हो गया।

यूथ ओलंपिक में जीत चुकीं गोल्ड

मनु भाकर यूथ ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीत चुकी हैं। 2018 में 16 साल की उम्र में अर्जेंटीना में हुए यूथ ओलंपिक के 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में गोल्ड जीता था। वह यूथ ओलंपिक गोल्ड जीतने वाली भारत की पहली महिला के साथ ही पहली शूटर भी थीं।

ओलंपिक मेडल जीतने वाले पहली भारतीय शूटर

मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में सबसे पहले 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। वह ओलंपिक के शूटिंग इवेंट में मेडल जीतने वाली भारत की पहली महिला हैं। इसके बाद 10 मीटर मिक्स्ड टीम इवेंट में ब्रॉज जीतकर उन्होंने अपना दूसरा मेडल पूरा किया था।

वर्ल्ड रैपिड और ब्लिट्ज टीम चैंपियनशिप 2024

कार्लसन से हारे अर्जुन, डबल्यूआर टीम को बढ़त

अस्ताना , कज़ाकिस्तान (एजेंसी)। विश्व रैपिड टीम शतरंज चैंपियनशिप के पहले तीन राउंड के बाद विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैगनस कार्लसन के नेतृत्व वाली टीम डबल्यूआर नें भारत की टीम एमजीडी1 को पराजित करते हुए एक बार फिर अपना खिताब जीतने की और मजबूत कदम बढ़ा दिये है।

डबल्यूआर टीम में कार्लसन नें तीसरे राउंड में पहले बोर्ड पर भारत के अर्जुन एरिगासी को एक शानदार राजा और प्यादों के एंडगेम में काले मोहरो से पराजित किया, दूसरे बोर्ड पर एसएल नारायनन को यान

नेपोमनिशी से , चौथे बोर्ड पर प्रणव वी को अब्दुसत्तोरोव नोदिरबेक से पराजय का सामना करना पड़ा , एमडीजी1 की ओर से पांचवें बोर्ड पर हारिका द्रोणावल्ली नें हाऊ ईफ़ान को और छठे बोर्ड पर मिहिर शाह नें वादिम रोसेंस्टेन को मात दी और तीसरे बोर्ड पर रौनक साधवानी नें यान डूड़ा से बाजी ड्रॉ खेली पर डबल्यूआर टीम 3.5-2.5 से बाजी जीतने में सफल रही।

अन्य मुकाबलो में दो विश्व चैम्पियन डींग लीरेन और जून वेंजून की मौजूदगी में डिकेड चाइना नें टीम हंस को 4-2 से ,टीम चैसि नें किंग्स ऑफ चैस करको को 4-2 से , यूएई की टीम अल ऐन नें रुकिस को 5-1 से ,मेजबान कजकिस्तान चैस नें मिश्र को 6-0 से पराजित किया । रैपिड में कुल 12 राउंड खेले जाएँगे ।

पेरिस ओलंपिक 2024-तीरंदाजी

धीरज और अंकिता की मिश्रित जोड़ी कांस्य पदक मुकाबले में हारी

पेरिस (एजेंसी)। भारत के धीरज बोम्मादेवरा और अंकिता भकत पेरिस ओलंपिक में मिश्रित युगल तीरंदाजी में पदक से चूक गए जिन्हें कांस्य के पदक मुकाबले में अमेरिका की कैसी कॉफहोल्ड और ब्रैडी एलिसन की जोड़ी ने 6-2 से हराया। धीरज और अंकिता की पांचवीं वरीय जोड़ी सेमीफाइनल में पहला सेट जीतने के बावजूद किम वूजिन और लिम सिहियोन की दक्षिण कोरिया की शीर्ष वरीय जोड़ी से 2-6 से हारने से कांस्य पदक के मुकाबले में पहुंची थी। अमेरिकी जोड़ी के खिलाफ उनकी शुरूआत अच्छी नहीं रही जिसमें उन्होंने पहले दो सेट गंवा दिए।

भारतीय तीरंदाजों ने तीसरा सेट जीतकर वापसी की उम्मीद जगाई लेकिन कैसी और ब्रैडी की जोड़ी ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया और 38-37, 37-35, 34-38, 37-35 से कांस्य पदक जीत लिया। इससे पहले धीरज और अंकिता को दक्षिण कोरियाई जोड़ी से 38-36, 35-38, 36-38, 38-39 से हार झेलनी पड़ी। धीरज और अंकिता ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहला सेट 38-36 से जीता। लिम ने आठ और 10 अंक के साथ शुरुआत की जबकि किम ने दोनों बार नौ अंक जुटाए। धीरज ने

अपने दोनों निशाने 10 अंक पर लगाकर जीत सुनिश्चित की। भारतीय जोड़ी ने दूसरा सेट 35-38 से गंवाया। लिम और किम ने 10-10 अंक से शुरुआत की।

अंकिता पहले प्रयास में 8 अंक ही जुटा सकी जबकि धीरज ने नौ अंक पर निशाना साधा। लिम और किम दोनों ने दूसरे प्रयास में नौ अंक के साथ जीत सुनिश्चित की और स्कोर 2-2 किया। धीरज और अंकिता तीसरा सेट भी 36-38 से हार गए। लिम ने नौ और किम ने 10 अंक से शुरुआत की जिसके जवाब में अंकिता और धीरज ने नौ-नौ अंक जुटाए। लिम और किम ने अपने अंक दोहराकर मजबूत स्कोर बनाया।

टी20 सीरीज गंवाने के बाद कोच जयसूर्या ने निकाली श्रीलंकाई टीम में खामी

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका अंतरिम कोच सनथ जयसूर्या ने कहा कि भारत के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी20 श्रीलंका में हार के बाद उनके खिलाड़ियों को अपनी 'क्रिकेट जागरूकता' में सुधार करने पर काम करना होगा। श्रीलंका ने तीन मैचों की श्रृंखला के दौरान कई बार अच्छी स्थिति में होने के बाद लगातार विकेट गंवाए और टीम को 0-3 से हार झेलनी पड़ी। जयसूर्या ने तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला से पहले कहा कि मुझे प्रतिबद्धता की कमी नहीं दिखती, लेकिन उन्हें दबाव से बेहतर तरीके से निपटना होगा। उन्हें मैच की परिस्थितियों को लेकर अपनी क्रिकेट जागरूकता को बेहतर करने की जरूरत है। हम इस हार की जिम्मेदारी ले रहे हैं। आप इससे दूर नहीं जा सकते। उन्होंने कहा कि जब तक उन्हें इस बात का एहसास होगा हमें तब तक उन्हें विश्वास और समर्थन देते रहना होगा।

जयसूर्या ने कहा कि बल्लेबाजों को लगातार छक्के लगाने की चिंता करने की जरूरत नहीं है क्योंकि श्रीलंका के मैदान बड़े है और चौके तथा दो रन दौड़कर लेने के पर्याप्त मौके देते हैं। उन्होंने कहा, ''जब आप पावर हिटिंग के बारे में बात करते हैं, तो मुझे नहीं लगता कि आपको (श्रीलंका में) इसकी उतनी आवश्यकता है। अगर आप पर्याप्त चौके और पर्याप्त दो रन लगाते हैं, तो आपको वह स्कोर मिल जाता है जिसकी आपको जरूरत है।

श्रीलंका के इस पूर्व कप्तान ने कहा कि श्रीलंका के मैदान थोड़े बड़े हैं। ऐसा कोई कारण नहीं है कि आप चौके लगाने के साथ दो या तीन रन नहीं चुरा सकते है। अगर आप ऐसा कर सके तो आप इतने सारे छक्के मारे बिना भी काम पूरा कर सकते हैं। इस पूर्व दिग्गज हरफनमौला ने कहा कि खिलाड़ियों को टी20 श्रृंखला जैसे खराब प्रदर्शन के बाद आलोचना स्वीकार करने के लिए तैयार रहना

चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें एक कोच के रूप में, एक सहयोगी स्टाफ के रूप में, एक टीम के रूप में आलोचना को भी स्वीकार करना होगा।

एक क्रिकेटर के रूप में अपने समय में मुझे इस (परिस्थिति) से गुजरना पड़ा है, हर क्रिकेटर को इससे गुजरना पड़ता है। जब आलोचना होती है, तो आपको इसे स्वीकार करना होगा। जयसूर्या ने उम्मीद जताई की नवनियुक्त कप्तान चरित असलांका जल्द ही अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि असलांका इस प्रारूप में हमारे सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं लेकिन जब आपको कप्तानी मिलती है तो कुछ दबाव होता है। आपको थोड़ा समय देना होगा।

14 गेंद में एक रन नहीं बना पाने से निराश हूं : रोहित शर्मा

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे में जीत की स्थिति में होने के बावजूद भारतीय टीम को टाई से संतोष करना पड़ा। श्रीलंका ने पहले खेलते हुए 230 रन बनाए थे। भारतीय टीम को 14 गेंदों पर एक रन चाहिए था लेकिन अर्शदीप के रूप में आखिरी विकेट गिर जाने के कारण मुकाबला टाई हो गया। मैच के बाद निराश भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने स्वीकार किया कि उनकी टीम को श्रीलंका के खिलाफ मैच में जीत के लिए 14 गेंद में एक रन बना लेना चाहिए था। भारतीय टीम 231 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित की 58 रन की तेज पारी के बावजूद 47.5 ओवरों में 230 रन पर सिमट गई।

भारतीय खिलाड़ी श्रीलंका के 4 स्पिनरों के सामने कभी सहज नहीं रहे। कप्तान रोहित ने मैच के बाद कहा कि स्कोर हासिल किया जा सकता था। लेकिन इसके लिए आपको अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी। हमने टुकड़ों में अच्छी बल्लेबाजी की लेकिन लय नहीं बना पाए। हमने अच्छी शुरुआत की। लेकिन हमें पता था कि स्पिन आने पर खेल बदल

जाएगा। हमने कुछ विकेट गंवा दिए और पिछड़ गए। कप्तान ने ज्यादा आलोचना नहीं करते हुए कहा कि हमने अक्षर पटेल और केएल राहुल के बीच साझेदारी से वापसी की। लेकिन इनके आउट होने से फिर संतुलन गड़बड़ा गया। 14 गेंद में एक रन नहीं बना पाने से निराश हूं, लेकिन मैं ज्यादा नहीं कहूंगा।

ऐसा रहा मुकाबला

कप्तान रोहित शर्मा के बाद मध्यक्रम बल्लेबाजों के जोर से भारतीय टीम ने कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में श्रीलंकाई टीम से पहला वनडे मुकाबला टाई करवा लिया। श्रीलंकाई टीम ने पहले खेलते हुए 8 विकेट पर 230 रन बनाए थे। पाथुम निसांका 56 तो डुनिथ 67 रन बनाने में सफल रहे थे। जवाब में खेलने उतरी भारतीय टीम की शुरूआत अच्छी रही। लेकिन वाशिंगटन सुंदर, विराट कोहली और श्रेयस अय्यर के जल्द आऊट होने के कारण स्थिति गड़बड़ हो गई। लेकिन अंत में केएल राहुल, अक्षर पटेल और शिवम दुबे ने संक्षिप्त पारियां खेली। 48वें ओवर में भारतीय टीम ने लगातार दो गेंदों पर दो विकेट गंवाए जिससे मुकाबला टाई हो गया। श्रीलंका के लिए हसरंगा ने 3 तो असलांका और डुनिथ ने 2-2 विकेट लिए।

रोहित बतौर कप्तान सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाज बने

भारत और श्रीलंका के बीच वनडे सीरीज का पहला मैच टाई हो गया। अब वनडे सीरीज के नतीजे के लिए बाकी 2 मैच जरूरी हो गया। दूसरा वनडे 4 अगस्त को कोलंबो में ही खेला जाएगा। भारत ने टी-20 सीरीज 3-0 से जीती थी। बतौर कप्तान रोहित सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाज बने।

किसी टाईड गेम में सबसे ज्यादा रन

इंटरनेशनल क्रिकेट के सभी टाईड गेम में किसी प्लेयर के द्वारा सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में रोहित शर्मा दूसरे नंबर पर आ गए हैं। पहले नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के डीन जोंस हैं जिनके 5 इनिंग में 328 रन हैं। वहीं रोहित के 6 इनिंग में 302 रन हैं।

बतौर कप्तान इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा सिक्स

किसी भी कप्तान द्वारा इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने के मामले में रोहित शर्मा ने इयोन मॉर्गन को पछाड़ा हैं। अब उनके 234 सिक्स हो गए हैं, जबकि मॉर्गन के 233 सिक्स हैं। वहीं तीसरे नंबर पर पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी हैं।

संक्षिप्त समाचार

30 हजार सरकारी स्कूलों को मिलेगी मुफ्त बिजली, सरकार ने दिया बड़ा तोहफा

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार ने बुनियादी सुविधाओं में सुधार के कई कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इसी कड़ी में लगभग 30,000 सरकारी स्कूलों को मुफ्त बिजली दी जाएगी। हाल ही में पदोन्नत हुए शिक्षकों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तीन बार चुनाव जीता क्योंकि उन्होंने सरकारी स्कूलों में सुधार किया और गरीबों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की। रेवंत रेड्डी ने कहा कि जब स्कूलों के बिलों का भुगतान नहीं किया गया तो ऊर्जा विभाग की ओर से बिजली की आपूर्ति बंद कर दी गई थी। उन्होंने कहा, 'जब किसानों को मुफ्त बिजली दी जाती है और गरीबों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली दी जाती है तो उन स्कूलों में मुफ्त बिजली क्यों नहीं दी जा सकती जहां तेलंगाना का भविष्य तैयार हो रहा।' उन्होंने कहा कि मैंने अधिकारियों को तेलंगाना के 30,000 स्कूलों को मुफ्त बिजली प्रदान करने का निर्देश दिया और इसका खर्च सरकार वहन करेगी। इस बीच, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार विदेश जाने वाले छात्रों की प्रारंभिक यात्रा का खर्च वहन करेगी। साथ ही, आईआईटी सहित शीर्ष शिक्षण केंद्रों में उच्च शिक्षा हासिल करने वाले विद्यार्थियों की शिक्षा का खर्च भी उठाएगी। मुख्यमंत्री ने यह बात सरकारी स्कूलों के उन छात्रों की सराहना करते हुए कही, जो भारत और विदेश दोनों में प्रमुख उच्च शिक्षा संस्थानों में पढ़ाई करने के लिए तैयार हैं। सरकारी स्कूलों के ऐसे 461 छात्रों को बधाई देने के लिए चेन्नई में आयोजित एक समारोह में कहा, 'स्कूल शिक्षा विभाग की पहल के बिना हम यह उपलब्धि हासिल नहीं कर सकते थे।'

जीवन और स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी हटाओ तुरंत, ममता बनर्जी की सीतारमण को दो टूक

कोलकाता , एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को केंद्र सरकार के जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा में जीएसटी लगाने की आलोचना की। ममता ने इस मसले पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखा और आग्रह किया कि वे जीवन इन पर से 18 प्रतिशत जीएसटी लगाने का फैसला तुरंत वापस लें। उन्होंने पत्र में कहा कि जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा का मुख्य उद्देश्य बीमारी, दुर्घटना और अकाल मृत्यु जैसे अप्रत्याशित हालात में वित्तीय सुरक्षा और सहायता देना है। बनर्जी ने एक दिन पहले भी सोशल मीडिया पोस्ट में कहा था कि अगर केंद्र स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम पर जीएसटी लगाने के फैसले को वापस नहीं लेता है तो पार्टी आंदोलन शुरू करेगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने पत्र में कहा, मैं बहुत दुख के साथ आपको जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों/ उत्पादों पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाए जाने और नयी कर व्यवस्था में आयकर अधिनियम की धारा 80सी और 80डी के तहत कटौती वापस लेने के बारे में लिख रही हूं, जो मेरे हिसाब से बेहद जनविरोधी है। उन्होंने कहा कि बीमा प्रीमियम पर जीएसटी लगाए जाने से आम लोगों पर वित्तीय बोझ बढ़ता है। बनर्जी ने कहा, यह अतिरिक्त बोझ कई व्यक्तियों को नई पॉलिसी लेने या अपने मौजूदा बीमा कवरेज को जारी रखने से रोक सकता है, जिससे अप्रत्याशित वित्तीय संकट को लेकर जोखिम बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि पुरानी कर व्यवस्था में उपलब्ध आयकर अधिनियम के प्रोत्साहनों को वापस लेने से भी आम लोगों की परेशानी बढ़ रही है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि उन्होंने सीतारमण से जनविरोधी कराधान नीतियों की समीक्षा करने और जीवन बीमा तथा स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर जीएसटी वापस लेने का अनुरोध किया है। बनर्जी ने कहा कि जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर जीएसटी वापस लेने और नयी कर व्यवस्था में ऐसे प्रीमियम पर आयकर अधिनियम की धारा 80सी और 80डी के तहत कटौती शामिल करने से व्यापक बीमा कवरेज की सुविधा मिलेगी। आप इस अनुरोध को पूरी गंभीरता से लेंगी.... मुझे सकारात्मक प्रतिक्रिया की उम्मीद है। गौरतलब है कि केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भी जीवन बीमा और चिकित्सा बीमा प्रीमियम पर 18 प्रतिशत जीएसटी वापस लेने की मांग उठाई है।

वायनाड हादसे के बाद सरकार का बड़ा कदम, 6 राज्यों को ग्रीन प्रोटेक्शन देने की तैयारी

वायनाड , एजेंसी। वायनाड भूस्खलन में 300 से ज्यादा लोगों के मारे जाने के बाद सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने पश्चिमी घाट को इकॉलॉजिकली सेंसिटिव एरिया घोषित करने के लिए ड्राफ्ट नोटिफिकेशन जारी किया है। इसमें वायनाड के वे गांव भी शामिल होंगे जहां भूस्खलन की वजह से आई त्रासदी में सैकड़ों लोगों की जान चली गई। बता दें कि वायनाड में राहत बचाव और तलाशी का काम अब भी जारी है। अभी 100 से ज्यादा लोग लापता हैं जिनकी तलाश की जा रही है।

ईएसए के लिए 6 राज्यों के करीब 59940 स्क्वायर किलोमीटर के इलाके को चुना गया है। यह पश्चिमी घाट का करीब 37 फीसदी हिस्सा है। इसी तरह का ड्राफ्ट 2022 में भी जारी किया गया था। जानेमाने पर्यावरणविद माधव गाडगिल के पैनल ने 2011 में ही इसकी सिफारिश की थी। 13 साल बाद सरकार ने उनकी रिपोर्ट पर ऐक्शन लिया है। हालांकि इस रिपोर्ट में 75 फीसदी इलाके को ईएसए के अंतरगत लाने की सिफारिश की गई थी जो कि सिमटकर 37 फीसदी ही रह गया है।

मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, पहले वाले ड्राफ्ट के एक्सपायर होने की वजह से नया नोटिफिकेशन जारी किया गया है। मंत्रालय ने एक उच्च स्तरीय समिति गठित की है। अब केरल समेत अन्य राज्यों से प्रतिक्रिया मिलने के बाद फाइनल रिपोर्ट तैयार की जाएगी। जानकारों का

कहना है कि वायनाड में आई त्रासदी की वजह से ही यह ड्राफ्ट तैयार किया गया है।

दरअसल अगर किसी इलाके को ईएसए घोषित किया जाता है तो वहां खनन, रेत खनन, थर्मल पावर प्लांट और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योग लगाने पर पूरी तरह से पाबंदी रहती है। इसके अलावा इस इलाके में नया टाउनशिप प्रोजेक्ट भी नहीं शुरू किया जा सकता है। इस ड्राफ्ट को छठी बार रिन्यू किया गया है। ईएसए में हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट और कम प्रदूषण करने वाले उद्योगों को शर्तों के साथ इजाजत दी जाती है।

इस ड्राफ्ट में गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु के पश्चिमी घाट के इलाके को शामिलल किया गया है। अब राज्यों के पास इस प्रस्ताव को भेजा गया है। उनके पास इसे स्वीकार या अस्वीकार करने का विकल्प है। केरल के पर्यावरण मंत्री एके शशिधरन ने कहा कि फिलहाल वह आपदा के बाद की स्थिति की देखरेख में व्यस्त हैं इसलिए इस ड्राफ्ट नोटिफिकेशन को देख नहीं पाए हैं। उन्होंने कहा कि यह एक जटिल मुद्दा है।

बता दें कि पहले राज्य की सरकारें ड्राफ्ट पर कई सवाल उठा चुकी हैं। केंद्र सरकार ने कई बार राज्यों के साथ इस मुद्दे को लेकर बैठक की थी। बता दें कि पश्चिमी घाट को जैव विविधता के लिहाज से बेहद अहम माना जाता है। इन इलाकों में बहुत प्रकार की वनस्पतियां, मछली, चिड़िया, स्तनपायी और अन्य प्रकार के जीव पाए जाते हैं।

बारां में भीषण सड़क हादसे में 4 लोगों की मौत, गाय को बचाने के चक्कर में पलटी एसयूवी

जयपुर एजेंसी।
राजस्थान के बारां जिले में भीषण सड़क हादसा हुआ है। गाय को बचाने के चक्कर में एसयूवी पलट गई। जिसमे सवार 4 लोगों की मौत हो गई है। जबकि 5 लोग घायल हो गए है। मृतकों में शाहबाद इलाके के रामपुर उपरेटी गांव निवासी लाखन सहरिया, फूलचंद सहरिया व हरिचंद मेहता और मध्य प्रदेश के फतेहगढ़ थाना क्षेत्र निवासी राजू सहरिया शामिल हैं। जबकि दुर्घटना में 5 लोग भी बुरी तरह से जख्मी हुए हैं। जिनमें से तीन का उपचार किशनगंज अस्पताल में करवाया जा रहा है, जबकि दो को बारां जिला अस्पताल में भर्ती करवाया है। मृतकों के शव के पोस्टमार्टम आज यानी शनिवार सुबह करवा परिजनों के सुपर्द किया जाएगा।

भंवरगढ़ से किशनगंज के बीच भीषण सड़क दुर्घटना हुई है। मृतक और घायल एक एसयूवी बोलेरो में सवार थे। हादसा इतना भीषण था कि इसमें गाड़ी भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। नेशनल हाईवे 27 पर भंवरगढ़ से किशनगंज के बीच देर रात को ये भीषण सड़क दुर्घटना हुई है। इसमें मौके पर ही चार लोगों की मौत हो गई। सूचना मिलने पर जिला कलेक्टर रोहिताश कुमार सिंह तोमर और एसपी राजकुमार चौधरी भी जिला अस्पताल पहुंचकर हालात का जायजा लिया। मृतकों के शव को भी मोर्चरी में शिफ्ट करवाया गया है। घायलों को त्वरित उपचार के निर्देश दिए गए हैं।

एसपी राजकुमार चौधरी ने बताया कि एसयूवी में सवार होकर भंवरगढ़ से बारां की तरफ ये लोग आ रहे थे। भंवरगढ़ ढाबे के नजदीक हाईवे पर ही करीब 10-30 के आसपास इनकी एसयूवी के सामने अचानक से गोवंश आ गया। इसे बचाने का प्रयास चालक ने किया, लेकिन इसके चलते एसयूवी अनियंत्रित हो गई। इसके बाद पलटते हुए सड़क किनारे चली गई। इसकी सूचना मिलने पर नेशनल हाईवे की पेट्रोलिंग टीम और एंबुलेंस मौके पर पहुंची और इन्हें बारां जिला अस्पताल भेज दिया गया।

पूजा खेडकर कमिश्नरेट में हाजिर होने के लिए नोटिस जारी किया लेकिन वह एक बार भी नहीं आईः कमिश्नर

पुणे , एजेंसी।
फर्जी दस्तावेजों की वजह से ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर की नौकरी चली गई है। खेडकर ने पुणे के कलेक्टर सुहास दिवसे को भी लपेटे में लेने की कोशिश की थी। उन्होंने दिवसे के खिलाफ उत्पीड़न का मामला दर्ज करवा दिया था। दिवसे ने ट्रेनी आईएएस रहीं पूजा खेडकर के नखरों और मांगों की शिकायत की थी इसके बाद महाराष्ट्र सरकार ने उनका ट्रांसफर वाशिम में सहायक कलेक्टर के पद पर कर दिया था।

शुक्रवार को पुणे के कमिश्नर अमितेश कुमार ने कहा, हमने कई बार पूजा खेडकर को कमिश्नरेट में हाजिर होने के लिए नोटिस जारी किया लेकिन वह एक बार भी नहीं आईं। ऐसे में हमने मान लिया है कि उन्हें इस मामले में कुछ नहीं कहना है। अब देखते हैं कि आगे क्या करना है। वहीं वरिष्ठ आईएएस अधिकारी के एक सहयोगी ने कहा कि केस जल्द ही बंद हो जाएगा।

चीफ सेक्रेटरी सुजाता सौनिक ने कहा, पुणे पुलिस मामले की प्राथमिक जांच कर रही है और अब यह खत्म होने वाली है। पूजा खेडकर तब विवाद में आई थीं जब पुणे कलेक्ट्रेट में उन्हें महाराष्ट्र सरकार के प्रतीक और लाल बत्ती वाली गाड़ी में देखा गया था। इसके अलावा पूजा खेडकर ने काम करने के लिए अलग ऑफिस मांगा था। वासिम ट्रांसफर के बाद वह मंत्रालय पहुंच गई थीं। बिना इजाजत ही वह सौनिक के कार्यालय में

घुसती चली गईं। वहीं पूजा खेडकर द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों को दिवासे ने खारिज किया था और कहा था कि कई सीनियर आईएएस अधिकारी उनके साथ खड़े हैं।

दरअसल ट्रेनी आईएएस ने जॉइन करते ही सुहास दिवसे से वीआईपी विशेषाधिकार मांगे थे। उन्होंने कार, बंगला और स्टाफ की डिमांड रख दी थी। इसके बाद पुणे के कलेक्टर ने शिकायत सामान्य प्रशासन विभाग में की। उन्होंने यह भी कहा था कि पूर्व अधिकारी और खेडकर के पिता दिलीप खेडकर इसके लिए दबाव बना रहे हैं। पूजा खेडकर की मां मनोरमा खेडकर को भी बंदूक की नोक पर किसानों को धमकाने के मामले में गिरफ्तार किया गया था। शुक्रवार को पुणे कि अदालत ने उन्हें जमानत दे दी है। पुणे की पुलिस ने मनोरमा उनके पति दिलीप और 6 अन्य लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था।

जम्मू कश्मीर में चुनाव का ऐलान जल्द? ऐक्शन में चुनाव आयोग, तैयारियों का जायजा लेने के लिए होगा दौरा

श्रीनगर, एजेंसी।
जम्मू कश्मीर में चुनाव की तैयारियां जोर पकड़ने लगी हैं। इसी क्रम में चुनाव आयोग अगले हफ्ते जम्मू कश्मीर का दौरा करेगा। यह दौरा मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के नेतृत्व में 8-10 अगस्त तक होगा। इस दौरान उनके साथ चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और एसएस संधू भी होंगे। गौरतलब है कि इस केंद्रशासित प्रदेश में चुनाव कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 30 सितंबर की समयसीमा तय की है। पिछले मार्च में, कुमार उस समय केंद्र शासित प्रदेश का दौरा करने वाले तीन सदस्यीय आयोग के एकमात्र सदस्य थे। उन्होंने राजनीतिक दलों और जम्मू कश्मीर के लोगों को आश्वासन दिया था कि निर्वाचन आयोग जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव जल्द ही कराएगा। उस समय निर्वाचन आयुक्तों के दो पद खाली थे। सोलह मार्च को लोकसभा चुनाव की घोषणा से कुछ दिन पहले ही उन्हें भरा गया था।

जम्मू कश्मीर में लोकसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतदान के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा था कि यह सक्रिय भागीदारी जल्द ही होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए एक बहुत बड़ी सकारात्मक बात है, ताकि केंद्र शासित प्रदेश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया जारी रहे। श्रीनगर में, आयोग सबसे पहले राजनीतिक दलों से मुलाकात कर सकता है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी और केंद्रीय बलों के समन्वयक के साथ समीक्षा की जाएगी। आयोग सभी जिलों के निर्वाचन अधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों के साथ-साथ मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक के साथ तैयारियों की समीक्षा भी करेगा।

आयोग दस अगस्त को कानून लागू करने वाली एजेंसियों के साथ समीक्षा बैठक के लिए जम्मू का दौरा करेगा। समीक्षा प्रक्रिया पर मीडिया को जानकारी देने के लिए आयोग जम्मू में प्रेस कांफ्रेंस भी करेगा। जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव जब भी होगा, 2019 में संविधान के अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त किये जाने और तत्कालीन राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद से पहला विधानसभा चुनाव होगा।

जम्मू कश्मीर में चुनावी कवायद आमतौर पर एक महीने तक चलती है। परिसीमन कवायद के बाद, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को आवंटित सीटों को छोड़कर विधानसभा सीट की संख्या 83 से बढ़कर 90 हो गई है। पिछले दिसंबर में उच्चतम न्यायालय ने निर्वाचन आयोग को 30 सितंबर तक जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने का निर्देश दिया था। जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव जल्द कराए जाने के नये संकेत देते हुए निर्वाचन आयोग ने बुधवार को केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन से कहा कि वह अपने गृह जिलों में तैनात अधिकारियों का तबादला कर दे। आयोग चुनाव से पहले यह कदम उठाता रहा है। आयोग लगातार यह नीति अपनाता रहा है कि चुनाव वाले राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव कराने से सीधे जुड़े अधिकारियों को उनके गृह जिलों या उन जगहों पर तैनात नहीं किया जाए, जहां वे लंबे समय से कार्यरत रहे हैं।

एयरपोर्ट पर लड़की ने उतार लिए कपड़े

न्यूयार्क, एजेंसी। सोशल मीडिया पर एक-दो दिन से एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में एक न्यूड लड़की को हंगामा करते हुए देखा जा सकता है। दावा किया जा रहा है कि एक एयरपोर्ट पर ड्रग्स के नशे में इस लड़की ने अपने कपड़े उतार दिए और सेक्स की डिमांड करने लगी। वीडियो में एक न्यूड लड़की हंगामा करती दिख रही है। सुरक्षाकर्मी उसे काबू करने की कोशिश कर रहे हैं। महिला कभी किसी किसी सुरक्षागार्ड पर झपट पड़ती है तो कभी कोई समान उठाकर फेंकती है। मौके पर अफरातफरी का माहौल है। भीड़ तमाशा देख रही है। बड़ी मुश्किल से कुछ सुरक्षाकर्मी उसे काबू करते हैं। सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर बड़ी संख्या में लोग इस वीडियो को साझा कर रहे हैं। वीडियो के साथ लिखा जा रहा है, ड्रग्स के प्रभाव में एक एयरपोर्ट पर लड़की ने यात्रियों से सेक्स की डिमांड करते हुए हंगामा मचा दिया। अधिकतर लोगों ने इसी मैसेज के साथ वीडियो को पोस्ट किया है। लोग इस पर तरह तरह के कॉमेंट कर रहे हैं। नग्नता होने की वजह से हम इस वीडियो को नहीं दिखा सकते। इस वीडियो की पड़ताल से घटना का सच सामने आया। हमने जब कुछ संबंधित कीवर्ड्स के साथ गूगल सर्च किया तो कुछ खबरों तक पहुंचे। हम जमैका ग्लीनर और जमैका ऑब्जर्वर पर प्रकाशित खबरों तक पहुंचे। इन खबरों में इस घटना के बारे में विस्तार से बताया गया है। सबसे पहला सच तो यह सामने आया कि यह वीडियो करीब 6 महीने पुराना है। घटना इस साल जनवरी के अंत में हुई थी।

सर्रे में बंदूकों के साथ नाचते लोगों का वीडियो वायरल, खालिस्तान कनेक्शन की हो रही जांच

ओटावा , एजेंसी। कनाडा में जस्टिन ट्रूरूडो सरकार की नाक तले खालिस्तानी आंतकियों की गतिविधियां लगातार जारी हैं। कैलगरी के सरकारी सुविधा में खालिस्तानी संगठन सिख फॉर जस्टिसद्वारा भारत के खिलाफ करवाया गया जनमत संग्रह इसकी ताजा मिसाल है। इस आयोजन के चंद दिन बाद ही सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसके बाद फिर कनाडा सरकार पर सवाल खड़े हो गए हैं। इस वीडियो में ब्रिटिश कोलंबिया के सर्रे मेंएक समूह को जश्न के दौरान बंदूकों के साथ नाचते हुए देखा गया। इस घटना के पीछे खालिस्तान समर्थकों का हाथ होने का शक जताया जा रहा है। पुलिस ने सर्रे में इस मामले से जुड़े कई लोगों बंदूकें जब्त कर ली हैं। यह घटना सरे में सार्वजनिक सुरक्षा के मुद्दे पर ध्यान आकर्षित करती है और पुलिस इस मामले को गंभीरता से ले रही है। खालिस्तान के साथ संभावित संबंध की जांच भी की जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को रोका जा सके। यह वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें कई लोग बंदूकों के साथ जश्न मनाते हुए दिखे। यह वीडियो एक निजी समारोह का हिस्सा था, जिसमें खालिस्तान के समर्थक शामिल थे। वीडियो सामने आने के बाद, रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने तुरंत कार्रवाई की। उन्होंने वीडियो की जांच की और घटना स्थल की पहचान की। पुलिस ने स्थान पर छापा मारा और कई बंदूकें जब्त कीं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि ये बंदूकें वैध थीं या अवैध। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि इस घटना का खालिस्तान

आंदोलन से कोई संबंध है या नहीं। वे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि बंदूकें वहां कैसे पहुंचीं और उनका क्या उद्देश्य था। पुलिस ने मौके पर मौजूद कुछ लोगों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ कर रही है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि इस घटना का खालिस्तान आंदोलन से कोई संबंध है या नहीं। वे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि बंदूकें वहां कैसे पहुंचीं और उनका क्या उद्देश्य था। कनाडा सरकार ने इस मामले को गंभीरता से लिया है और पुलिस को सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

पाक पीएम शहबाज शरीफ ने चीन को दी रिश्तों की दुहाई

थोड़ी सी और मोहलत के लिए लगाई गुहार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए बताया कि उन्होंने खुद चीनी सरकार को खत लिखकर लोन की रिप्रोफाइलिंग करने की गुहार लगाई है। चीन अगर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की गुहार को सुन लेता है तो पाकिस्तान को अगले महीने अंत्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से 7 बिलियन डॉलर का बेलआउट पैकेज मिल सकता है। पाकिस्तान के अखबार डॉन में छपी एक रिपोर्ट में बताया गया था कि पाकिस्तान को अगर आईएमएफ से 37 महीने का बेलआउट पैकेज चाहिए तो उसे अपने मित्र देशों से लिए गए लोन्स की रिप्रोफाइलिंग करानी होगी। चीन, सऊदी अरब और यूएई के साथ पाकिस्तान को करीब 27 अरब अमेरिकी डॉलर की देनदारी की रिप्रोफाइलिंग की जरूरत है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा कि यह अब सबकी जानकारी में हैं कि उन्होंने चीन की सरकार को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने लोन की रिप्रोफाइलिंग के लिए गुहार लगाई है। विश्व बैंक के अनुसार, रिप्रोफाइलिंग का मतलब लिए गए लोन पर जो समय सीमा पहले से तय की गई थी या जो नियम पहले से तय किए गए थे उनको एक बार फिर से बातचीत के जरिए तय किया जाए। इसमें समय सीमा को आगे बढ़ाने और नियमों थोड़ी और ढिलाई की उम्मीद की जाती है। यदि किसी देश को एक साथ कई लोन्स के भुगतान का सामना करना पड़ रहा है तो यह प्रक्रिया उसकी मदद कर सकती है। यह प्रक्रिया किसी भी देश की वित्तीय जोखिम की स्थिति को कम करके उसे दिवालिया होने से बचा सकती है। पीएम शरीफ ने बैठक के दौरान

अपने मंत्रियों से कहा कि वित्तमंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने अपनी यात्रा के दौरान चीन में बहुत अच्छी बैठकें की। वहां पर उनके द्वारा किए गए प्रयास पाकिस्तान और चीन के रिश्तों में भरोसे को बढ़ाएंगे। हम पाकिस्तान में संरचनात्मक सुधारों को लागू करने के प्रयास में लगे हुए हैं उपभोक्ता चाहे घरेलू हों या फिर व्यापारी हम सभी को राहत देने के लिए दिन रात पूरी तरह से मेहनत कर रहे हैं। इससे पहले पीएम ने चीन के साथ दोस्ताना संबंधों की भी सराहना की थी। उन्होंने चीन से लिए कर्ज पर बात करते हुए कहा कि उस समय जब चीन ने हमारे ऊर्जा क्षेत्र में निवेश किया तो कोई भी हमारे देश में निवेश करने के लिए तैयार नहीं था लेकिन चीन ने न केवल ऊर्जा क्षेत्र में निवेश किया बल्कि सीपीईसी भी शुरू किया, चीन एकमात्र ऐसा देश था जो कि हमारी मदद करने के लिए आगे आया था।

चीन में पुल ढहने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 38 हुई, दो दर्जन लोग अभी भी लापता

बीजिंग , एजेंसी। चीन में दो सप्ताह पहले उत्तर-पश्चिमी शांक्सी प्रांत में एक राजमार्ग पुल के आंशिक रूप से ढहने से मरने वालों की संख्या बढ़ 38 हो गई है और करीब दो दर्जन लोग अभी भी लापता हैं। सरकारी प्रसारक सीसीटीवी ने शुक्रवार शाम को यह जानकारी देते हुए बताया कि 19 जुलाई को हुई इस दुर्घटना में दो दर्जन वाहन तेज बहाव वाली नदी में गिर गए थे। सीसीटीवी की खबर के अनुसार, एक व्यक्ति को बचा लिया गया था। शांक्सी प्रांत में जिस क्षेत्र में डैनिंग राजमार्ग पर पुल ध्वस्त हुआ, वहां पिछले दिनों भारी बारिश हुई थी। सीसीटीवी की खबर के मुताबिक, पुल ध्वस्त होने पर कम से कम 25 कार नदी में गिर गईं। बचाव दलों ने पीड़ितों की तलाश में कई किलोमीटर नीचे तक खोज की है। घटना के तुरंत बाद सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ द्वारा जारी की गई एक तस्वीर में पुल का एक हिस्सा टूटा हुआ और लगभग 90 डिग्री के कोण पर नीचे बहते भूरे पानी में मुड़ा हुआ दिखाई दे रहा था। सीसीटीवी की खबर में कहा गया है कि नदी एक पहाड़ी घाटी से होकर गुजरती है और मई में गुआंगदोंग प्रांत में इसी तरह की एक घटना में 36 लोगों की मौत हो गई थी।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, निरार बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद

(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129